

रोज़गार और निर्माण

http://www.rojgaraurnirman.in

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 15.06.2020 से 21.06.2020

देश एवं प्रदेश के विकास के लिए गांवों का विकास आवश्यक

गांवों में विकास एवं कोरोना रोकथाम के लिए दी गई 1830 करोड़ रुपये की राशि



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरपंचों एवं पूर्व सरपंचों से संवाद करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के लगभग 6 हजार सरपंचों और पूर्व सरपंचों को संबोधित किया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उपस्थित सरपंचों और पूर्व सरपंचों से संवाद करते हुये पंच-परमेश्वर योजना, मनरेगा के कार्यों, श्रम सिद्धि अभियान, रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीयन, गौशाला निर्माण, निःशुल्क राशन वितरण तथा कोरोना की स्थिति के संबंध में चर्चा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा हिन्दुस्तान गांवों में बसता है। गांवों के विकास से ही देश एवं प्रदेश का विकास संभव है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए पर्याप्त राशि पंचायतों को दी जा रही है। सरकार ने पंच-परमेश्वर योजना को दोबारा चालू किया है तथा 14वें वित्त आयोग की 1830 करोड़ 7 लाख रुपये की राशि पंचायतों को भिजवाई गई है। (1555 करोड़ रुपये अधोसंरचना विकास एवं पेयजल व्यवस्था के लिए तथा 275 करोड़ रुपये कोविड रोकथाम के लिए)। सरपंच इस राशि का समुचित उपयोग करें। कोरोना की रोकथाम के साथ ही अच्छी गुणवत्ता के स्थाई प्रकृति के

विकास कार्य करवाएं। जल एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दें।

कोविड की रोकथाम के लिए 275 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना रोग शहरों से ही गांवों में पहुंचा है। अभी मध्यप्रदेश के 440 गांवों में 904 कोरोना के मरीज पाए गए हैं। सरकार ने कोविड की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों को 14वें वित्त आयोग की 15 प्रतिशत राशि 275 करोड़ रुपये भिजवाई है। इसे मास्क, साफ-सफाई, साबुन, सेनेटाइजर, पीपीई किट आदि पर खर्च किया जा सकता है। प्रदेश में कोरोना के मरीज तीव्र गति से स्वस्थ हो रहे हैं, फिर भी पूरी सावधानी की आवश्यकता है। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सभी मास्क लगाएं, दो गज की दूरी रखें तथा अन्य सावधानियां बरतें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का देसी नुस्खा बताया

मुख्यमंत्री ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का देसी नुस्खा भी सरपंचों को बताया। उन्होंने बताया कि गिलोए को पानी में उबालें, एक कप में पांच तुलसी के पत्ते, काली मिर्च के तीन दाने तथा हल्दी डालकर उसका काढ़ा बनाकर पिएं। इसके साथ ही

नियमित रूप से योगासन और प्राणायाम करें।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को औसत 8 लाख रुपये की राशि

श्री चौहान ने बताया कि ग्राम पंचायतों को अधोसंरचना विकास, पेयजल संबंधी कार्य, संधारण कार्य आदि के लिए 14वें वित्त आयोग की 1555 करोड़ रुपये की राशि भिजवाई गई है।

1256 करोड़ रुपये की राशि मजदूरों के खातों में

श्री चौहान ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत 1256 करोड़ रुपये की राशि मजदूरों के खातों में पहुंचाई गई है। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 25 लाख 14 हजार मजदूरों को मनरेगा के तहत रोजगार दिलाया जा रहा है। श्रमसिद्धि अभियान में भी 7.5 लाख से अधिक मजदूरों को जॉब कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण लेने की योजना पुनः प्रारंभ की है। पिछले वर्ष जिन किसानों ने जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण लिया था अब उनके लिए ऋण अदायगी की तिथि को बढ़ाकर 30 जून कर दिया गया है।

श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने लगेगे मेले

भोपाल, श्रमिकों के हुनर को नियोजकों से जोड़ने के लिए 'रोजगार सेतु' बनाया गया है। ऑनलाइन रोजगार देने वाली इस योजना के पोर्टल में श्रमिकों के पंजीयन के साथ नियोजकों का भी पंजीयन किया गया है। इसके अतिरिक्त संयल योजना में पंजीकृत श्रमिक तथा अन्य प्रदेशों से लौटे मध्यप्रदेश के श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रथम चरण में चिन्हित जिलों में रोजगार मेलों का आयोजन किया जायेगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति

रोजगार मेलों के आयोजन के लिये जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में रोजगार मेला समिति गठित की गई है। समिति के समन्वयक सीईओ जिला पंचायत होंगे। सदस्य सचिव जिला रोजगार अधिकारी अथवा महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र होंगे। समिति में महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, प्रबंधक एकेवीएन, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण, कार्यपालन यंत्री जल

संसाधन, आयुक्त नगर निगम/नगर पालिका अधिकारी, महाप्रबंधक ग्रामीण सड़क प्राधिकरण, पीआईयू लोक निर्माण विभाग, एस.ई./डी.ई. विद्युत वितरण कम्पनी, सहायक आयुक्त श्रम/जिला श्रम पदाधिकारी और उपायुक्त/कार्यपालन यंत्री मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल सदस्य होंगे।

रोजगार मेलों का आयोजन जून माह के तीसरे सप्ताह में किया जाना है। जिन जिलों में अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर रोजगार मेले आयोजित होंगे। प्रत्येक श्रमिक को एस.एम.एस. के माध्यम से सूचना दी जायेगी। मेले तक श्रमिकों को लाने तथा वापस भेजने की व्यवस्था की जायेगी। मेला स्थल पर भोजन और पानी की व्यवस्था भी रहेगी। मेला स्थल में भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम के संबंध में जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना जरूरी होगा।

रोजगार सेतु पोर्टल

मजदूरों को उनके कौशल एवं दक्षता अनुसार मिलेगा रोजगार

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश लौटे प्रवासी मजदूरों को उनकी कुशलता एवं दक्षता के अनुसार कार्य दिलाने के लिए रोजगार सेतु पोर्टल प्रारंभ किया गया है। पोर्टल पर सभी प्रवासी मजदूरों का पंजीयन किया गया है। साथ ही ऐसे नियोजकों को पंजीयन किया गया है, जिन्हें विभिन्न कार्यों के लिए कुशल/अकुशल मजदूरों की आवश्यकता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में रोजगार सेतु पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहीं।

दस हजार से अधिक नियोजता पंजीकृत हुए

रोजगार सेतु पोर्टल पर 10 हजार से अधिक नियोजता पंजीकृत हो गए हैं। इनमें सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग, कारखाना, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, संस्थाएं, ठेकेदार, विल्डर, भवन निर्माता, दुकानदार, प्लेसमेंट एजेंसी आदि शामिल हैं। नियोजता अपने उद्यम/व्यवसाय की आवश्यकता अनुसार पोर्टल से श्रमिकों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र ऑनलाइन प्रदान कर रहे हैं।

13 लाख से अधिक श्रमिक पंजीकृत

रोजगार सेतु पोर्टल पर 7 लाख 30 हजार 311 प्रवासी श्रमिकों तथा 5 लाख 79 हजार 879 उनके परिवार के सदस्यों का,

इस प्रकार कुल 13 लाख 10 हजार 186 का पंजीयन किया जा चुका है। पोर्टल में 3 लाख 24 हजार 715 संयल योजना के हितग्राही पंजीकृत हुए हैं। वहीं 15 हजार 722 भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल के श्रमिकों का पंजीयन किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित प्रवासी श्रमिक परिवारों के सदस्यों की संख्या 13 लाख 10 हजार 186 है, सभी को निःशुल्क राशन प्रदाय किया जा रहा है।

विभिन्न व्यवसायों में मिला रोजगार

रोजगार सेतु पोर्टल के माध्यम से 28 मजदूरों को एग्रो प्रोसेसिंग, 7 मजदूरों को केन एवं वांस उद्योग, 4 को कम्प्यूटर ऑपरेटर, 3 कारपेन्टर, 5 को ड्रायवर-सह-मैकेनिक, 3 को बिल्डिंग मॉटेनेंस, 3 को मशीनिस्ट, 2 को कारीगर, 4 को इलेक्ट्रिशियन, 2 को सर्वेयर, 10 हाउस कीपर तथा एक-एक मजदूरों को केटरिंग सहायक, कम्प्यूटर हार्डवेयर, पत्थर मशीन ऑपरेटर, प्रयोगशाला सहायक, प्लम्बर, फोटोग्राफर, वेकर, ट्रेक्टर मैकेनिक, मशीन टुल्स मॉटेनेंस, एचआर एक्जीक्यूटिव, वेल्डर की नियुक्ति प्राप्त हुई है। इसके अलावा 202 को मजदूरी कार्य तथा 18 मजदूरों को अन्य कार्य में रोजगार मिला है।

मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना

हमारा संकल्प - मुख्यमंत्री

इंदौर, मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना हमारा सपना भी है और संकल्प भी है। यह सपना उद्योगों की स्थापना के बगैर पूरा नहीं किया जा सकता है। क्योंकि रोजगार मुहैया कराने में इंडस्ट्रीज सेक्टर अग्रणी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के अभय प्रशाल में विभिन्न औद्योगिक संघों के पदाधिकारियों से चर्चा के दौरान कहीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास निगम इंदौर परिसर के तहत 2015 से 2018 तक हुए उद्योग स्थापना के कार्य का प्रेजेंटेशन भी देखा। इस दौरान उन्होंने पीथमपुर की तीन औद्योगिक

इकाईयों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना काल के दौरान पिछले महीनों में प्रदेश को 26 हजार करोड़ रुपये के टैक्स का नुकसान हुआ है। इसकी भरपाई के लिये योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जायेंगे। रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित किया जायेगा।

पीथमपुर की दवा इंडस्ट्रीज ने अमेरिका जैसे देश को कोरोना काल में दवाइयों की सप्लाई कर देश का मान बढ़ाया है। इसके अलावा पीपीई किट के निर्माण तथा सेनेटाइजर बनाने के काम में पीथमपुर की इंडस्ट्रीज अग्रणी रही है।

मध्यप्रदेश में वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना प्रारम्भ

प्रदेश की सभी उचित मूल्य

दुकानों का ऑटोमेशन पूर्ण

श्री चौहान ने बताया कि योजनांतर्गत प्रदेश की समस्त 24 हजार 980 उचित मूल्य दुकानों पर पीओएस मशीनें लगाई जाकर उनका ऑटोमेशन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश में पोर्टेबिलिटी के माध्यम से राशन का वितरण भी हितग्राहियों को प्रारंभ कर दिया गया है।

अन्य 20 राज्यों में मिल सकेगा राशन

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के पात्र परिवारों को अन्य 20 राज्यों आंध्रप्रदेश, बिहार, दादर और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, मिजोरम, उड़ीसा एवं सिक्किम में राशन मिल सकेगा।

साथ ही, इन राज्यों के हितग्राहियों को मध्यप्रदेश की दुकानों से राशन प्राप्त करने

की भी पात्रता होगी।

दो रुपये किलो गेहूं तथा

3 रुपये किलो चावल मिलेगा

श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश के पात्र हितग्राहियों को अन्य राज्यों में एवं अन्य राज्यों के पात्र हितग्राहियों को मध्यप्रदेश में गेहूं 2 रुपये, चावल 3 रुपये तथा मोटा अनाज 1 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्राप्त होगा।

अट्ठार हजार से अधिक

परिवार लाभान्वित

बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 18 हजार 452 परिवारों एवं 32 हजार 436 सदस्यों को लाभान्वित किये जाने के लिये चिन्हांकन किया जाकर खाद्यान्न वितरण प्रारंभ किया गया है। हितग्राहियों के चिन्हांकन के साथ ही उन्हें लाभ देने की कार्यवाही जारी रहेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



6 जून

यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 4 अक्टूबर को होगी आयोजित

● संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2020 की नई



Union Public Service Commission

तारीख की घोषणा की है। यह परीक्षा 4 अक्टूबर को आयोजित होगी, वहीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का आयोजन 8 जनवरी 2021 को किया जाएगा। यूपीएससी ने परीक्षा कैलेंडर जारी किया है। इसके अलावा यूपीएससी ने कहा कि पिछले वर्ष सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में पास उम्मीदवारों का साक्षात्कार 20 जुलाई से शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2020, 31 मई को होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के संक्रमण के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। प्रारंभिक परीक्षा में 200-200 अंकों के 2 पेपर होते हैं। इन पेपरों में बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाते हैं।

● विश्व की अग्रणी सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिये नया फीचर लॉन्च किया है। अब फेसबुक के यूजर्स अपने फोटो और वीडियो सीधे गूगल फोटोज में ट्रांसफर कर सकते हैं। फेसबुक से सीधे गूगल पर फोटो को शिफ्ट करने की प्रोसेस काफी आसान है। फेसबुक ने इस फीचर को पूरे विश्व में लॉन्च किया है। फेसबुक यूजर्स को फोटो ट्रांसफर फीचर का इस्तेमाल करने के लिये सेटिंग में बदलाव करना होगा। सेटिंग में जाकर यूजर्स को योर फेसबुक इन्फॉर्मेशन को सर्च कर इसमें ट्रांसफर ए कॉपी ऑफ योर फोटो और वीडियो को सेलेक्ट करना होगा। इसके बाद वेरिफिकेशन के लिये फेसबुक अकाउंट का पासवर्ड मांगा जाएगा। वेरिफिकेशन के बाद यूजर्स ड्रॉपडाउन मेन्यू से फोटो को गूगल में शिफ्ट कर सकेंगे।

7 जून

देशभर में 15 अगस्त के बाद खुलेंगे स्कूल और कॉलेज

● केंद्रीय मानव संसाधन और विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि स्कूल और कॉलेजों को अगस्त 2020 के बाद फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि संभवतः 15 अगस्त के बाद शैक्षणिक संस्थान खोले जा सकते हैं।

श्री पोखरियाल ने बताया कि 15 अगस्त तक सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में लगभग 33 करोड़ छात्रों की

शिक्षा प्रभावित न हो, इस बात का ध्यान रखा जा रहा है। जब शिक्षण संस्थान खुलेंगे, तो सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा होगा। एनसीईआरटी और यूजीसी ने इसके लिये सुरक्षा के दिशा-निर्देश तैयार किये हैं।

● विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि भारत में कोरोना महामारी की स्थिति विस्फोटक नहीं हुई है, लेकिन लॉकडाउन हटाये जाने के बाद संक्रमण तेज होने का खतरा बढ़ गया है। डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य आपातकालीन कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक माइकल रेयान ने कहा कि भारत में तीन सप्ताह में कोरोना के मामले दो गुने हो रहे हैं, इससे लगता है कि महामारी की स्थिति विस्फोटक नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी विस्फोटक स्थिति नहीं है। लेकिन इन देशों में कोरोना संक्रमण तेज होने का खतरा बना रहेगा।

● पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग एक करोड़ बैरल तेल की प्रतिदिन कटौती को एक महीने के लिये बढ़ा दिया है। अब यह कटौती जुलाई 2020 तक चलेगी। ओपेक के अनुसार, यह कदम कोरोना महामारी की वजह से पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर बाजार में स्थिरता लाने की उम्मीद में उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि विश्व के कई देशों में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन से कच्चे तेल की मांग प्रभावित हुई है।

8 जून

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने के लिये अन्य देशों के नियमों में राहत जरूरी

● केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को दोबारा शुरू करने के मुद्दे पर कहा कि विभिन्न देशों द्वारा विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने संबंधी नियमों में ढील दिये जाने के बाद भारत

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने के बारे में फैसला होगा। श्री पुरी ने कहा कि जब विभिन्न देश, विदेशी यात्रियों को अपने यहां प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा लेंगे और उन्हें देश में आने की अनुमति देंगे, तब अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का नियमित परिचालन हो सकेगा। गंतव्य देशों को आने वाली उड़ानों को रिसीव करने के लिये तैयार रहना होगा। श्री पुरी ने बताया कि ज्यादातर देश 10 प्रतिशत से भी कम अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का संचालन कर रहे हैं, क्योंकि वे सिर्फ अपने नागरिकों को आने देंगे, जबकि विदेशी नागरिकों के आने पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके अलावा कई देश ऐसे भी हैं, जिन्होंने चुनिंदा देशों से विमान आने की अनुमति दी है, लेकिन उन्होंने यात्रियों पर क्वारंटाइन जैसे प्रतिबंध लगा रखे हैं।

● केंद्र सरकार ने वाहनों के लिये नये उत्सर्जन मानक भारत स्टैंडर्ड (बीएस-6) को एक अक्टूबर 2020 से लागू करने का फैसला किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल और सीएनजी वाले बीएस-6 चार पहिया वाहनों के नंबर प्लेट पर एक सेंटीमीटर चौड़ी हरे रंग की पट्टी लगानी अनिवार्य होगी, वहीं डीजल वाले बीएस-6 वाहनों के नंबर प्लेट पर नारंगी रंग की पट्टी लगानी होगी। सरकार के अनुसार, बीएस-6 वाहनों से 70

प्रतिशत प्रदूषण कम होगा, वहीं माइलेज में भी वृद्धि होगी।

9 जून

एसएमएस के जरिये भर सकेंगे जीएसटी रिटर्न

● केंद्र सरकार ने कोरोना काल में कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। इस राहत के तहत अब जिन कारोबारियों की जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) नहीं बनती है, वे एसएमएस के जरिये ही अपना रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के इस फैसले से जीएसटी नेटवर्क पर पंजीकृत लगभग 22 लाख कारोबारियों को फायदा हो सकता है। अभी इन कारोबारियों को हर महीने जीएसटी पोर्टल पर अपना रिटर्न फाइल करना पड़ता है। अब नये नियम के तहत इन कारोबारियों की देनदारी अगर शून्य है, तो इन्हें पोर्टल पर रिटर्न फाइल करने की जरूरत नहीं होगी। ये कारोबारी अब एसएमएस भेजकर ही रिटर्न फाइल कर सकेंगे। इस सुविधा के तहत कारोबारियों को मैसेज को तय प्रारूप में टाइप करके 14409 नंबर पर भेजना होगा। मैसेज भेजने के बाद कारोबारी के पास एक ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आएगा। ओटीपी को पुष्टि होते ही कारोबारी का जीएसटी रिटर्न दाखिल हो जाएगा।

● विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट रिपोर्ट के नवीनतम एडिशन को जारी करते हुये कहा कि कोरोना महामारी के कारण आर्थिक सुस्ती में चल रही वैश्विक अर्थ-व्यवस्था इस वर्ष 5.2 प्रतिशत तक सिकुड़ जायेगी। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक संकट जिस गति और गहराई के साथ चोट कर रहा है, वैसी स्थिति में बहुत धीमी रिकवरी होगी। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह सबसे बड़ी मंदी होगी। डेविड मालपास ने कहा कि वर्ष 1870 के बाद यह पहली मंदी है, जो किसी महामारी की वजह से आई है।

● कोरोना संकटकाल में एटीएम मशीन को छूने से संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। इस समस्या से जल्द निजात मिल सकती है। कैश एंड डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन एंड ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराने वाली कंपनी एजीएस ट्रांजेक्ट टेक्नोलॉजी ने एक टचलेस एटीएम सॉल्यूशन बनाया है, जिससे एटीएम को छुए बिना पैसे निकाले जा सकेंगे। इस सॉल्यूशन के तहत एटीएम स्क्रीन पर एक क्यूआरकोड दिखेगा, जिसे मोबाइल पर स्कैन कर कार्डधारक पैसे निकाल सकेगा।

● कोरोना संकटकाल में एटीएम मशीन को छूने से संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। इस समस्या से जल्द निजात मिल सकती है। कैश एंड डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन एंड ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराने वाली कंपनी एजीएस ट्रांजेक्ट टेक्नोलॉजी ने एक टचलेस एटीएम सॉल्यूशन बनाया है, जिससे एटीएम को छुए बिना पैसे निकाले जा सकेंगे। इस सॉल्यूशन के तहत एटीएम स्क्रीन पर एक क्यूआरकोड दिखेगा, जिसे मोबाइल पर स्कैन कर कार्डधारक पैसे निकाल सकेगा।

10 जून

ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कार्ड की वैधता 30 सितंबर तक बढ़ी

● केंद्र सरकार ने एक्सपायर हो चुके ड्राइविंग लाइसेंस, लर्निंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट की वैधता 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने मोटर वाहन अधिनियम से जुड़े दस्तावेजों की वैधता तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर करने की घोषणा की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को

परामर्श जारी करते हुये कहा कि मौजूदा कोरोना संकट को ध्यान में रखते हुये ड्राइविंग लाइसेंस, लर्निंग लाइसेंस, परमिट, फिटनेस, वाहन पंजीकरण जैसे अन्य दस्तावेजों की वैधता अवधि 30 सितंबर तक बढ़ाएँ। पहले यह समय सीमा 30 जून तक बढ़ाई गई थी। सरकार के इस फैसले से देशभर में करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा।

● एशिया का नोबेल पुरस्कार कहे जाने वाले रेमन मैग्सेसे पुरस्कार इस वर्ष प्रदान नहीं किये जायेंगे। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह को कोरोना महामारी के कारण रद्द किया गया है। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार देने वाले फाउंडेशन ने कहा कि कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को ठप्प कर दिया है। इसके कारण हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। पिछले 60 वर्षों में यह तीसरा अवसर है, जब यह पुरस्कार नहीं दिया जायेगा। इससे पहले वर्ष 1970 में आर्थिक संकट तथा वर्ष 1990 में विनाशकारी भूकंप के चलते पुरस्कार वितरण समारोह रद्द किया गया था। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की स्मृति में वर्ष 1957 से दिया जा रहा है। यह पुरस्कार शासकीय सेवाएं, सार्वजनिक सेवाएं, सामुदायिक सेवाएं, पत्रकारिता, साहित्य, रचनात्मक संचार कला, शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ तथा इमर्जेंट लीडरशिप जैसे क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिये प्रदान किया जाता है।

11 जून

क्यूएस वर्ल्ड टॉप-500 रैंकिंग में भारत के 8 संस्थान शामिल

● विश्व में शीर्ष शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी करने वाली एंजेंसी क्यूएस ने वर्ष



2021 के लिये रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में विश्व के टॉप-500 शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया है। इन टॉप-500 संस्थानों में भारत के 8 संस्थानों को भी जगह मिली है। इस रैंकिंग में अमेरिका स्थित मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पहले स्थान पर रहा। इस संस्थान ने लगातार नौवें वर्ष इस रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया है। दूसरे स्थान पर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय तथा तीसरे स्थान पर हार्वर्ड विश्वविद्यालय रहा। इस रैंकिंग में आईआईटी बॉम्बे 172वें, आईआईएससी बंगलुरु 185वें तथा आईआईटी दिल्ली 193वें, आईआईटी मद्रास 275वें, आईआईटी खड़गपुर 314वें, आईआईटी कानपुर 350वें, आईआईटी रुड़की 383वें तथा आईआईटी गुवाहाटी 470वें स्थान पर काबिज हैं।

● संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कोरोना महामारी के असर को देखते हुये

आशंका जताई है कि इस संकट के कारण इस वर्ष लगभग 4.9 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी के गर्त में जा सकते हैं। साथ ही गुटेरेस ने सभी देशों से वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भी कहा है। गुटेरेस ने कहा कि यदि तत्काल कदम नहीं उठाये गये तो साफ है कि भीषण वैश्विक खाद्यान्न आपात स्थिति का जोखिम बढ़ जायेगा। उन्होंने कहा कि विश्व की 7.8 अरब आबादी को भोजन कराने के लिये पर्याप्त से अधिक खाना उपलब्ध है, लेकिन फिर भी 82 करोड़ से ज्यादा लोग भुखमरी के शिकार हैं।

● भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन आर.एस. शर्मा ने एक वेबिनार में कहा कि देश में फिक्स्ड लाइन से जुड़ी डांचागत सुविधा को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत में फिक्स्ड लाइन डांचे के जरिए केवल 6 से 7 प्रतिशत डाटा ट्रांसफर होता है, जबकि विश्व में इसका औसत लगभग 46 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में अभी केवल 1 लाख वाईफाई हॉटस्पॉट हैं, जबकि फ्रांस में इनकी संख्या 18 लाख है। उन्होंने कहा कि फेसबुक, गूगल और अमेजन जैसी कंपनियां देश के दूरसंचार क्षेत्र में निवेश के रुचि दिखा रही हैं।

12 जून

यूरोपीय देशों में बहाल होगी आवाजाही

● कोरोना महामारी के कारण यूरोपीय देशों में तीन माह से अधिक समय बाद आवाजाही शुरू करने की तैयारियां की जा रही हैं। यूरोपीय संघ ने यूरोप में गैर जरूरी यात्राओं पर लगी रोक में एक जुलाई से ढील देने की योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत विदेशी छात्रों, गैर यूरोपीय नागरिकों और पेशेवर लोगों को भी छूट मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मार्च में यूरोप में कोरोना संक्रमण फैलने की शुरुआत हुई थी। इस वायरस की रोकथाम के लिये यूरोप में सभी गैर जरूरी यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने लॉकडाउन के चलते प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिये गैर जरूरी यात्राओं को खोलने की सिफारिश की थी।

● हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले की पार्वती घाटी में बादल फटने से लोगों को आगाह करने के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित की जायेगी। यह प्रणाली पूरी तरह स्वचालित तथा सैटेलाइट से जुड़ी होगी। इस प्रणाली से लोगों को समय रहते बादल फटने की जानकारी मिल सकेगी। इस प्रणाली में बादल फटने से 15 मिनट पहले स्वचालित तरीके से सायरन बजेंगे। साथ ही स्थानीय लोगों के मोबाइल फोन पर अलर्ट भी आ जायेगा। इस प्रणाली से स्थानीय प्रशासन को भी समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का मौका मिल जायेगा।

जिला संकट प्रबंधन समूह की बैठक

प्रवासी श्रमिकों को रोजगार की व्यवस्था राज्य सरकार की प्राथमिकता

भोपाल, आदिम-जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह ने उमरिया में जिला-स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक को संबोधित करते हुये कहा है कि कोरोना संक्रमण से जन-सामान्य की सुरक्षा तथा प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। बैठक में विधायक श्री शिवनारायण सिंह भी मौजूद थे।

आदिम-जाति कल्याण मंत्री ने कहा कि कोरोना संकट अभी खत्म नहीं हुआ है।

इसलिये और अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिले के जिन क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव लोग चिन्हित हुए हैं, वहाँ सावधानी बरती जाये। कंटेनमेंट क्षेत्र के लोगों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया जाये। जिन छात्रावासों एवं स्कूलों में लोगों को क्वारंटाइन किया गया था, उन्हें सेनेटाइज कराया जाये।

(स्रोत : संवादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

रोज़गार और निर्माण वर्ष 37, अंक 24, 15.06.2020 से 21.06.2020

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खांडे ● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी ● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह ● उप सम्पादक - रंजना चितले ● उप महाप्रबंधक - अजीत रोमन (विज्ञापन और प्रसार) ● प्रबंधक - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार) ● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन) ● आकल्पन - आशा रोमन, हेमंत वायंगणकर, सुशील लॉडगे ● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोजगार और निर्माण, भोपाल के नाम वनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-

रोजगार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरंरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फेक्स - 4228409, e-mail : mpmtdp@yahoo.com

रोजगार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोजगार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोजगार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।



महाविद्यालयों में परीक्षाएं

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के क्षेत्राधिकार में आने वाले महाविद्यालयों में 29 जून से 31 जुलाई 2020 के मध्य स्नातक अंतिम तथा स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं के परिणाम अगस्त माह में ही घोषित कर दिये जायेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कोविड-19 के दृष्टिगत विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के सफलतापूर्वक संचालन के लिये सभी कुलसचिव, प्राचार्य, परीक्षा केंद्र अधीक्षक और परीक्षार्थियों के लिये दिशा-निर्देश दिये गये हैं। कुलसचिवों को दिये गये निर्देशों में कहा गया है कि विश्वविद्यालय को कोविड-19 के संदर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा आरंभ के समय विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार वाले स्थलों पर निवासरत न होने के कारण जून-जुलाई 2020 से आयोजित होने वाली परीक्षा से वंचित होता है तो ऐसे परीक्षार्थी के लिये पृथक से परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा किया जायेगा। परीक्षा संचालन के दौरान किसी परीक्षा केंद्र के आकस्मिक रूप से हॉट स्पॉट की श्रेणी में चयनित होने पर वैकल्पिक परीक्षा केंद्र और परीक्षा आयोजन की व्यवस्था की संपूर्ण तैयारी पूर्ण करने के निर्देश भी दिये गये हैं। ऐसे परीक्षार्थी जो लॉकडाउन की अवधि में अपने परीक्षा केंद्रों से पृथक स्थान पर हैं और उन्होंने अपनी जानकारी उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल के माध्यम से अद्यतन की है तो उनकी परीक्षाएं संबंधित विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले निकट के परीक्षा केंद्र पर आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होंगी। संबंधित विश्वविद्यालय की ओर से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करने के लिये संबंधित शासकीय महाविद्यालय से पर्यवेक्षक को नियुक्त किया जायेगा। पर्यवेक्षक को संबंधित शासकीय महाविद्यालयों द्वारा पहचान पत्र उपलब्ध करवाया जायेगा। यदि किसी पर्यवेक्षक के पास पहचान पत्र नहीं है तो परीक्षा अधीक्षक संबंधित शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य से जानकारी लेकर उनके पहचान पत्र बनाने के लिये अधिकृत होंगे। परीक्षा केंद्रों/उप-परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षक की उपस्थिति और सीसी टीवी कैमरे की निगरानी में ही प्रश्न-पत्र खोलना अनिवार्य होगा। जिन परीक्षा केंद्रों पर शारीरिक दूरी के संदर्भ पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है, उन केंद्रों/उप-केंद्रों में परीक्षा समाप्ति के बाद उत्तर-पुस्तिकाओं के सील लिफाफे के ऊपर पर्यवेक्षक के समय के साथ हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। संस्था द्वारा परीक्षा केंद्रों पर संपूर्ण कक्ष, प्रसाधन, कॉरिडोर तथा सीढ़ियां आदि को परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व तथा परीक्षावधि समाप्त होने के बाद प्रतिदिन सेनेटाइज किया जाना आवश्यक होगा। प्रत्येक संस्था में कम से कम 5 धर्मल स्क्रिनिंग उपकरण उपलब्ध होना अनिवार्य है। महाविद्यालयों में सेंटिंग प्लान को प्रदर्शित करना होगा। परीक्षा कक्ष में जिस सीट पर भी किसी परीक्षार्थी को नहीं बैठना है उस सीट पर क्रॉस का चिन्ह लगाया जाये। सीटों के साइड में चलने वाली जगह में भी सोशल डिस्टेंसिंग के हिसाब से गोला बनाया जाये। परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित सभी पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों, स्टाफ और परीक्षार्थियों को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही सेनेटाइजर की छोटी बोतल भी साथ रखनी होगी। किसी कारणवश परीक्षार्थी के पास मास्क नहीं हो तो संस्था द्वारा इसकी व्यवस्था की जायेगी। मध्यप्रदेश में कोविड-19 के चलते स्कूलों और विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं नियत समय पर नहीं हो पाईं। स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का सत्र खराब न हो इसी को ध्यान में रखकर मध्यप्रदेश सरकार ने 29 जून से 31 जुलाई तक परीक्षाएं आयोजित करने का फैसला किया है।

ब्रह्मांड को जानें

पृथ्वी

गतांक से आगे- लिथोस्फियर का ऊपरी हिस्सा जो पृथ्वी की सतह है, जो एस्थिनोस्फियर पर एक तरह से तैरता रहता है। अन्य तैरने वाले पदार्थों की तरह सतह एक संतुलन की खोज करती है, अर्थात् गहराई में जाने पर वह भारी और ऊपर आने पर हल्की होती जाती है। सतह पर पहाड़ों में हल्के पदार्थों की घनी गहरी जड़े हैं, जिनसे वे सहारा पाते हैं। जब सतह के किसी भाग का भार बदलता है, तब सतह संतुलन बनाये रखने के लिये या तो ऊपर उठती है या नीचे डूबती है।

पृथ्वी की बाहरी सतह चार भागों में बांटी गई है-

- (1) लिथोस्फियर का मतलब है स्थल यानी पृथ्वी की पूरी बाहरी ऊपरी सतह, जिसमें न केवल जमीन की सतह है, बल्कि समुद्र का तल भी है।
- (2) हाइड्रोस्फियर का अर्थ है, जल मंडल यानी पानी की सतह जिसमें समुद्र, झील और नदियां शामिल हैं।
- (3) एटमोस्फियर अर्थात् वायुमंडल हवा की चादर है, जो पृथ्वी को ढंके है। इसमें स्थल और जल दोनों मंडल शामिल हैं।
- (4) बायोस्फियर अर्थात् जैवमंडल जीवन का क्षेत्र है, जो ऊपर के सभी क्षेत्रों, स्थल, जल और वायुमंडलों में फैला हुआ है।

- देवेश निवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व रक्तदान दिवस 14 जून

रक्तदान को अपने कर्तव्य में शामिल करें

राजा दुवे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)



उपलब्धता है। सबसे अधिक पिच्यानवे प्रतिशत रक्त की उपलब्धता थाईलैंड में है और इंडोनेशिया में रक्त की उपलब्धता सतहत्तर प्रतिशत है। जिन देशों में रक्त की उपलब्धता भारत से कम है उनमें श्रीलंका और म्यांमार शामिल हैं। इन दोनों देशों में रक्त की उपलब्धता साठ-साठ प्रतिशत है। देश का पंजाब प्रांत रक्तदान को लेकर काफी जागरूक और सक्रिय है। भटिंडा में दस हजार से भी अधिक रक्तदाता स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान करते हैं, साथ ही यहां के ब्लड बैंकों से आसपास के क्षेत्रों- फरीदकोट, पटियाला और समीप के सभी मेडिकल कॉलेजों में ब्लड सप्लाई किया जाता है। रेडक्रॉस के ब्लड बैंक के लिये भी पिच्यानी प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान होता है, जिसे अथ पिच्यानवे प्रतिशत करने के लिए संस्था सक्रिय है। भारत के शहरी इलाकों में रक्तदान के अभियान में साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है और अपने जन्मदिन पर रक्तदान की प्रवृत्ति युवा वर्ग में बढ़ती जा रही है और विभिन्न राजनैतिक दलों के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने दिवंगत नेताओं की स्मृति में सामूहिक रक्तदान की प्रवृत्ति भी इस दिशा में एक अच्छा कदम है।

अनलॉक की स्थिति में वृहद रक्तदान शिविर जरूरी

कोरोना वायरस के संक्रमण के दौर में सरकारी एवं निजी अस्पतालों और अधिकांश मेडिकल कॉलेज में संग्रहित रक्त की मात्रा में कमी दर्ज हो रही है। इस कमी का सबसे बड़ा खतरा उच्च जोखिम वाले गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को है। कोरोना के चलते लॉकडाउन में स्वैच्छिक रक्तदाता रक्तदान के लिये नहीं आ पाये और अस्पतालों में जो नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर लगते थे, वो क्रम भी टूट गया। अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के प्रमुख ने लॉकडाउन के बड़े क्षेत्र से हटने और 'अनलॉक' की स्थिति बनने पर जनता से अपील की है कि मरीजों की जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में रक्तदान करने के लिए आएँ। जिस कक्ष में रक्तदाता रक्तदान करेंगे वहाँ पर लगातार सेनेटाइजेशन के साथ-साथ कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल का पालन होगा, ऐसे में किसी भी रक्तदाता को घबराने की जरूरत नहीं है।

केंद्र और राज्य सरकारों ने अनलॉक की गाइडलाइन में सभी चिकित्सा संस्थानों समाजसेवी संस्थानों, चैरिटेबल ट्रस्ट, धर्मार्थ संस्थानों, सर्विस क्लबों और फाउंडेशन्स से वृहद रक्तदान शिविरों का आयोजन कोविड-19 के सभी प्रावधानों के अनुरूप करने का आग्रह किया है। लॉकडाउन के दौरान रक्तदान न होने की कमी की भरपाई के लिये यह आवश्यक है।

रक्तदाता के लिये भी रक्तदान एक लाभकारी निर्णय है

रक्तदान किसी अन्य जरूरतमंद की

जीवन रक्षा के लिये तो फायदेमंद है ही स्वयं रक्तदाता को भी रक्तदान से कई फायदे हैं- (एक) रक्तदान से हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। रक्तदान से खून का धक्का नहीं जमता, खून कुछ मात्रा में पतला हो जाता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। (दो) रक्तदान करने से रक्तदाता का वजन कम होता है। वस्तुतः रक्तदान वजन कम करने में भी आपकी मदद कर सकता है, इसलिए साल में कम से कम दो बार रक्तदान करना चाहिए। (तीन) रक्तदान से रक्तदाता के शरीर की कैलोरी घटती है, डेढ़ पाव खून का दान करने से आपके शरीर से 650 कैलोरीज़ कम होती हैं। (चार) रक्तदान से रक्तदाता के लिवर की सेहत में सुधार होता है और खून डोनेट करने से लिवर से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं। शरीर में ज्यादा आयरन होने का दबाव लिवर पर पड़ता है। वहीं, रक्तदान से आयरन की मात्रा संतुलित हो जाती है। (पांच) रक्तदान से रक्तदाता में कैंसर का खतरा कम होता है। आयरन की मात्रा को संतुलित करने से लिवर स्वस्थ होता है और कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है।

रक्तदान को लेकर प्रचलित भ्रांतियों से बच कर रहना जरूरी है

विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस संघ व रेड क्रॉस समाज- 'विश्व रक्तदान दिवस' पर एक जनजागृति अभियान रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के मंतव्य से भी चलाता है। कई लोग स्वस्थ होते हुए भी रक्तदान करने से डरते हैं, क्योंकि उनके मन में इसको लेकर एक डर होता है। रक्तदान (ब्लड डोनेशन) से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिये यह जानना जरूरी है कि -

- एक औसत स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में दस यूनिट यानी पांच से छः लीटर रक्त होता है।
- डोनेर के शरीर से केवल एक यूनिट रक्त ही लिया जाता है।
- कई बार केवल एक कार एक्सीडेंट (दुर्घटना) में ही, चोटिल व्यक्ति को कई यूनिट तक के रक्त की जरूरत पड़ जाती है।
- एक बार रक्तदान से आप तीन लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं।
- ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्तदाता को इसमें कोई तकलीफ नहीं होती है।
- कोई व्यक्ति 18 से 60 वर्ष की आयु तक रक्तदान कर सकता है।
- रक्तदाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बाँडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं।
- पुरुष तीन महीने और महिलाएं चार महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं।
- हर कोई रक्तदान नहीं कर सकता। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं है, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं।
- अगर कभी रक्तदान के बाद आपको चक्कर आना, पसीना आना, वजन कम होना या किसी भी अन्य प्रकार की समस्या लंबे समय तक बनी हुई हो तो आप रक्तदान ना करें।
- यदि रक्तदाता इन भ्रांतियों का ध्यान रखें, तो वे बिना व्यवधान सुरक्षित रक्तदान कर सकते हैं।



मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर

विज्ञापन

विज्ञापन क्रमांक 2448/स्था./2020

दिनांक : 08.06.2020

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर पर (i) रसोइया, (ii) धोबी, (iii) माली, (iv) स्वीपर (v) भृत्य (चतुर्थ श्रेणी कलेक्टर रेट/आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारियों) एवं (vi) वाहन चालक/भृत्य (कलेक्टर रेट-संवित्ति) की सीधी भर्ती/नियुक्ति हेतु विज्ञापन।

नोट :- (1) अभ्यर्थी पदवर्ग (i), (ii), (iii), (iv), (v), (vi) में से केवल एक पदवर्ग हेतु ही ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। (2) अभ्यर्थी इस तथ्य का विशेष ध्यान दें कि उपरोक्त विज्ञापित पदों में चयनित अभ्यर्थियों का वेतन कलेक्टर रेट के आधार पर लगभग रु. 8250/- प्रतिमाह होगा।

आवेदन करने की अंतिम तिथि - 10.07.2020 (शुक्रवार)

आवेदन में त्रुटि सुधार करने की अंतिम तिथि - 13.07.2020 (सोमवार)

अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग) का दिनांक - बाद में अधिसूचित किया जावेगा।

मुख्य परीक्षण/साक्षात्कार का दिनांक - बाद में अधिसूचित किया जावेगा।

उपरोक्त रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन पत्र ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं।

छाण्ड "अ"

1. कृपया आवेदन पत्र भरने से पहले सावधानीपूर्वक निर्देशों को पढ़ लें। आप निर्देश पुस्तिका प्रवेश परीक्षा लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं।
2. आवेदन पत्र, विज्ञापन दिनांक से दिनांक 10.07.2020 (शुक्रवार) को रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।
3. यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने व निर्धारित शुल्क का भुगतान करने के पश्चात् उसके द्वारा की गई कोई त्रुटि सामने आती है, तो ऐसे अभ्यर्थी दिनांक 13.07.2020 (सोमवार) रात्रि 11.59 बजे तक संबंधित त्रुटि को एम.पी. ऑनलाइन द्वारा प्रत्येक ट्रांजेक्शन के लिए निर्धारित शुल्क (रु. 50/-) जमा कर सुधार सकेंगे। परंतु इसके पश्चात् भी यदि अभ्यर्थी द्वारा असत्य या गलत जानकारी ऑनलाइन आवेदन में दी जाती है तो ऐसी स्थिति में आवेदक की अभ्यर्थिता निरस्त कर दी जावेगी।

परीक्षा-शुल्क और पोर्टल शुल्क -

अनारक्षित वर्ग तथा मध्यप्रदेश राज्य के बाहर के निवासी सभी आवेदकों के लिए रु. 100 + जी.एस.टी. एमपीऑनलाइन को देय पोर्टल शुल्क एवं रु. 100/- परीक्षा शुल्क अर्थात् रु. 100+100 + जी.एस.टी. = रु. 200 + जी.एस.टी. (दो सौ + जी.एस.टी.) तथा मध्यप्रदेश राज्य के निवासी आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिए एमपीऑनलाइन को देय केवल पोर्टल शुल्क रु. 100 + जी.एस.टी. (सौ + जी.एस.टी.) देय होगा।

ऑनलाइन आवेदन भरने सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी -

आवेदन पत्र वेबसाइट www.mponline.gov.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है। परीक्षा आवेदन फार्म ऑनलाइन मध्यप्रदेश राज्य के जिला, तहसील एवं ब्लॉक एवं कुछ ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से भरा जा सकता है। एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्कों की सूची के लिये www.mponline.gov.in पर Authorized Kiosk List Link देखें। आवेदक इंटरनेट कैफे के माध्यम से या घर बैठे स्वयं भी अपना ऑनलाइन फार्म भर सकते हैं।

इंटरनेट कैफे या स्वयं घर बैठे कम्प्यूटर द्वारा इंटरनेट के माध्यम से आवेदन फार्म भरने की विधि :-

आवेदक www.mponline.gov.in वेबसाइट के माध्यम से नागरिक सेवाएं होम पेज ऑप्शन में क्लिक करें फिर डाउनलोड लिस्ट से आवेदन ऑप्शन पर क्लिक करने के पश्चात् MP High Court के Logo पर Click करें तत्पश्चात् Application and Services ऑप्शन में उपरोक्त पद हेतु ऑनलाइन आवेदन करने के लिए दी हुई link पर click करें।

आवेदक ऑनलाइन फार्म भरने से पहले Advertisement को क्लिक कर, दी गई समस्त जानकारी और शर्तों को अच्छी तरह से पढ़ लें। इसके उपरान्त ही Online Apply करने के लिए Form को क्लिक करें। इसके उपरान्त आवेदक को स्क्रीन पर ऑनलाइन फार्म दिखाई देगा। आवेदक को फार्म में मांगी गई समस्त जानकारीयें सही-सही भरना अनिवार्य है। आवेदक को फार्म पृष्ठ पर नीचे की ओर एक बटन Browse दिखाई देगा। इसमें आवेदक को अपना नवीन रंगीन फोटो हस्ताक्षर सहित अटैच करना है। इस बटन के नीचे आवेदक को फोटो हस्ताक्षर के Link (फ़ासू हेतु इस लिंक पर क्लिक करें) दिखाई देगी। Hyperlink को क्लिक करने पर हस्ताक्षर सहित फोटो के फारमेट का प्रिंट लेकर उचित स्थान पर फोटो चिपकाकर उसके नीचे हस्ताक्षर करें। इसके उपरान्त उक्त फारमेट को स्कैन कर .jpg फारमेट में ही सेव करें। अब आवेदक Browse बटन क्लिक करें। इसके उपरान्त जिस डायरेक्टरी में आवेदक ने अपना फोटो एवं हस्ताक्षर स्कैन कर सेव किया है उस डायरेक्टरी से अपना फोटो एवं हस्ताक्षर सेलेक्ट कर अटैच करें।

आवेदक ऑनलाइन फार्म को पूर्ण रूप से भरने के बाद उसे अच्छी तरह से पढ़ लें और यह सुनिश्चित कर लें कि फार्म में जो भी जानकारी भरी गई है वह सही है। यदि फार्म में कोई गलत जानकारी भर दी गई है तो पुनः उसे ठीक कर लें इसके उपरान्त Submit बटन दबायें। इससे आवेदक को एक आवेदन फार्म नम्बर प्राप्त होगा। इसके उपरान्त आवेदक परीक्षा शुल्क के भुगतान के लिये Proceed to Payment बटन दबावेगा तो उसे परीक्षा शुल्क भुगतान हेतु दो ऑप्शन दिखाई देंगे।

1. क्रेडिट/डेबिट कार्ड।

2. इंटरनेट बैंकिंग।

4. क्रेडिट/डेबिट कार्ड के माध्यम से परीक्षा शुल्क का भुगतान :- आवेदक किसी भी इंटरनेट कैफे या घर बैठे भी स्वयं इंटरनेट के माध्यम से कम्प्यूटर द्वारा अपना फार्म भर सकता है। ऑनलाइन फार्म भरने के उपरान्त परीक्षा शुल्क का भुगतान किसी भी बैंक के क्रेडिट/डेबिट कार्ड के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदक द्वारा फार्म भरने के उपरान्त परीक्षा शुल्क का भुगतान करने के लिये Proceed to Payment बटन दबाने पर कम्प्यूटर स्क्रीन पर संबंधित बैंक का पेमेन्ट गेटवे दिखाई देगा। इसमें क्रेडिट/डेबिट कार्ड का विवरण भरने के उपरान्त कन्फर्म बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान किया जा सकता है। आवेदक को परीक्षा शुल्क भुगतान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद कम्प्यूटराइज्ड रसीद प्राप्त होगी। जिस पर उसकी ट्रांजेक्शन सम्बन्धी जानकारी भी अंकित होगी। **आवेदक इस रसीद को संभालकर रखें।**

5. इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से परीक्षा शुल्क का भुगतान :- आवेदक चाहे तो स्वयं घर बैठे इंटरनेट या इंटरनेट कैफे के माध्यम से फार्म भरकर परीक्षा शुल्क का भुगतान इंटरनेट बैंकिंग सुविधा से कर सकता है। इसके लिये आवेदक के पास नेटबैंकिंग सुविधा होना अनिवार्य है। आवेदक ऑनलाइन फार्म भरने के उपरान्त Proceed to Payment बटन दबावेगा यहां पर उसे इंटरनेट बैंकिंग ऑप्शन दिखाई देगा। इसे क्लिक करने पर वह अपने बैंक द्वारा प्रदान यूजर आई.डी. पासवर्ड डालकर लॉग-इन होगा। इस प्रक्रिया से आवेदक अपने बैंक एकाउन्ट से शुल्क का भुगतान कर सकता है। सफलतापूर्वक भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदक को स्क्रीन पर पावती नम्बर और आवेदक का विवरण दिखाई देगा। **इसका प्रिन्ट अवश्य लें।**

6. एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से आवेदन फार्म भरने की विधि :- आवेदक ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने के लिये अपने नजदीकी एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क पर जावेगा। कियोस्क संचालक www.mponline.gov.in वेबसाइट ओपन कर सिटिजन सर्विसेज में जाकर एप्लीकेशन में सर्वप्रथम फार्म भरने सम्बन्धी निर्देश और जानकारीयें आवेदक को उपलब्ध करावेगा। आवेदक इन्हें सावधानीपूर्वक पढ़ लें, ताकि मांगी गई समस्त जानकारीयें फार्म में सही भरी जा सकें। इसके उपरान्त आवेदक कियोस्क संचालक को अपनी समस्त जानकारी उपलब्ध कराकर फार्म भरवा लें एवं साथ में अपना नवीन रंगीन पासपोर्ट साइज का फोटो अवश्य ले जावें। कियोस्क आवेदक का फोटो एवं हस्ताक्षर स्कैन कर उचित स्थान पर अटैच करेगा। फार्म भरने के उपरान्त आवेदक ऑनलाइन फार्म में भरी गई समस्त जानकारीयें सही-सही भरी होने के उपरान्त ही कियोस्क संचालक को Proceed to Payment बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान करने को कहें। आवेदक कियोस्क संचालक को परीक्षा शुल्क नगद भुगतान करेगा। कियोस्क संचालक भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर कम्प्यूटराइज्ड रसीद आवेदक को प्रदान करेगा। इस रसीद में परीक्षा शुल्क की पूरी जानकारी अंकित रहेगी। साथ ही आवेदक से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी भी रसीद में अंकित होगी। **आवेदक इस रसीद को ध्यानपूर्वक पढ़ लें तथा अपने पास संभालकर रखें।**

7. यदि आवेदक के पास क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेटबैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं है, तो भरे गये फार्म का कियोस्क के माध्यम से Pay for unpaid Application लिंक द्वारा परीक्षा शुल्क का नगद भुगतान कर सकता है। परीक्षा शुल्क का भुगतान प्रत्येक आवेदक को करना अनिवार्य है।

8. इसके लिये आवेदक को उपरोक्त बताये गये विन्तु में दर्शाई गई विधि अनुसार फार्म भरने के उपरान्त अपने नजदीक में स्थापित एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क पर जाकर भरे गये फार्म का आवेदन क्रमांक एवं अपनी जन्म तिथि कियोस्क संचालक को बताना होगा। इसके उपरान्त कियोस्क संचालक Pay for unpaid Application में उक्त जानकारीयें भरकर फार्म ओपन कर लेगा। इसके उपरान्त Proceed to Payment बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान कर देगा। शुल्क भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर कियोस्क संचालक आवेदक को कम्प्यूटराइज्ड रसीद प्रदान करेगा।

इस रसीद में परीक्षा शुल्क की जानकारी के साथ आवेदक से सम्बन्धित समस्त जानकारी अंकित होगी। **आवेदक इस रसीद को संभालकर रखें।**

9. ऐसे आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे, जिन्हें ऑनलाइन नहीं भरा गया हो अथवा ऑनलाइन भरने के बाद प्रिन्ट लेकर एम.पी. ऑनलाइन के पास डाक या किसी अन्य माध्यम से भेजा गया हो। परीक्षा शुल्क के लिये किसी भी प्रकार का बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं होगा। ऐसा करने पर इन्हें मान्य न करते हुये निरस्त कर दिया जावेगा और उसकी जिम्मेदारी आवेदक की ही मानी जावेगी।

नोट :- यदि आपको ऑनलाइन फार्म भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाये गये दूरभाष नम्बर पर तत्काल सम्पर्क करें एवं समस्या का समाधान न होने पर एम.पी. ऑनलाइन के होमपेज पर “संपर्क करें” में क्लिक करें तथा “शिकायत” विकल्प में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

एम.पी. ऑनलाइन लिमिटेड, 3rd फ्लोर, स्टेट आईटी पार्क, अन्वस नगर, नियर आरजीपीवी, गांधी नगर, भोपाल-462033,

फ़ोन : 0755-6720222, फ़ैक्स : 0755-4019000

पदनाम, वेतनमान तथा अर्हताएँ :-

पदनाम	वेतनमान	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता	वरीयता
आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारी (रसोइया, धोबी, माली, स्वीपर, भृत्य)	कलेक्टर रेट (लगभग रु. 8250/-)	आठवीं कक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड/केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/सक्षम प्राधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय से उत्तीर्ण।	कार्य का अनुभव/तकनीकी योग्यता/आदि।
वाहन चालक/भृत्य (कलेक्टर रेट-संवित्ति)	कलेक्टर रेट (लगभग रु. 8250/-)	(1) हाईस्कूल परीक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण। (2) वैध लाईट मोटर व्हीकल ड्राइविंग लायसेंस (3) सभी प्रकार के वाहन चलाने का अनुभव	मैकेनिक की तकनीकी योग्यता

टीप :- आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय आवेदक को उपरोक्तानुसार दर्शित न्यूनतम शैक्षणिक/तकनीकी अर्हतायें आवेदन की अंतिम तिथि 10.07.2020 तक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

पदवर्ग (i) रसोइया, (ii) धोबी, (iii) माली, (iv) स्वीपर (v) भृत्य (चतुर्थ श्रेणी कलेक्टर रेट/आकस्मिकता निधि से वेतनभोगी कर्मचारियों) प्रवर्ग के पदों का आरक्षण रोस्टर :-

स.क्र.	अनारक्षित	अ.पि.वर्ग	अनु.जाति	अनु.जनजाति	योग
1	12	02	03	01	18

नोट :- वाहन चालक/भृत्य (कलेक्टर रेट-संवित्ति) के एक पद पर नियुक्ति संविदा हेतु होने के कारण किसी विशेष श्रेणी के अंतर्गत नहीं है एवं सिर्फ योग्यता के आधार पर नियुक्ति की जायेगी।

(2) आयु की गणना :-

आवेदक की आयु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि अर्थात् दिनांक 10.07.2020 को न्यूनतम 18 वर्ष की पूर्ण होना आवश्यक है। उक्त तिथि पर ही अधिकतम आयु सीमा की गणना, म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल के परिपत्र क्र. सी-3-5/2001/3/1, भोपाल दि. 17 अगस्त, 2004 के अनुसार, निम्नानुसार होगी :-

1. पुरुष आवेदक (अनारक्षित वर्ग)	35 वर्ष
2. पुरुष आवेदक (आरक्षित वर्ग) (अनु.जाति/अनु. जनजाति/अ.पि.वर्ग.)	40 वर्ष
3. महिला आवेदक (अनारक्षित वर्ग)	35+10 = 45 वर्ष
4. महिला आवेदक (आरक्षित वर्ग) (अनु.जाति/अनु. जनजाति/अ.पि.वर्ग.)	35+5+10 = 50 वर्ष
5. विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिला आवेदक (अनारक्षित वर्ग)	35+10+5 = 50 वर्ष
6. विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिला आवेदक (आरक्षित वर्ग)(अनु.जाति/अनु.जनजाति/अ.पि.वर्ग.)	35+5+10+5 = 55 वर्ष

नोट:- भूतपूर्व सैनिकों को भी मध्यप्रदेश शासन के नियमानुसार आयु-सीमा में छूट दी जायेगी।

(3) अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग) (उपरोक्त सभी प्रवर्गों के पदों हेतु) :- (20 अंक)

अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग) हेतु समस्त अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र एम.पी.ऑनलाइन द्वारा जारी किया जावेगा। **अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग) हेतु अभ्यर्थियों को सभित के समक्ष** उच्च न्यायालय म.प्र. खण्डपीठ ग्वालियर में समस्त अर्हकारी मूल प्रमाण पत्रों के साथ मूल पहचान पत्र सहित उपस्थित होना अनिवार्य होगा। **अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग)** के समय आरक्षित वर्ग के समस्त अभ्यर्थियों को सक्षम अधिकारी (जो अनुविभागीय अधिकारी से निचले स्तर का न हो) द्वारा प्रदत्त स्थायी जाति प्रमाण पत्र मूलतः प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। **अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग)** में प्राप्त अंकों को अंतिम चयन सूची तैयार करते समय नहीं जोड़ा जावेगा।

(4) मुख्य साक्षात्कार (20 अंक)- अनुवीक्षण (स्क्रीनिंग) के पश्चात् मेरिट अनुसार सफल पाए गये अभ्यर्थियों की सूची 1:3 के अनुपात में तैयार कर म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर के सूचना पटल पर चप्पा की जावेगी और उच्च न्यायालय म.प्र. की वेबसाइट www.mphe.gov.in पर भी डाली जावेगी। साक्षात्कार हेतु सफल पाए गये अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्र, समस्त दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियाँ एवं 2 नवीन कलर फोटोग्राफ के साथ, अपनी कटेगरी सहित लिफाफे के ऊपर स्पष्ट रूप से जिस पद हेतु आवेदन-पत्र भेजा जा रहा है अंकित करते हुए प्रेषित किया जाना आवश्यक होगा। यह आवेदन पत्र अभ्यर्थियों से म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर द्वारा निर्धारित की गई तिथि में बुलाये जायेंगे। **आवेदन पत्र का फ़ासू म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जावेगा। आवेदन पत्र म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर द्वारा निर्धारित की गई तिथि में आवश्यक रूप से प्रिसिपल रिजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय म.प्र., खण्डपीठ ग्वालियर के नाम से संबोधित करते हुए, उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, खण्डपीठ ग्वालियर की आवक शाखा (Receipt Section) में व्यक्तिगत रूप से अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा कराना होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों को निरस्त माना जायेगा।** उक्त समयावधि बाद प्राप्त आवेदनों के संबंध में कोई आवेदन अथवा अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया जायेगा और संक्षिप्ततः निरस्त कर दिया जायेगा। मुख्य साक्षात्कार 20 अंकों का होगा। मुख्य साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर ही मेरिट के अनुसार कटेगरी वाईस अभ्यर्थियों की चयन एवं प्रतीक्षा सूची तैयार की जावेगी।

(5) चयन एवं अभ्यर्थिता के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी :-

(1) अभ्यर्थी केवल एक पदवर्ग हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। यदि अभ्यर्थी एक से अधिक पदवर्ग हेतु आवेदन प्रस्तुत करता है तो उसकी अभ्यर्थिता निरस्त हो जावेगी और उसके आवेदन/आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(2) मध्यप्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियम, 6 के अनुसार नियुक्ति के लिये वह उम्मीदवार अपात्र होगा जो निम्न में से कोई हो -

(क) पुरुष उम्मीदवार जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों। इसी प्रकार महिला उम्मीदवार जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसकी पहले से ही एक पत्नी जीवित हो। ऐसे मामले में शासन ही अन्यथा निर्णय ले सकता है। अर्थात् यदि शासन का इस बात से समाधान हो जाए कि ऐसा करने का पर्याप्त कारण है, तो वह इस प्रतिबंध से छूट दे सकता है।

(ख) जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं पाया जाए।

(ग) जिसे महिलाओं के विरुद्ध किसी अपराध का सिद्ध दोष ठहराया गया हो।

(घ) जिसकी दो से अधिक सन्तान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है, (परंतु निरहित नहीं होगा यदि एक संतान के जीवित रहते आगामी प्रसव में दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है।)

(3) पदों की संख्या में कमी/वृद्धि हो सकती है अर्थात् पदों की संख्या परिवर्तनीय रहेगी। अंतिम चयन के पूर्व किसी भी चरण में ऐसी रिक्तियाँ इस विज्ञापन के अंतर्गत शुद्धि पत्र द्वारा प्रकाशित की जायेंगी, परन्तु ऐसे रिक्त पदों के लिए पृथक से आवेदन पत्र आमंत्रित नहीं किये जायेंगे तथा इस विज्ञापन में निर्धारित अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदन पत्रों के आवेदक ही पात्र रहेंगे।

(4) चयन प्रक्रिया को संशोधित या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार माननीय मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, जबलपुर को है।

(5) अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्रों के निरीक्षण व सत्यापन की कार्यवाही मुख्य साक्षात्कार दिनांक को भी होगी और उन्हें मूल पहचान पत्र के साथ उपस्थित होना होगा।

(6) यदि कोई अभ्यर्थी विज्ञापन की शर्तें पूरी न करते हुये भी आवेदन प्रेषित करता है या उसका आवेदन पत्र त्रुटिपूर्ण पाया जाता है अथवा उसमें असत्य जानकारी दी है अथवा कोई जानकारी नहीं दी है अथवा किसी जानकारी को छिपाया है तो

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, झाबुआ

Phone No. : 07392-244306, E-mail : eephedjha@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 08/प्रोक्वोरमेंट सेल/20-21 झाबुआ, दिनांक : 06.06.2020
 निम्नलिखित कार्य की निविदा सूचना ई-टेंडरिंग पद्धति से पोर्टल www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित है।
 निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	टेंके की अनु. लागत लाख में	प्रतिभूति राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय का अंतिम दिनांक
2020_PHEd_92639	ग्राम रसोड़ी बड़ी विकासखण्ड मेघनगर की समूह जल प्रदाय योजना अन्तर्गत स्टील की कड़ी शटर्स निकालने एवं पुनः लगाने का कार्य।	1.275 लाख	2550	1000	3 माह	19.06.2020

शर्तें :- 1. यह केवल संक्षिप्त निविदा सूचना है एवं विस्तृत निविदा प्रपत्र की समस्त शर्तें बंधनकारक होंगी। 2. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन पर आवश्यक राशि का भुगतान इंटरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के द्वारा क्रय किये जा सकते हैं। 3. विस्तृत निविदा सूचना का प्रकाशन वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
 जी-11810/43988/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, झाबुआ

कार्यालय मुख्य अभियंता (ऊर्जा), नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, भोपाल

Tel. No. 0755-2677510, Fax : 0755-2677535, E-mail : cepownvdabho@mp.nic.in

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 01/CE/2020-21 भोपाल, दिनांक ...06.2020
 निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्वोरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है -

कार्य का विवरण- वरगी नगर, जबलपुर में रानी अवन्तीबाई लोधी सागर शीर्ष विद्युत गृह (2x5 मे.वा.) के संचालन एवं रखरखाव का कार्य।

1. अनुबंध की अनुमानित राशि - 901 लाख
2. धरोहर राशि रु. में - 9.01 लाख
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य - 15,000/- (पंद्रह हजार (वापसी योग्य नहीं)
4. ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक - 24.06.2020, 17.30 तक
5. ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक - 24.06.2020, 17.30 तक
6. धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक - 25.06.2020, 10.30 बजे से

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता (ऊर्जा)
 जी-11823/43999/2020 नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, भोपाल

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

इंदौर मंडल, इंदौर, आयुक्त कार्यालय परिसर, मोती बंगला, इंदौर

दूरभाष : 0731 (2430050) ई-मेल : seresindore@mp.gov.in

क्रमांक/453/लेखा/ग्रायांसेवा/2020 इंदौर, दिनांक 03.06.2020

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-01/2020-21

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन पोर्टल <https://www.mptenders.gov.in> के माध्यम से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग खंडवा एवं अलीराजपुर के निर्माण कार्यों की निविदा सिस्टम टेंडर नं. 2020_RES_91736 एवं 2020_RES_91742 निविदा प्रपत्र एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभ तिथि 18.06.2020 समय 14.00 बजे से तथा ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि 19.06.2020 एवं ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.06.2020 समय 17.30 बजे तक। निविदा खोले जाने की दिनांक 06.07.2020 को इस कार्यालय में खोले जायेंगे। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने हेतु विस्तृत निविदा व अन्य विवरण वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर एवं कार्यालयीन समय में देखे जा सकते हैं।

अधीक्षण यंत्री
 जी-11830/44000/2020 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, इंदौर मंडल, इंदौर

(पिछले पृष्ठ का शेष)

- ऐसी स्थिति में किसी भी स्तर/प्रक्रम पर उसका प्रवेश, चयन और उसकी अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी तथा इस सम्बंध में कोई पत्र व्यवहार स्वीकार्य नहीं होगा।
- (7) ऑनलाइन आवेदन पत्रों में की गई त्रुटियों के सुधार हेतु एक निश्चित समय प्रदान किया जावेगा तथा इसी निश्चित समय में समस्त अभ्यर्थियों को त्रुटि सुधार करवाना आवश्यक होगा निर्धारित समय के पश्चात् किसी भी तरह का कोई त्रुटि सुधार कार्य नहीं किया जावेगा, बल्कि अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जावेगी।
- (8) (क) आरक्षित प्रवर्ग (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग) के अभ्यर्थी मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक एफ-7-13/2004/आ.-प्र./एक भोपाल, दिनांक 11.07.2005 में दिये गये निर्देशों के अध्याधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी **स्थायी जाति प्रमाण पत्र** ही प्रस्तुत करें अन्यथा उनकी अभ्यर्थिता अनारक्षित प्रवर्ग के तहत विचार में ली जावेगी।
- (ख) आरक्षित श्रेणी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग) के आवेदकों को अनुवीक्षण/साक्षात्कार में सम्मिलित होने हेतु कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
- (9) अनुवीक्षण/साक्षात्कार दिनांक की सूचनाएं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के सूचना पटल एवं उच्च न्यायालय की वेबसाइट www.mphc.gov.in पर प्रदर्शित की जावेगी। प्रवेश पत्र एम.पी.ऑनलाइन की वेबसाइट में प्रकाशित किये जावेंगे जिसका अभ्यर्थी को स्वयं प्रिन्ट निकालना होगा जिसके लिए अभ्यर्थी को अपना रजिस्ट्रेशन क्रमांक व जन्मतिथि दर्ज कराना होगी।
- (11) यदि किसी अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई दाण्डिक प्रकरण किसी पुलिस थाने/न्यायालय में विचाराधीन हो अथवा किसी न्यायालय से निराकृत हो चुका हो अथवा उसे दोषसिद्ध कर दण्डित किया गया हो तो निर्णय/संबंधित अधिनियम एवं धारा सहित प्रकरण क्रमांक आदि की जानकारी अनिवार्यतः दें।
- (12) पुनः मूल्यांकन/पुनः साक्षात्कार हेतु आवेदन करने का कोई प्रावधान नहीं है अतः इस विषय में प्राप्त आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी तथा इस संबंध में प्राप्त आवेदन/अभ्यावेदन संक्षिप्ततः निरस्त कर दिये जायेंगे।

प्राप्तांक/स्कोर कार्ड :-

स्क्रीनिंग साक्षात्कार एवं मुख्य साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों के प्राप्तांक/स्कोर कार्ड एम.पी.ऑनलाइन की वेबसाइट में अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद प्रकाशित कर दिये जावेंगे। अभ्यर्थी अपने प्राप्तांक/स्कोर कार्ड, अपनी आई.डी. (आवेदन क्रमांक), पासवर्ड (जन्मतिथि) एवं ओ.टी.पी. (रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर में भेजा जावेगा) से लॉग-इन कर देख सकते हैं तथा प्रिंट भी निकाल सकते हैं।

सूचना के अधिकार के तहत जानकारी :-

सूचना के अधिकार के तहत जानकारी म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ ग्वालियर से विहित प्रारूप में निर्धारित शुल्क जमा करके प्राप्त की जा सकेगी।

विनिष्ठीकरण :-

आवेदन-पत्रों (अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के मुख्य परीक्षा के आवेदन को छोड़कर) व अन्य सामग्री को चयन सूची/अंतिम परीक्षा परिणाम घोषित होने के एक वर्ष बाद नष्ट कर दिया जायेगा।

(नवीन कुमार सक्सेना)

प्रिंसिपल रजिस्ट्रार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मंदसौर

महु-नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, ई-मेल : eephedmas@mp.nic.in
 दूरभाष क्रमांक : 07422-256284, फैक्स : 07422-255215

NIT No. : 04/2020-21

क्रमांक 1085/व.ले.लि./का.यं./2020 मंदसौर, दिनांक : 03.06.2020
 निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2020_PHEd_92354_1	Survey, Investigation, Design and Construction of Piped Water Supply Scheme at Village-Borkhida Jagir Block Sitamau Distt. Mandsaur based on Tube wells including installation of electric submersible/centrifugal water motor pump, construction of 100 KL R.C.C. OHT 12 Mtr. staging, construction of 20 KL R.C.C. Sump well cum pump house, laying and jointing of rising main and distribution pipe line system, household tap connections, Site Development around OHT and electric power connections at Tube wells and sump well including cost of all material and labour with 30 Days Trial Run/Commissioning period and 24 Months Operation and Maintenance of entire scheme as per BOQ.	63.87	1. 63870/- 2. प्रथम आमंत्रण	180	22.06.2020 तक

2020_PHEd_92359_1	Survey, Investigation, Design and Construction of Piped Water Supply Scheme at Village-Chikla Jagir Block Sitamau Distt. Mandsaur based on Tube wells including installation of electric submersible/centrifugal water motor pump, construction of 125 KL R.C.C. OHT 12 Mtr. staging, construction of 20 KL R.C.C. Sump well cum pump house, laying and jointing of rising main and distribution pipe line system, household tap connections, Site Development around OHT and electric power connections at Tube wells and sump well including cost of all material and labour with 30 Days Trial Run/Commissioning period and 24 Months Operation and Maintenance of entire scheme as per BOQ.	93.57	1. 93570/- 2. प्रथम आमंत्रण	180	22.06.2020 तक
-------------------	---	-------	--------------------------------	-----	---------------

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
 जी-11799/43987/2020 लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर, मोबाइल नं. : 9981467992

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

फोन नं. : 07292-222342, फैक्स नं. : 07292-235945

ई-मेल : eepheddha@mp.nic.in

नि.सू.क्र. 09/20-21 धार, दिनांक 03.06.2020

निविदा सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साईट पोर्टल <https://www.mptenders.gov.in> पर निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है।

कार्य का विवरण :- नवीन नलजल योजना के अंतर्गत विकासखण्ड वदनावर के ग्राम सनोली की नलकूप स्रोत पर आधारित योजना में सम्मिलित समस्त कार्यों का क्रियान्वयन मय 30 दिवस के ट्रायल रन एवं 24 माह के योजना के संचालन एवं संधारण का सम्पूर्ण कार्य।

टेंडर आई.डी. नम्बर	निविदा की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का कुल मूल्य	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	टेंकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2020_PHEd_91685	88.25	88300/-	10000/-	17.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत टेंकेदार	6 माह वर्षाकाल सहित

निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साईट पर ऑनलाइन पर इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट एवं बैंक के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं।

विस्तृत निविदायें एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
 जी-11757/43985/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

प्री. वेदनरी एण्ड फिशरी टेस्ट (PV & FT) प्रवेश परीक्षा 2020 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:

आवेदन भरने की तिथि: दिनांक 09 जून, 2020 से 23 जून, 2020 तक

आवेदन पत्र में संशोधन की तिथि: दिनांक 09 जून, 2020 से 28 जून, 2020 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
18-19 जुलाई, 2020 शनिवार, रविवार	प्रथम	प्रातः 07:00-08:00 बजे	08:50 से 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (2 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00-02:00 बजे	02:50 से 03:00 बजे तक (10 मिनट)	दोपहर 03:00 से 05:00 बजे तक (2 घंटे)

परीक्षा शहर: भोपाल, इन्दौर, जबलपुर एवं ग्वालियर

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश

- वेबसाइट: www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
- परीक्षा शुल्क

अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये	₹400
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/नि:शक्तजन अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिये)	₹200
कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	₹60
रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन पत्र भरने पर पोर्टल शुल्क	₹20

- अभ्यर्थी को मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
- दिव्यांगजन अभ्यर्थी नियम पुस्तिका की कड़िका 1.9 (ई) एवं 2.9 (ई) का अवलोकन करने के उपरांत ही पात्र होने पर सुविधा हेतु आवेदन करें।
- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
- बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैनकार्ड, आधार कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यु.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित Verify होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/आधार नंबर/आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
- परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैल्कुलेटर, लॉग टेबल्स एवं नकल पर्चा आदि को उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
- ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
- परीक्षा केन्द्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
- किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्षा छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
- आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाता है। अतः कम्प्यूटर आधारित Online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (eligibility) पूर्णतः प्राथमिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट: बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्रमांक 20/2020

संचालक



प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

चयन भवन, मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल-462011 फोन नं.- +91-755-2578801, 02, 03, 04, Fax: +91-755-2550498, Website: peb.mp.gov.in | Id: complain.peb@mp.gov.in

R-43991/2020

शुपालन डिप्लोमा प्रवेश परीक्षा (DAHET) - 2020 के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :

आवेदन भरने की तिथि :
09 जून से 23 जून 2020 तक

आवेदन पत्र में संशोधन की तिथि:
09 जून से 28 जून 2020 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
18-19 जुलाई 2020 (शनिवार, रविवार)	प्रथम	प्रातः 7:00 बजे से 8:00 बजे तक	08:50 से 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (2.00 घंटे)
	द्वितीय	दोप. 01.00 बजे से 02.00 बजे तक	02.50 से 03.00 बजे तक (10 मिनट)	दोप. 03.00 से 05.00 बजे तक (2.00 घंटे)

परीक्षा शहर: भोपाल, इन्दौर, जबलपुर एवं ग्वालियर

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश:

- वेबसाइट www.peb.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
- परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये	₹ 400/-
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/नि:शक्तजन अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिये)	₹ 200/-
कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	₹ 60/-
इसके अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉग इन कर फॉर्म भरने पर पोर्टल शुल्क	₹ 20/-

विशेष निर्देश:

- अभ्यर्थी को मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
- बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैनकार्ड, आधार कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यु.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की/ आधार कार्ड -आधार/आधार नंबर/छायाप्रति की जानकारी लाना अनिवार्य है।
- परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैल्कुलेटर, लॉग टेबल्स एवं नकल पर्चा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
- ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
- परीक्षा केन्द्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
- किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्षा छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
- आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.बी. द्वारा नहीं किया जाता है। अतः कम्प्यूटर आधारित online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्राथमिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट: बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

"चयन भवन" मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल-462011, फोन - 0755-2578801, 2578802

परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु संपर्क करें - टोल फ्री नम्बर 18002337899 (कार्यालयीन समय में)

विज्ञापन क्रमांक- 19/2020

R-43990/2020

संचालक

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE-01 (M.P.)
Phone : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in
CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/R.O.-IND/ACCT/20/7940 Date : 06.06.2020

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders for the following work are invited through e-procurement system - <https://www.mptenders.gov.in>

Sr. No.	Name of Work	P.A.C.	EMD	Cost of Tender Form
1.	House Keeping work, Pest Control & Supply of Consumable (Allied Services) for MP IDC Ltd. R.O. Indore (for 36 Months)	Rs. 66.17 Lacs	Rs. 66,170.00	Rs. 11,800/- (i/c GST)

Last date of tender purchase : 27.06.2020
Note : Form Fee and EMD exemptions for MSE are not applicable.
Detailed NIT along with other details can be viewed after publication in news paper within 3 working days on above mentioned portal and Website : www.mpakvnindore.com also.
M.P. Madhyam/97542/2020 R-43993/2020 SUPERINTENDENT ENGINEER

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन बालाघाट (म.प्र.) - 481001
फोन : 07632-247289, Email : mpphcbalaghat01@gmail.com

प्रेस-विज्ञापित

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, बालाघाट अंतर्गत विरसा जिला बालाघाट में स्वास्थ्य विभाग के अपूर्ण (शेष) कार्य के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक 03/2020-21 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. - 2020_MPPHC_92726_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 18.06.2020 तक ऑनलाइन खरीद कर समय 18:00 बजे तक ऑनलाइन सबमिट किये जा सकते हैं। उपरोक्त कार्य में पूर्व निविदा प्रकाशित दिनांक 29.09.2018 तक के ही संशोधन मान्य होंगे। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जायेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/97550/2020 R-43995/2020 परियोजना यंत्री

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
ईमेल : eervskvv@gmail.com, फोन: 0751-2467680
क्र./जनसं./का.सं./123 //निविदा आमंत्रण सूचना// ग्वालियर : 03-06-2020
रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत Const. of Implement Shede at COH Mandsaur (2nd call) (Tender ID 2020_RVSKVV_92267_1), Const. of Mist Chamber at COH Mandsaur (2nd call) (Tender ID 2020_RVSKV_92271_1), Const. of Net House at COH Mandsaur (2nd call) (Tender ID 2020_RVSKV_92272_1), Const. of Working Shade at COH Mandsaur (2nd call) (Tender ID 2020_RVSKV_92273_1) की ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा से संबंधित सम्पूर्ण विवरण www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।
कार्यपालन यंत्री
रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर
R-43980/2020

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.)-11
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER EL-45

No. 6508/22/D-12/MPRRDA/2020 Bhopal, Dated : 08.06.2020
Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal <https://www.mptenders.gov.in>. Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Agar	2	5428421.00
2.	Alirajpur	1	1125407.00
3.	Barwani	1	675255.00
4.	Betul	1	1751728.00
5.	Chhindwara	1	536062.00
6.	Dhar	2	4103000.00
7.	Raisen	2	1342950.00
8.	Rajgarh	6	38659825.00
9.	Sehore	2	4743387.00
10.	Seoni	1	97020.00
11.	Ujjain	3	2472232.00

- Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from 11.06.2020 17:00 hrs.
- Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/97545/2020 R-43994/2020 (T & e-G)

प्री- एग्जीकल्यर टेस्ट (PAT) - 2020

के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :

आवेदन भरने की तिथि :
15 जून से 29 जून 2020 तक

आवेदन पत्र में संशोधन की तिथि:
15 जून से 04 जुलाई 2020 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
08-09 अगस्त 2020 (शनिवार, रविवार)	प्रथम	प्रातः 7.00 बजे से 8.00 बजे तक	08.50 से 09.00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09.00 से 12.00 बजे तक (3.00 घंटे)
	द्वितीय	दोप. 12.00 बजे से 01.00 बजे तक	01.50 से 02.00 बजे तक (10 मिनट)	दोप. 02.00 से 05.00 बजे तक (3.00 घंटे)

परीक्षा शहर: भोपाल, इन्दौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सतना, सागर

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश:

- वेबसाइट www.peb.mp.gov.in के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
- परीक्षा शुल्क

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिये	₹ 500/-
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/नि.शक्ताजन अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिये)	₹ 250/-
कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	₹ 60/-
इसके अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉग इन कर फॉर्म भरने पर पोर्टल शुल्क	₹ 20/-

विशेष निर्देश:

- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
- बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैनकार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यु.आई.डी.ए.आई (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड / आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
- परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबलस एवं नकल पत्रा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
- ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
- परीक्षा केन्द्र पर आवेदक को काला बाल प्लाईट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
- किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

विशेष नोट : बोर्ड अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

“चयन भवन” मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल-462011, फोन - 0755-2578801, 2578802

परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु संपर्क करें- टोल फ्री नम्बर 18002337899 (कार्यालयीन समय में)

विज्ञापन क्रमांक- 25/2020

R-43989/2020 संशालक

प्री. पोलिटेक्निक टेस्ट (PPT) - 2020

परीक्षा संचालन एवं प्रवेश नियम पुस्तिका

ऑनलाइन आवेदन पत्र	
भरने की प्रारम्भ तिथि	: 11.06.2020
भरने की अंतिम तिथि	: 25.06.2020
आवेदन पत्र में संशोधन करने की प्रारम्भ तिथि	: 11.06.2020
आवेदन पत्र में संशोधन करने की अंतिम तिथि	: 30.06.2020
परीक्षा दिनांक व दिन	25-26 जुलाई 2020 (शनिवार, रविवार)
परीक्षा शुल्क	
अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये	₹ 400/-
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/नि.शक्ताजन अभ्यर्थियों के लिये (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिये)	₹ 200/-
ऑनलाइन आवेदन कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एमपीऑनलाइन का पोर्टल शुल्क रुपये 60/- देय होगा। इसके अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फॉर्म भरने पर पोर्टल शुल्क रु. 20/- देय होगा।	

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

परीक्षा दिनांक एवं दिन	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिये रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
25-26 जुलाई 2020 (शनिवार, रविवार)	प्रथम	प्रातः 07:00 बजे से 8:00 बजे तक	08:50 से 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 बजे से 11:00 बजे तक (2:00 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक	01:50 से 02:00 बजे तक (10 मिनट)	दोपहर 02:00 बजे से 04:00 बजे तक (2:00 घंटे)

टिप्पणी :-

- अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
- बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैनकार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यु.आई.डी.ए.आई (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
- अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड / ई-आधार कार्ड / आधार कार्ड की छायाप्रति / आधार नंबर / आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
- परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है।
- परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबलस एवं नकल पत्रा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
- ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
- परीक्षा केन्द्र पर आवेदक को काला बाल प्लाईट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
- किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
- आवेदन-पत्र भरने समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण पी.ई.सी. द्वारा नहीं किया जाता है। अतः कम्प्यूटर आधारित online परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्रावधिक (Provisional) होगी।

विज्ञापन क्रमांक 21/2020

R-43992/2020



प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

चयन भवन, मेन रोड नं. 1, चिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल 462011

फोन नं.: +91-755-2578801-02-03-04, फैक्स : +91-755-2550498

Website: www.peb.mp.gov.in
E-Complain Id: Complain.peb@mp.gov.in



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) - 482002
Email : mpphecjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 01/2020-21 अर्द्ध शहरी खाना भवन निर्माण कार्य खिलौला जिला जबलपुर, सीधी जिला शहडोल एवं रीथी जिला कटनी हेतु (ऑनलाइन निविदा क्र. 2020_MPPHC_92277, 2020_MPPHC_92279, 2020_MPPHC_92280) एवं निविदा क्रमांक 02/2020-21 निर्माण कार्य पुलिस चौकी बरगी नगर, जिला-जबलपुर एवं निर्माण कार्य पुलिस चौकी सिलोड़ी, जिला-कटनी एवं पुलिस लाइन जबलपुर स्थित आवास गृह क्र. 1025 से 1034 तक प्लास्टर एवं फ्लोरिंग मरम्मत कार्य, जिला जबलपुर हेतु (ऑनलाइन निविदा क्र. 2020_MPPHC_92284, 2020_MPPHC_92286, 2020_MPPHC_92275) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 15.06.2020 तक खरीद कर सायं 18:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/97551/2020 R-43996/2020 परियोजना यंत्री



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02 मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना- 01, 2/2020-21

प्रेस-विज्ञप्ति

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र. - 2 द्वारा निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 01, 2/2020-21 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_92804_1, MPPHC_92805_1, MPPHC_92806_1, MPPHC_92808_1, MPPHC_92809_1, MPPHC_92810_1, MPPHC_92811_1, MPPHC_92812_1, MPPHC_92813_1, MPPHC_92814_1, MPPHC_92815_1, MPPHC_92816_1, MPPHC_92817_1, MPPHC_92818_1, एवं MPPHC_92820_1, है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19.06.2020 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal <https://www.mptenders.gov.in> पर देखी जा सकती है।
म.प्र. माध्यम/97562/2020 R-43998/2020 परियोजना यंत्री



मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक - 03, 1558 ऋषि काटेज रतन कालोनी, गोरखपुर धाने के पीछे जबलपुर (म.प्र.) 482003
फोन : 0761-4927003, ई-मेल : mpphecjabalpur3@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 03 के अंतर्गत जी.आर.पी. लाइन, जबलपुर की भूमि के ब्लॉक नं. - 26 एवं 14 पर स्थित शासकीय आवासों को (पांच लाल बिल्डिंग कुल 72 आवास गृह, तीन पीली बिल्डिंग कुल 32 आवास गृह, दो पीली बिल्डिंग 04 एन.जी.ओ. आवास गृह एवं तीन सफेद बिल्डिंग कुल 12 आवास गृह) का ध्वस्तीकरण कार्य एवं ध्वस्तीकरण के पश्चात् प्राप्त सामग्री/मलबे का परिवहन एवं निष्पादन कार्य पूर्ण करना एवं स्थल की पूर्णतया साफ-सफाई करना के कार्य हेतु निविदा क्रमांक 02/2020-21 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2020_MPPHC_92865) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.06.2020 समय सायं 17:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : <https://www.mptenders.gov.in> पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए प्रदर्शित किये जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/97556/2020 R-43997/2020 परियोजना यंत्री

अब एक क्लिक में मिलेगी शहरी पथ व्यवसायियों की पूरी जानकारी

भोपाल, कोविड-19 महामारी के कारण शहरी पथ व्यवसायियों का रोजगार एवं उनकी आजीविका प्रभावित हुई है। इन्हें पुनः रोजगार से जोड़ने तथा उनकी पूरी जानकारी एकजोड़ करने के उद्देश्य से शहरी असंगठित कामगार एकीकृत पोर्टल तैयार किया गया है। पंजीयन के बाद पथ व्यवसायियों की पूरी जानकारी एक क्लिक में मिल सकेगी। पंजीयन अभियान 25 जून तक चलेगा।

पोर्टल में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा सभी पथ व्यवसायियों की जानकारी एकत्रित करने के लिए वर्ष 2012 में किये गए सर्वे को आधार मानकर हितग्राहियों का पंजीयन किया जावेगा। प्रत्येक शहरी क्षेत्र में वर्ष 2012 में दर्ज किये गए व्यवसायियों की जानकारी बढ़

अथवा घट सकती है। इसमें पुराने व्यवसायियों के नाम जो अब कार्यशील नहीं हैं, उनके नाम काटे जा सकेंगे, और नये नाम उपलब्धता के आधार पर जोड़े जायेंगे। इस तरह से वर्तमान में शहरी क्षेत्र में उपलब्ध सभी पथ व्यवसायियों की जानकारी दर्ज की जाना है।

वाईवार दलों का गठन

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास ने संबंधित अधिकारियों को 25 जून तक पथ व्यवसायियों के पंजीयन के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं। पंजीयन के लिए नगरीय निकायों में वाईवार दल गठित किये जायेंगे। पंजीयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सभी कार्यालयों में अथवा एम.पी. ऑनलाइन के कियोस्क में निःशुल्क करवाया जा

सकता है।

पोर्टल से लाभ

सभी पात्र हितग्राहियों की जानकारी पोर्टल में रखी जा सकेगी। पोर्टल के माध्यम से हितग्राहियों को समय पर पारदर्शिता के साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा सकेगा। हितग्राहियों का पूरा डेटाबेस होने से उनके लिए बेहतर योजनाएँ बनायी जा सकेंगी। साथ ही उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की निगरानी भी की जा सकेगी।

पंजीयन प्रक्रिया

पात्र हितग्राही www.mpurban.gov.in पर आधार एवं समग्र के आई.डी. के आधार पर स्व-पंजीयन कर सकेंगे।

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.enwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-733/2020-21/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 02.06.2020
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 23.06.2020 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

सं. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2020_WRD_91575	मुरकी जलाशय परियोजना के RBC हेड रेगुलेटर जलद्वार size-2.0m x 2.0m-2nos के लिए ट्रेस्टल असेम्बली एवं रेलिंग डेकिंग के फेब्रिकेशन, प्रदाय, इरेक्शन व कमीशनिंग का कार्य एवं 20.00 मी. टन क्षमता के इलेक्ट्रिकली ऑपरेटेड रोप ड्रम हाइस्ट की डिजाइन, ड्राईंग, फेब्रिकेशन, सप्लाय, इरेक्शन, टेस्टिंग कमीशनिंग का कार्य।	भोपाल/डिण्डोरी	22.45
2.	2020_WRD_91577	परकुल मध्यम टैंक परियोजना के हेड रेगुलेटर जलद्वारों 2nos (1 Emergency + 1 Service) के एम्बेडेड पार्ट्स हेतु एस.एस. फ्लैट के प्रदाय, फेब्रिकेशन एवं फिक्सिंग, कास्ट स्टील रोलर की कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली, कास्ट आयरन वेलास्ट वेट की कास्टिंग, मशीनिंग एवं प्रदाय, जलद्वारों का इरेक्शन, ट्रेस्टल असेम्बली, रेलिंग डेकिंग एवं ट्रेश रैक के प्रदाय, फेब्रिकेशन एवं इरेक्शन, इलेक्ट्रिकली ऑपरेटेड रोप ड्रम हाइस्ट की डिजाइन, ड्राईंग, फेब्रिकेशन, एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल/सागर	33.37
3.	2020_WRD_91578	पवई फीडर केनाल परियोजना के एस्केप जलद्वारों size 5.0m x 3.29m = 2nos के एम्बेडेड पार्ट्स हेतु एस.एस. फ्लैट के प्रदाय, फेब्रिकेशन एवं फिक्सिंग, कास्ट स्टील रोलर की कास्टिंग, मशीनिंग एवं असेम्बली, रेलिंग डेकिंग के प्रदाय, फेब्रिकेशन एवं इरेक्शन, इलेक्ट्रिकली ऑपरेटेड रोप ड्रम हाइस्ट की डिजाइन, ड्राईंग, फेब्रिकेशन, एवं इरेक्शन का कार्य।	भोपाल/सागर	30.42
4.	2020_WRD_91579	चकरीघाट स्टापडेम कम काजवे का शेष निर्माण कार्य।	दमोह	405.17
5.	2020_WRD_91580	टर्न की पद्धति पर :- कुण्डालिया वृहद परियोजना अंतर्गत नलखेड़ा-छापीहेड़ा मार्ग के कि.मी. 13/8 पर कालीसिंध नदी पर नवीन उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं	राजगढ़	4181.86
6.	2020_WRD_91581	कुण्डालिया बांध स्थल पर सुरक्षा गार्ड एवं सशस्त्र गार्ड उपलब्ध कराने का कार्य।	राजगढ़	26.61
7.	2020_WRD_91582	खेरियामाल तालाब की स्पिल में शूट फॉल का निर्माण कार्य।	अलीराजपुर	88.51
8.	2020_WRD_91584	सलैया फेरन सिंह तालाब योजना की मुख्य नहर की आर.डी. 890 मी. पर सी.डी. निर्माण एवं आर.डी. 660 मी. पर एक्वाडक्ट का पुनर्निर्माण कार्य तथा चिन्हित आर.डी. पर 300 मी. लाईनिंग कार्य।	पन्ना	30.03
9.	2020_WRD_91677	मोहनपुरा बांध स्थल पर सशस्त्र वर्दीधारी कुशल सुरक्षा गार्ड प्रदाय करने का कार्य।	राजगढ़	77.81
जी-11771/43986/2020			मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)	

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स), संभाग सतना

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 09/2020-21 सतना, दिनांक 06.06.2020
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर ई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि	अमानत राशि
1.	2020_PWD_92516_1	उपसंभाग मैहर के अंतर्गत राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्र.- 07 के बाईपास उपखंड कि.मी. 299/8 से 304/6 = 4.20 कि.मी. (मैहर बाईपास) एवं 320/8 से 323/8 = 1.60 कि.मी. (घुनवारा बाईपास) कि.मी. 327/8 से 330/2 = 1.80 कि.मी. (अमदरा बाईपास) एवं कि.मी. 338/8 से 339/10 = 1.10 कि.मी. (पकरिया बाईपास) का सुधार एवं नवीनीकरण कार्य।	प्रथम	06 माह	21916288/-	219200/-
2.	2020_PWD_92518_1	उपसंभाग मैहर के अंतर्गत राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्र.- 07 के बाईपास उपखंड कि.मी. 341/6 से 344/8 = 2.70 कि.मी. (पथरहटा एवं सभागंज बाईपास) एवं कि.मी. 347/6 से 352/8 = 4.50 कि.मी. (झुकेही बाईपास) महेदर बसाहट में एन.एच.- 7 का छूटा हुआ भाग लंबाई 1.00 कि.मी. एवं यदुवीर नगर एन.एच.- 7 का छूटा हुआ भाग लंबाई 1.30 कि.मी. में सुधार एवं नवीनीकरण कार्य।	प्रथम	06 माह	23837501/-	238400/-
3.	2020_PWD_92519_1	उपसंभाग अमरपाटन के अंतर्गत राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्र.- 07 के बाईपास उपखंड कि.मी. 246/6 से 248/8 = 2.30 कि.मी. (बेला बाईपास) एवं कि.मी. 274/10 से 280/4 = 5.30 कि.मी. (अमरपाटन बाईपास) का सुधार एवं नवीनीकरण कार्य।	प्रथम	06 माह	18811990/-	188200/-
योग					64565779/-	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम दिनांक 24.06.2020 सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.डी. एवं अन्य दस्तावेज कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र, रीवा म.प्र. दिनांक 25.06.2020 सायं 17.30 बजे तक केवल रजिस्ट्री/स्पीड पोस्ट से प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग, सतना (म.प्र.)
जी-11832/44001/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार

फोन नं. : 07292-222342, फैक्स नं. : 07292-235945

ई-मेल : eepheddha@mp.nic.in

नि.सू.क्र. 06/20-21

धार, दिनांक 27.05.2020

निविदा सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साईट पोर्टल <https://www.mptenders.gov.in> पर निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है।

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड धार के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

टेण्डर आई.डी. नम्बर	निविदा की अनु. लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का कुल मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि	क्रय की श्रेणी	ठेकेदार की	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
2020_PHEDED_90913	22.95	46000/-	5000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड नालछा के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

2020_PHEDED_90914	25.18	50000/-	5000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड तिरला के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

2020_PHEDED_90915	19.88	40000/-	2000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड वदनावर के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

2020_PHEDED_90916	40.85	50000/-	5000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड धरमपुरी के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

2020_PHEDED_90917	22.57	45200/-	5000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड उमरवन के विभिन्न ग्रामों में हैण्डपंप संधारण कार्य।

2020_PHEDED_90918	25.10	50000/-	5000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	36 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- विकासखण्ड धार के ग्राम पंचायत नेकरपुर के ग्राम अहिरखेडी में श्यामाप्रसाद मुखर्जी सर्वेन मिशन के अंतर्गत पाईप लाईन बिछाने का कार्य।

2020_PHEDED_90919	14.26	28600/-	2000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	02 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	-------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- धार खण्ड के 06 विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों के नलकूपों में सिंगलफेस मोटरपंप स्थापना का कार्य।

2020_PHEDED_90920	5.56	11500/-	2000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	12 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	------	---------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- धार खण्ड के विकासखण्ड धार, नालछा एवं तिरला के विभिन्न ग्रामों में नलकूप खनन हेतु रजिस्ट्रीविटी सर्वे का कार्य।

2020_PHEDED_90921	2.41	4900/-	2000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	24 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	------	--------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- धार खण्ड के विकासखण्ड वदनावर के विभिन्न ग्रामों में नलकूप खनन हेतु रजिस्ट्रीविटी सर्वे का कार्य।

2020_PHEDED_90922	2.41	4900/-	2000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	24 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	------	--------	--------	------------	--	--	----------------------

कार्य का विवरण :- धार खण्ड के विकासखण्ड धरमपुरी एवं उमरवन के विभिन्न ग्रामों में नलकूप खनन हेतु रजिस्ट्रीविटी सर्वे का कार्य।

2020_PHEDED_90924	1.61	3300/-	1000/-	22.06.2020	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	म.प्र. शासन की नवीन केन्द्रीकृत एकल पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार	24 माह वर्षाकाल सहित
-------------------	------	--------	--------	------------	--	--	----------------------

निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साईट पर ऑनलाइन पर इंटरनेट वॉकिंग अकाउंट एवं बैंक के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं।

विस्तृत निविदायें एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, धार
जी-11837/44002/2020

कठिनाइयां हमें बर्बाद करने नहीं आती हैं, बल्कि

वह हमारी छिपी हुई सामर्थ्य को बाहर ला देती हैं

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन की गौशाला में भी नस्ल सुधार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसको भी आमजन तक पहुंचाया जाना चाहिए। देसी नस्ल की गाय जहां वर्ष में तीन-चार महीने तक तीन से चार लीटर रोज दूध देती हैं। इन गायों में उन्नत नस्ल की भारतीय गायों के भ्रूण प्रत्यारोपित कर, उन्हें वर्ष में 8 से 10 माह तक दूध देने और प्रतिदिन 10 से 20 लीटर तक दूध उत्पादन क्षमता वाली गाय तैयार की जा सकती हैं। इस दिशा में राजभवन की गौशाला में सफल पहल हुई है। राज भवन की गौशाला में प्रदेश में उपलब्ध राजस्थान की उन्नत दुग्ध उत्पादक नस्ल की एकमात्र गाय राठी के भ्रूणों का प्रत्यारोपण देसी नस्ल की मालवी गायों में किया गया है। इनसे पैदा होने वाली बछिया उन्नत नस्ल की अधिक दुग्ध उत्पादक गाय बनेगी। उन्होंने बताया कि 3 वर्षों के चक्र में देसी नस्ल को उन्नत नस्ल में बदला जा सकता है। इस कार्य को विस्तृत कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

विभिन्न प्रतियोगी तथा प्रवेश परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

संख्यात्मक अभियोग्यता

1. राजकुमार की दैनिक मजदूरी में 15% की वृद्धि की गई। अब उसे 345 Rs. प्रति दिन मिलने लगे। वृद्धि के पूर्व राजकुमार की दैनिक मजदूरी कितनी थी -
(A) 275 Rs.
(B) 295 Rs.
(C) 300 Rs.
(D) 305 Rs.
उत्तर- (C)
हल- माना की वृद्धि के पूर्व मजदूरी 100 Rs. थी
(+) वृद्धि 15
वर्तमान मजदूरी 115
∴ 115 पर प्रारंभिक मजदूरी थी 100
∴ 345 पर प्रारंभिक मजदूरी होगी
 $\frac{345 \times 100}{115} = 300 \text{ Rs.}$
2. 100 विद्यार्थियों के प्राप्तकों का औसत 50 है। बाद में पता चला कि एक प्रेक्षण जो कि "53" था भूलवश "83" पढ़ा गया। सही औसत होगा -
(A) 59.8
(B) 49.8
(C) 49.7
(D) 49.4
उत्तर- (C)
हल- 100 विद्यार्थियों के प्राप्तकों का योग = $100 \times 50 = 5,000$
5000 - गलत अंक + सही अंक
 $5000 - 83 + 53 = 4,970$
अतः सही औसत = $\frac{4970}{100} = 49.7$
3. एक व्यक्ति को सही निशाना लगाने पर एक रुपया मिलता है तथा निशाना चूकने पर उससे एक रुपया ले लिया जाता है। यदि 100 बार निशाने लगाने के बाद खेल के अंत में उसके पास कुल Rs. 40 हैं तो उसका निशाना कुल कितनी बार चूका -
(A) 20 (B) 25
(C) 30 (D) 35
उत्तर- (C)
हल- अभीष्ट संख्या = $\frac{100 - 40}{2} = \frac{60}{2} = 30$
4. 2 भाईयों की औसत आयु 14 वर्ष है यदि इसमें मां की आयु जोड़ दें तो औसत 12 वर्ष बढ़ जाती है। मां की आयु कितनी होगी -
(A) 45 वर्ष
(B) 48 वर्ष
(C) 50 वर्ष
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (C)
हल- 2 भाईयों की कुल आयु $14 \times 2 = 28$ वर्ष
मां की आयु जोड़ने पर औसत $14 + 12 = 26$ वर्ष हो जाती है
अतः तीनों की कुल आयु $26 \times 3 = 78$ वर्ष
अतः मां की आयु $78 - 28 = 50$ वर्ष
5. गुंजन तथा रंजन के पास कुल मिलाकर 78 सिक्के हैं। गुंजन के पास रंजन से 14 सिक्के अधिक हैं, तो रंजन के पास कुल कितने सिक्के हैं -
(A) 28
(B) 30
(C) 32
(D) 34
उत्तर- (C)
हल- माना कि गुंजन के पास सिक्कों की संख्या = x
तथा रंजन के पास सिक्कों की संख्या = y
प्रश्न के अनुसार
 $x + y = 78$ (समीकरण I)
 $x - y = 14$ (समीकरण II)
समीकरण (I) तथा (II) को जोड़ने पर,
 $x + y = 78$
 $x - y = 14$
 $2x = 92$
 $x = \frac{92}{2} = 46$ गुंजन के पास सिक्कों की संख्या
अतः रंजन के पास सिक्कों की संख्या होगी $46 - 14 = 32$
6. 42 श्रमिक एक काम को 50 दिनों में पूरा कर सकते हैं। यदि 28 श्रमिक और दिए जाएं तो वे काम को कितने दिन में पूरा करेंगे-
(A) 25 दिन में
(B) 28 दिन में
(C) 30 दिन में
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (C)
हल- $42 + 28 = 70$ श्रमिक
∴ 42 श्रमिक काम पूरा करते हैं 50 दिन में
∴ 1 श्रमिक काम को पूरा करने में $50 \times 42 = 2100$ दिन लेगा
अब 70 श्रमिक लगाए जाने पर काम पूरा होगा
 $\frac{2100}{70} = 30$ दिन में
7. दिव्य अपनी धनराशि का 30 प्रतिशत व्यय करता है तथा अब उसके पास 4200 रु. बचे। उसकी धनराशि बताइए -
(A) 8000 Rs.
(B) 7000 Rs.
(C) 6000 Rs.
(D) 5500 Rs.
उत्तर- (C)
हल- माना की दिव्य के पास 100 Rs. हैं।
∴ बचत = $100 - 30 = 70$ Rs.
अब जब बचत 70 Rs. है तो उसकी धनराशि = 100 Rs.
जब बचत 4200 Rs. है तो उसकी धनराशि होगी
 $\frac{4200 \times 100}{70} = 6000 \text{ Rs.}$
8. 40 विद्यार्थियों की कक्षा की औसत आयु 8.95 वर्ष है। एक नये विद्यार्थी के भर्ती हो जाने पर यह औसत आयु 09 वर्ष हो जाती है। नए भर्ती हुए विद्यार्थी की आयु कितनी है -
(A) 9 वर्ष
(B) 10 वर्ष
(C) 11 वर्ष
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (C)
हल- 40 विद्यार्थियों की औसत आयु = 8.95 वर्ष
40 विद्यार्थियों की कुल आयु = $8.95 \times 40 = 358$ वर्ष
∴ $40 + 1 = 41$ विद्यार्थियों की औसत आयु = 09 वर्ष
∴ 41 विद्यार्थियों की कुल आयु = $41 \times 9 = 369$ वर्ष
नये विद्यार्थी की आयु = $369 - 358 = 11$ वर्ष
9. एक व्यक्ति ने अपने धन का 40% अपने पुत्र को तथा 20% अपनी पुत्र वधु को दे दिया। शेष का 50% कोरोना के खिलाफ जंग से निपटने के लिए बने पी.एम. केयर्स फण्ड में दान दे दिया इसके पश्चात उसके पास 14000 रु. शेष हैं बताइए कि उसके पास कितना धन था -
(A) 50000 Rs.
(B) 60000 Rs.
(C) 70000 Rs.
(D) 80000 Rs.
उत्तर- (C)
हल- माना कि उसके पास कुल धन = 100 Rs. है
अतः पुत्र को दिया गया धन = 40 Rs.
पुत्रवधु को दिया गया धन = 20 Rs.
दोनों का योग = $40 + 20 = 60$ Rs.
शेष धन $100 - 60 = 40$ Rs.
पी.एम. केयर्स फण्ड में दान दिया
 $= \frac{40 \times 50}{100} = 20 \text{ Rs.}$
अंतिम रूप से शेष धन = $40 - 20 = 20$ Rs.
∴ जब शेष धन 20 Rs. है तो उसका धन था = 100 Rs.
अतः जब शेष धन 14000 Rs. है तो उसका धन था
 $= \frac{14000 \times 100}{20} = 70000 \text{ Rs.}$
10. किसी कक्षा में किसी दिन 15% लड़के अनुपस्थित थे तथा 51 उपस्थित थे। कक्षा में लड़कों की संख्या बताइए -
(A) 55 (B) 58
(C) 60 (D) 62
उत्तर- (C)
हल- माना कि लड़कों की संख्या = x
अनुपस्थित लड़के = 15%
उपस्थित लड़के $100 - 15 = 85\%$
लड़कों की संख्या x का $85\% = 51$
अर्थात् $\frac{x \times 85}{100} = 51$
 $x = \frac{100 \times 51}{85}$
 $x = 60$
11. दही का मूल्य 224 Rs. था जो बढ़कर 280 Rs. हो गया। दही के मूल्य में कितने प्रतिशत की वृद्धि हो गई -
(A) 20%
(B) 22%
(C) 25%
(D) 30%
उत्तर- (C)
हल- उपयोग में वृद्धि = $280 - 224 = 56$ Rs.
प्रतिशत वृद्धि = $\frac{56 \times 100}{224} = 25\%$
12. सोमवार, मंगलवार तथा बुधवार का औसत तापमान 37° सेंटीग्रेड था। मंगलवार, बुधवार तथा बृहस्पतिवार का औसत तापमान 39° सेंटीग्रेड था। यदि बृहस्पति का तापमान 38° सेंटीग्रेड हो तो सोमवार को तापमान कितना था -
(A) 30° सेंटीग्रेड
(B) 31° सेंटीग्रेड
(C) 32° सेंटीग्रेड
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (C)
हल- सोमवार, मंगलवार तथा बुधवार का औसत तापमान = 37° सेंटीग्रेड
∴ सोमवार, मंगलवार तथा बुधवार का कुल तापमान $37 \times 3 = 111$ ° सेंटीग्रेड
और चूंकि मंगलवार, बुधवार तथा बृहस्पतिवार का औसत तापमान = 39° सेंटीग्रेड
∴ मंगलवार, बुधवार तथा बृहस्पतिवार का कुल तापमान = $39 \times 3 = 117$ ° सेंटीग्रेड
∴ केवल मंगलवार तथा बुधवार का कुल तापमान = $117 - 38 = 79$ ° सेंटीग्रेड
अतः सोमवार का तापमान = $111 - 79 = 32$ ° सेंटीग्रेड
13. एक महाविद्यालय में कला, विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय में विद्यार्थियों की संख्या का अनुपात 5:4:3 है। यदि कला संकाय में विद्यार्थियों की संख्या 295 हो तो वाणिज्य संकाय में विद्यार्थियों की संख्या होगी -
(A) 175 (B) 176
(C) 177 (D) 180
उत्तर- (C)
हल- कला : विज्ञान : वाणिज्य : = 5 : 4 : 3
अनुपातिक योग $5 + 4 + 3 = 12$
माना कि कुल विद्यार्थी N हैं
∴ कला के विद्यार्थियों की संख्या = $\frac{5}{12} \times N = 295$ (ज्ञात है)
 $N = \frac{295 \times 12}{5} = 708$
∴ वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों की संख्या $708 \times \frac{3}{12} = 177$
14. एक नगर की जनसंख्या 50,000 है जिसमें 48% महिलाएं हैं तथा शेष पुरुष हैं। यदि पुरुषों में 53% वयस्क हों तो वयस्क पुरुषों की संख्या होगी -
(A) 13,000 (B) 13,700
(C) 13,780 (D) 13,880
उत्तर- (C)
हल- पुरुषों की संख्या $100 - 48 = 52\%$
अतः $\frac{50000 \times 52}{100} = 26,000$ पुरुषों की संख्या है
पुरुषों की संख्या का 53% वयस्क हैं
अतः $\frac{26000 \times 53}{100} = 13,780$ वयस्क पुरुषों की संख्या
15. एक विद्यार्थी को पूर्ण योग में से 70% अंक प्राप्त होते हैं। वह चार विषयों में बैठता था जिनमें से तीन में 80, 65 तथा 64 अंक मिले यदि प्रत्येक विषय के पूर्णांक 100 थे तो उसे चौथे विषय में कितने अंक मिले -
(A) 69 (B) 70
(C) 71 (D) 73
उत्तर- (C)
- हल- कुल पूर्णांक $100 \times 4 = 400$
प्राप्तांक $\frac{400 \times 70}{100} = 280$
चौथे विषय के प्राप्तांक = $280 - (80 + 65 + 64) = 71$
16. यदि 25 वस्तुएं 125 Rs. में खरीदी जाती हैं तथा 6 Rs. प्रति वस्तु के भाव पर बेची जाती हैं तो विक्रय मूल्य पर लाभ का प्रतिशत क्या है -
(A) 15% (B) 16%
(C) $16\frac{2}{3}\%$ (D) 18%
उत्तर- (C)
हल- 25 वस्तुओं का क्रय मूल्य = 125 अतः 1 वस्तु का क्रय मूल्य = $\frac{125}{25} = 5$ Rs.
1 वस्तु का विक्रय मूल्य = 6 Rs.
लाभ = $6 - 5 = 1$ Rs.
विक्रय मूल्य पर लाभ का प्रतिशत = $\frac{\text{लाभ} \times 100}{\text{विक्रय मूल्य}} = \frac{1 \times 100}{5} = 20\%$
17. एक व्यक्ति ने एक कूलर को 12,500 Rs. में खरीदकर 11,000 Rs. में बेच दिया। उसकी हानि का % है -
(A) 10.5% (B) 11.5%
(C) 12% (D) 12.5%
उत्तर- (C)
हल- क्रय मूल्य 12,500 Rs. तथा विक्रय मूल्य 11,000 Rs.
अतः हानि = $12500 - 11000 = 1500$ Rs.
अतः हानि का प्रतिशत = $\frac{\text{हानि} \times 100}{\text{क्रय मूल्य}} = \frac{1500 \times 100}{12500} = 12\%$
18. एक वस्तु पर 35% एवं 10% के दो क्रमिक बड़े दिए जाते हैं। यदि किसी व्यक्ति ने उस वस्तु के लिए 1170 Rs. दिए हों तो वस्तु का मूल्य क्या था -
(A) 1900 Rs.
(B) 1950 Rs.
(C) 2000 Rs.
(D) 2050 Rs.
उत्तर- (C)
हल- तुल्य बट्टा
 $= 100 - \frac{(100 - 35)(100 - 10)}{100}$
 $= 100 - \left(\frac{65 \times 90}{100} \right)$
 $= 100 - \frac{5850}{100}$
 $100 - 58.5$
 $= 41.5\%$
विक्रय मूल्य = अंकित मूल्य x (100 - बट्टा) %
 $1170 = \text{अंकित मूल्य} \times (100 - 41.5) \%$
 $1170 = \text{अंकित मूल्य} \times 58.5 \%$
अंकित मूल्य = $\frac{1170 \times 100}{58.5} = 2000 \text{ Rs.}$
- डॉ. डी.सी. राठी
(लेखक, शासकीय महाविद्यालय राज में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

शासन के सहयोग से फिर से शुरू होंगे छोटे-छोटे काम धंधे

सरकार देगी 10 हजार रुपये तक का लोन

इंदौर, कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में छोटे-छोटे काम धंधे करने वाले नागरिक प्रभावित हुए हैं, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार ऐसे लोगों का स्व-रोज़गार फिर से शुरू करायेगी। गली-मोहल्लों में फेरी लगाकर अपना जीवन-यापन करने वाले नागरिकों को सरकार अपनी गारंटी पर 10 हजार रुपये तक का लोन देगी। इस योजना को सफल बनाने के लिए बैंकों से टाय-अप कर लिया गया है। वहीं ऐसे छोटे-छोटे काम धंधे करने वाले नागरिकों को संयोजन योजना में भी शामिल कर लिया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में पथ विक्रेता निधि, जीवन शक्ति योजना और प्रवासी मजदूर रोज़गार समीक्षा योजना के कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने प्रवासी मजदूरों के लिए रोज़गार सेतु योजना का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा की कोरोना महामारी के बीच नागरिकों को राहत देते हुए विभिन्न योजनाओं में अब तक 26 हजार करोड़ रुपये उनके बैंक खातों में डाले गए हैं। इनमें प्रवासी मजदूरों को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं अब 100 रुपये विजली के बिल के स्थान पर 50

रुपये और जिनके 400 रुपये विजली के बिल आते थे, उन्हें सिर्फ 100 रुपये विजली का बिल भरना होगा।

रोज़गार सेतु से प्रवासी मजदूरों को मिलेगा कौशल का काम

श्री चौहान ने रोज़गार सेतु योजना के हितग्राही, प्रधानमंत्री पथ विक्रेता और जीवन शक्ति योजना में हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। इस दौरान उन्होंने पुणे में 4 हजार रुपये के मासिक वेतन पर कार्य करने वाले अमित वाघे को रोज़गार सेतु पोर्टल के माध्यम से सिक्यूरिटी गार्ड के रोज़गार का प्रमाण-पत्र प्रदान किया। अमित को अब 8 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन मिलेगा।

इसी तरह छत्तीसगढ़ में काम करने वाले वीरेंद्र को भी इंदौर में काम मिल गया है। अब वीरेंद्र 8 हजार रुपये का मासिक वेतन पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जीवन शक्ति योजना के तहत सुरभि दोषी को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। सुरभि ने योजना के तहत मास्क बनाकर सफाई कर्मियों को प्रदान किए थे। वहीं माँ संतोषी स्व-सहायता समूह की रीना प्रजापति को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

प्रदेश में शस्त्र लायसेंसों का रिकॉर्ड पोर्टल पर होगा दर्ज

भोपाल, गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में कदम उठाते हुए भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी शस्त्र लाइसेंसधारियों को पोर्टल पर आवश्यक जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करानी होगी। सभी शस्त्र लाइसेंसधारियों का रिकॉर्ड पोर्टल पर दर्ज होने के बाद सिंगल क्लिक से देश में कभी भी और कहीं भी देखा जा सकेगा।

लाइसेंसधारियों को अनिवार्य रूप से जानकारी 29 जून तक पोर्टल पर दर्ज करानी होगी अन्यथा शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जिलों के कलेक्टरों को आर्म्स लाइसेंस इंफॉर्मेशन सिस्टम (ALIS) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिये गये हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि शस्त्र लायसेंसधारी अब दो से अधिक शस्त्र नहीं रख सकेंगे। उनके पास अगर तीसरा शस्त्र है, तो उसे नियमानुसार 13 दिसम्बर, 2020 तक जमा कराना होगा।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को बनाया जायेगा कोविड अस्पताल - मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर स्थित एमवाय अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण करते हुये।

इंदौर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर स्थित एमवाय अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अस्पताल का निर्माण कार्य शीघ्रतापूर्वक पूरा किया जाये। इस अस्पताल में मुख्य रूप से फर्नीचर और मशीन लगाने का काम बाकी है। सिविल वर्क लगभग पूरा हो गया है। इस अस्पताल में शीघ्र ही चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की जायेगी। राज्य शासन

द्वारा सभी आवश्यक पद स्वीकृत कर दिये गये हैं। वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर इसका निरीक्षण कर दिशा-निर्देश देते रहते हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी इस अस्पताल के लिये तकनीकी मार्गदर्शन देते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र की बढ़ती आबादी को देखते हुए इस तरह के सर्वसुविधा सम्पन्न अस्पताल की बहुत जरूरत थी। केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर अस्पताल को मूर्त रूप दिया है। अस्पताल से इंदौर-उज्जैन संभाग के मरीजों को मुफ्त सेवा का लाभ मिलेगा और कोविड

संक्रमण के निदान के बाद सभी वीमारियों का इलाज किया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। चार सौ बिस्तरों वाले इस अस्पताल के निर्माण में लगभग 360 करोड़ रुपये की लागत आयी है। इस अस्पताल में भू-तल और आधार तल को मिलाकर कुल दस मंजिल हैं। भू-तल पर खून, पेशाब की जांच, एक्सरे और मस्तिष्क की जांच के लिये मशीनें लगायी जा रही हैं। पहली मंजिल से बेंड लगाये जाएंगे।

कोरोना से निपटने के लिये

आईआईटीटी रणनीति का प्रभावी क्रियान्वयन जारी रहे - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में फीवर क्लीनिकों को बनाया जायेगा और अधिक प्रभावी



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण रोकने एवं मृत्यु दर न्यूनतम करने के लिए आईआईटीटी (आईडेंटिफाई, आयसोलेट, टेस्ट एण्ड ट्रीटमेंट) रणनीति का प्रभावी क्रियान्वयन जारी रहे। वर्तमान में लॉकडाउन खुल जाने के कारण नए कोरोना संक्रमित मरीज आ रहे हैं, थोड़ी सी भी असावधानी संक्रमण बढ़ा सकती है। सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में पूरी सावधानी एवं सतर्कता के साथ रणनीति पर कार्य करें। भोपाल सहित पूरे प्रदेश में फीवर क्लीनिकों को प्रभावी बनाया जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये दिये।

जांच करें तथा दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करें

वल्लभ भवन के एक कर्मचारी की कोविड से मृत्यु के मामले में बताया गया कि वह जेपी अस्पताल के फीवर क्लीनिक में गया था तथा वहां से उसे दवा देने के बाद वापस भिजवा दिया गया, उसका टेस्ट नहीं किया गया। बाद में गंभीर रूप से बीमार होने पर वह दोबारा अस्पताल आया, परंतु उसे उपचार के बावजूद भी बचाया नहीं जा सका। मुख्यमंत्री द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लिया जाकर तुरंत जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये।

भोपाल जिले की समीक्षा में बताया गया कि भोपाल में मास्क न लगाने तथा

सार्वजनिक स्थानों पर धूकने पर 915 लोगों पर 1 लाख 85 हजार रुपये का फाइन किया गया है।

मध्यप्रदेश की कोरोना पॉजिटिविटी रेट 4.42 प्रतिशत

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि मध्यप्रदेश की कोरोना पॉजिटिविटी रेट 4.42 प्रतिशत है, जबकि पूरे देश की 5.51 प्रतिशत है। हमारी रिकवरी रेट 68.8 प्रतिशत है, जबकि पूरे देश की 49.1 प्रतिशत है।

प्रदेश के 22 जिलों में 10 से कम कोरोना के मरीज हैं तथा 04 जिले अलीराजपुर, होशंगाबाद, सिवनी और सीहोर कोरोना मुक्त हैं। प्रदेश की टेस्टिंग क्षमता प्रतिदिन 6 हजार से अधिक है।

ग्रामीण अंचलों में स्व-सहायता समूह उपलब्ध कराएंगे सेनेटरी नैपकिन

भोपाल, लॉकडाउन के चलते कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ा है, सेनेटरी नैपकिन भी उनमें से एक है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इसकी त्वरित उपलब्धता कराने के लिए तेजस्विनी स्व-सहायता समूह के साथ अनुबंध किया है। इसमें शीघ्र ही राज्य आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह को भी शामिल किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा महिला वित्त एवं विकास निगम के मध्य आंगनवाड़ी केंद्रों में संचालित उदित केंद्रों में सेनेटरी नैपकिन प्रदाय करने के लिए किए गए अनुबंध की वैधता 15 अगस्त 2020 से 31 जुलाई 2021 तक होगी। छह जिलों में से प्रथम चरण 15 अगस्त से डिंडोरी जिले में प्रारंभ किया जाएगा। दूसरा चरण 1 सितंबर 2020 से शोप 5 जिलों मंडला, बालाघाट, पन्ना, टीकमगढ़ एवं छतरपुर में शुरू किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन की उपलब्धता आसानी से नहीं हो पाती थी और यदि उपलब्ध होते थे तो संकोचवश वह उनको खरीदने दुकानों तक नहीं जा पाती थीं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी 97 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों पर उदित कॉर्नर तैयार कराते हुए सेनेटरी नैपकिन की उपलब्धता कराई थी। हाल ही में आकाशवाणी के एक कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सेनेटरी नैपकिन की कमी से अवगत कराया था। विभाग ने शीघ्रता से इस विषय पर कार्रवाई करते हुए स्थानीय स्तर पर स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सेनेटरी नैपकिन आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्लाई किए जाने के लिए कार्य-योजना तैयार कर अनुबंध किया है।

बिजली कार्मिकों के लिए आधार बेस्ड बायोमैट्रिक अटेंडेंस 'प्रयास' लागू

भोपाल, उपभोक्ता सेवा सर्वोपरि है, इसके लिए कार्मिकों की समय पर उपस्थिति आवश्यक है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आधार बेस्ड बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली 'प्रयास' का प्रचालन 10 जून से शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एक उपभोक्ता उन्मुख कंपनी है एवं उपभोक्ताओं को सही समय पर सेवा उपलब्ध कराने के लिए कार्मिकों की कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित

कर रही है। विजली कंपनी ने यह निर्णय लिया है कि 10 जून से कंपनी के 8 हजार से अधिक नियमित एवं संविदा तथा आउटसोर्स कार्मिकों को अपनी उपस्थिति बायोमैट्रिक प्रणाली से दर्ज करना अनिवार्य हो गया है। कंपनी ने इस संबंध में निर्देश जारी कर कहा है कि सभी कर्मचारियों को मोशन डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उपस्थिति दर्ज करने के पूर्व एवं बाद में अपने हाथों को अच्छी तरह से सेनेटाइज करना होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सिंगल क्लिक से नगरीय निकायों को अंतरित किए गये 330 करोड़ रुपये

‘शहरी पथ व्यवसायी उत्थान योजना’ एवं ‘पथ विक्रेता पोर्टल’ का शुभारंभ



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ‘शहरी पथ व्यवसायी उत्थान योजना’ तथा ‘शहरी पथ विक्रेता पोर्टल’ का शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय से प्रदेश के 374 नगरीय निकायों एवं 5 छावनी परिषदों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 330 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने ‘शहरी पथ व्यवसायी उत्थान योजना’ एवं ‘शहरी पथ विक्रेता पोर्टल’ का शुभारंभ भी किया।

शहरी पथ व्यवसायी उत्थान योजना

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के पथ विक्रेताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि भारत के यशस्वी और दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत शहरी पथ व्यवसायियों को 10 हजार रुपये का ऋण दिया जाएगा। इसमें 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान सहायता केंद्र सरकार देगी। मध्यप्रदेश सरकार ने इसी के साथ शहरी पथ व्यवसायी उत्थान योजना प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत शेष ब्याज की राशि, जो लगभग 5 प्रतिशत

होगी, राज्य सरकार भरेगी। इस प्रकार हितग्राही को 10 हजार रुपये का ब्याज मुक्त ऋण मिल सकेगा। इसकी गारंटी सरकार देगी।

पोर्टल पर पंजीयन अवश्य करवायें

श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पथ विक्रेताओं/व्यवसायियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिए जाने के उद्देश्य से शहरी पथ विक्रेता पोर्टल भी प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत शहरी असंगठित कामगारों- सड़क पर, पथ पर, गुमटी लगाकर, ठेला चलाकर व्यवसाय करने वालों का पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। यह एकीकृत पोर्टल उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ देगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पथ विक्रेताओं से आग्रह किया कि वे इस पोर्टल पर अपना पंजीयन अवश्य करवायें।

पथ विक्रेताओं से बातचीत की

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों के पथ

विक्रेताओं भोपाल के मुनेश (घाट ठेला), संजय कुशवाह (सब्जी ठेला), उज्जैन की अनीता जैन (सब्जी ठेला), नरेन्द्र सिंह वैश्य (सब्जी ठेला), सतना की शीला कुशवाह (सब्जी विक्रेता), प्रमोद सोनी (पथ विक्रेता), इंदौर की बबीता (सब्जी पथ विक्रेता), अमरजी (सब्जी व्यवसाय) तथा दतिया के शिवराज सिंह (ताला-चाबी ठेला), कौशल्या पाल (फल ठेला) आदि से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दी गई राशि से वे अपना व्यवसाय करें और प्रसन्न रहें। मध्यप्रदेश सरकार हमेशा आपके साथ है।

नगरीय निकाय दी गई राशि से करा सकेंगे विभिन्न कार्य

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि नगरीय निकायों को दी गई 330 करोड़ रुपये की राशि से पेयजल व्यवस्था, नाली निर्माण, सीवरेंज कार्य, सड़क निर्माण, सड़क मरम्मत, अधोसंरचना विकास, गंदी बस्ती विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, अग्निशमन सेवाओं आदि से संबंधित कार्य करा सकेंगे।

कोरोना संक्रमण के मय को दूर करने आगे आये विश्वविद्यालय

भोपाल, मध्यप्रदेश में आत्मनिर्भर और स्वायत्त विश्वविद्यालय का नया दौर प्रारम्भ हो रहा है। व्यवस्था को मजबूत और सफल बनाने का दायित्व कुलपतियों का है। सर्वोच्च प्राथमिकता अनुशासित, बाधा रहित, भयमुक्त और गाइड लाइस के अनुसार परीक्षा संचालन को दी जाये। ये बातें राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में आयोजित शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि कोविड-19 की चुनौती कठिन दौर है, लेकिन यह नये भारत के निर्माण का अवसर भी है। स्वदेशी नवाचारों के लिए नया वातावरण बना है। शोध, अनुसंधान और नये-नये प्रयोगों के लिए वातावरण निर्माण में विश्वविद्यालय सहयोग करें। कोविड-19 के भय को खत्म करने विश्वविद्यालय आगे आये। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की चेतना को प्रोत्साहन दें। नये स्टार्ट-अप स्थापना में सहयोग करें। इनके लिए भरपूर राशि उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि संकट के इस दौर में विश्वविद्यालयों में नई सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार हुआ है। एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर और एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म निर्माण के लिए सभी वधाई के पात्र हैं। कोविड-19 के संबंध में जन जागृति के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा संदेश प्रसारण

का जो कार्य किया है, वह सराहनीय है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए कार्य देश-प्रदेश की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शक होंगे।

प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन ने कहा कि परीक्षा संचालन व्यवस्थाओं में सेनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखा जाये। सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या अथवा क्षमता को बढ़ाकर नियोजित किया जाना चाहिए। परीक्षा संचालन के दौरान परीक्षा केंद्र में आगमन से लेकर परीक्षा समाप्ति बाद वापस जाने तक की समस्त व्यवस्थाओं का स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बना लिया जाये। तीन पालियों में परीक्षा संचालन को भी परीक्षा अवधि को कम करने अथवा दो पालियों के अंतराल में सेनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग की समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण करने की आवश्यक व्यवस्थाओं की सभी संभावनाओं पर विचार कर एस.ओ.पी. का निर्माण किया जाए। यह प्रयास किया जाये कि छात्र-छात्राओं को कम से कम यात्रा करनी पड़े। वच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाये। दूरस्थ क्षेत्र एवं अन्य कारणों से परीक्षा में सम्मिलित नहीं होने वालों के लिए अतिरिक्त परीक्षा की व्यवस्था हो। विद्यार्थियों की काउंसलिंग के भी कार्य किए जाएं।

आबकारी नीति के संबंध में निर्णय लेने के लिये मंत्री समूह गठित

भोपाल, राज्य शासन द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए आबकारी नीति के क्रियान्वयन एवं अनुपांगिक विषयों पर निर्णय लेने तथा परिस्थितिवश निर्मित स्थिति पर राजस्व हित में आवश्यक एवं तात्कालिक नीतिगत निर्णय लेने के लिये मंत्री समूह का गठन किया गया है। गृह एवं लोक स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में गठित मंत्री समूह में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, सहकारिता मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत और आदिम जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह मॉडवे सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर समिति के सचिव होंगे।

कोरोना संक्रमित अथवा क्वारेंटाइन विद्यार्थी बाद में दे सकेंगे हायर सेकेण्डरी विशेष परीक्षा

भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हायर सेकेण्डरी एवं हायर सेकेण्डरी दृष्टिहीन, मूक-बधिर (दिव्यांग) वर्ष 2020 की शेष विषयों की परीक्षा 9 जून से 16 जून तक आयोजित की गई है। इस परीक्षा में शामिल न हो सकने वाले कोरोना संक्रमित, क्वारेंटाइन एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये मण्डल द्वारा बाद में विशेष परीक्षा आयोजित की जायेगी।

प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण कतिपय जिलों में ऐसे छात्र जो वायरस से संक्रमित (जिनकी रिपोर्ट वर्तमान में पॉजिटिव आई है) हैं अथवा जिनके उपचार के बाद रिपोर्ट निगेटिव आई है, किन्तु उनकी क्वारेंटाइन अवधि पूर्ण नहीं हुई है तथा ऐसे छात्र जो स्वयं क्वारेंटाइन हैं अथवा उनके परिवार का

कोई सदस्य कोरोना पॉजिटिव होने के कारण होम क्वारेंटाइन या संस्थागत क्वारेंटाइन हैं तथा छात्र परिवार के साथ निवासरत हैं एवं छात्र भी क्वारेंटाइन हैं और दृष्टिहीन, मूक-बधिर (दिव्यांग) छात्र स्वास्थ्य सुरक्षा कारणों से यदि शेष परीक्षा में शामिल नहीं हो पाये, तो बाद में मण्डल द्वारा विशेष परीक्षा आयोजित की जायेगी।

विशेष परीक्षा में एक विषय में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये पूरक परीक्षा भी आयोजित की जाएगी।

कोरोना पॉजिटिव एवं क्वारेंटाइन विद्यार्थियों को विशेष परीक्षा में शामिल होने के लिये स्वयं अथवा परिवार के सदस्य का डिस्चार्ज सर्टिफिकेट अथवा क्वारेंटाइन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

प्रदेश में 32 लाख से अधिक बच्चों को दिया गया रेडी-टू-ईट पोषण आहार

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोरोना संकट काल के दौरान निर्वाध रूप से छोटे बच्चों और गर्भवती/धात्री महिलाओं को पोषण आहार वितरित किया जा रहा है। प्रदेश में 6 माह से 6 वर्ष के लगभग 32 लाख 18 हजार 266 बच्चों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से रेडी-टू-ईट पूरक पोषण आहार वितरित किया गया। स्थानीय स्तर पर लगभग 42 हजार 266 स्व-सहायता समूहों द्वारा रेडी-टू-ईट पोषण आहार के रूप में सत्तू, पंजीरी, लड्डू चूरा, पोप्टिक मिक्चर एवं गुड-पापड़ी आदि तैयार कर 15-15 दिवस के अंतराल में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा तीन से 6 वर्ष के 35 लाख 49 हजार 540 बच्चों और लगभग 14 लाख एक हजार 990 गर्भवती एवं धात्री माताओं

को पूरक पोषण आहार वितरित किया गया। इस दौरान प्रदेश वापस लौटे 7 लाख 10 हजार 685 परिवारों के 6 माह से 3 वर्ष के 75 हजार 917 बच्चे, तीन से 6 वर्ष के 78 हजार 347 बच्चे, 21 हजार गर्भवती महिलाएं एवं 17 हजार 805 धात्री माताओं को भी पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कोरोना संकट के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली सभी सेवाएं निरंतर जारी रखी गई हैं। इन सेवाओं में प्राथमिकता के आधार पर, सभी पात्र हितग्राहियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 द्वारा निर्धारित प्रोटीन एवं कैलोरी मानक युक्त पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जा रहा है।

होमगार्ड के जवानों को नियमित मानदेय मिलेगा - गृह मंत्री

छह महीने की सेवा अवधि विस्तार का प्रस्ताव अनुमोदित



गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा एसडीआईआरएफ मुख्यालय परिसर में ऑफिसर्स मेस का लोकार्पण करते हुये।

भोपाल, गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने एसडीआईआरएफ मुख्यालय परिसर में नवनिर्मित ऑफिसर्स मेस के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण काल में होमगार्ड के जवानों ने सराहनीय कार्य किया है। उनके कार्य और सेवाओं को दृष्टिगत रखते हुए शासन ने उनकी सेवा अवधि को छः माह बढ़ाने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड के जवानों को प्रतिमाह नियमित रूप से मानदेय का भुगतान होगा।

डॉ. मिश्रा ने एसडीआईआरएफ तथा होमगार्ड द्वारा मानसून में होने वाली आपदा से बचाव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आपदा और बाढ़ राहत कार्य इत्यादि

के समय उपयोग में आने वाले अत्याधुनिक वचाव उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। डॉ. मिश्रा के समक्ष जवानों द्वारा बाढ़ एवं अन्य आपदा के समय नागरिक सुरक्षा के लिये किये जाने वाले कार्यों का डिमांस्ट्रेशन किया गया।

सिविल डिफेंस वालंटियर्स सम्मानित

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कोरोना संकट काल में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने वाले 30 सिविल डिफेंस वालंटियर्स को सम्मानित भी किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह वालंटियर्स नहीं कोरोना वॉरियर्स हैं। संकट की इस घड़ी में सभी ने जीवन सुरक्षा के लिये उत्कृष्ट कार्य किया गया है। डॉ. मिश्रा ने सभी सम्मानित वालंटियर्स को ट्रैक सूट भेंट किये।

सभी स्कूलों में 30 जून तक रहेगा अवकाश

भोपाल, शासन द्वारा नोबल कोरोना वायरस एवं उससे जनित बीमारी के संक्रमण से बचाव के लिये शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिये प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के लिये 30 जून तक अवकाश घोषित किया गया है। ऑनलाइन अध्यापन की गतिविधियां विभागीय आदेश के अनुसार जारी रखी जा सकेंगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राज्य सरकार ने की 27 हजार 281 विद्यार्थियों की फीस जमा

भोपाल, मुख्यमंत्री जन कल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना अन्तर्गत उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत 27 हजार 281 विद्यार्थियों की 18 करोड़ 88 लाख 24 हजार रुपये की फीस सरकार ने जमा करवायी है। यह सभी विद्यार्थी असंगठित कर्मकारों के बच्चे हैं। यह योजना मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शैक्षणिक सत्र 2018-19 में शुरू की थी।

योजना अन्तर्गत तकनीकी शिक्षा के 1500 विद्यार्थियों की एक करोड़ 88 लाख 97 हजार 321, आईआईटी, एनआईटी के 2 विद्यार्थियों की एक लाख 78 हजार 700, क्लैट-एन.एल.आई.यू. के 9 विद्यार्थियों की 19 लाख 55 हजार 500, मेडिकल (नीट) में 19 विद्यार्थियों की एक करोड़ 70 लाख 77 हजार, उच्च शिक्षा में 23 हजार 896 विद्यार्थियों की 13 करोड़ 78 लाख 78 हजार 953 और अन्य पाठ्यक्रमों के 1855 विद्यार्थियों की एक करोड़ 28 लाख 36 हजार 764 रुपये की फीस सरकार द्वारा जमा करवायी गयी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री जन कल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन योजना) असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीकृत माता-पिता के विद्यार्थियों को निःशुल्क उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गयी है। योजना में तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाता है।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भुगतान जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश के 32 लाख तेन्दूपत्ता संग्राहकों को संग्रहण वर्ष 2018 में संग्रहीत तेन्दूपत्ते के शुद्ध लाभ से 183 करोड़ 94 लाख रुपये के प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 23 मई से संग्राहकों को प्रोत्साहन पारिश्रमिक वितरण के कार्य का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ किया है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां तेन्दूपत्ता के व्यवसाय से होने वाली सम्पूर्ण शुद्ध आय प्राथमिक सहकारी बोनोपज समितियों को उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान में शुद्ध आय का 70 प्रतिशत भाग संग्राहकों को उनके द्वारा संग्रहीत मात्रा के अनुपात में प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में नगद भुगतान किया जाता है। शेष 30 प्रतिशत में से 15 प्रतिशत भाग वनों के पुनरुत्पादन और 15 प्रतिशत अवशेष राशि सहकारी समितियों को उनकी प्राथमिकता और मांग के आधार पर गांव की मूलभूत सुविधाओं के विकास में व्यय की जाती है।

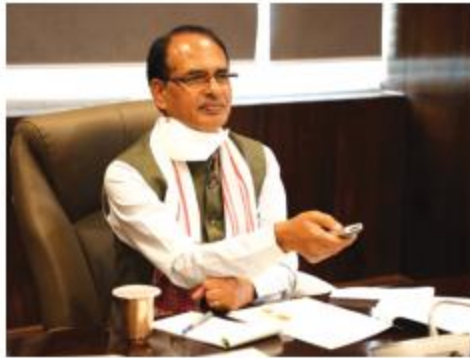
प्रदेश में संचालित अनुज्ञापत मदिरा दुकानों के संचालन की नई व्यवस्था

भोपाल, राज्य शासन के वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा प्रदेश में अपरिहार्य परिस्थितियों में विभागीय अनुज्ञापत देशी/विदेशी मदिरा दुकानों के वैकल्पिक संचालन के लिए नई व्यवस्था लागू की है। आवश्यकता राजस्व सुरक्षित रखने के लिए मदिरा दुकानों का संचालन तात्कालिक विकल्प के रूप में आंशिक अवधि के लिए यह व्यवस्था प्रभावशील होगी।

मदिरा दुकानों की अनुज्ञापतियों के निरस्त होने तथा उनकी वर्ष 2020-21 की शेष अवधि के लिए पुनर्निष्पादन के बीच लगने वाली समयवधि में राजस्व हित में इस व्यवस्था द्वारा मदिरा दुकानों का संचालन किया जा सकेगा। आवश्यकता आयुक्त ने वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी जिला कलेक्टरों को आवश्यक कार्यवाही करने के लिये परिपत्र भेजा है।

जिला समिति द्वारा मदिरा दुकान संचालन के लिए समूहों का निर्धारण किया

छिंदवाड़ा में दो भूमिगत कोयला खदानों से एक हजार लोगों को मिलेगा रोजगार



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छिंदवाड़ा जिले में धनकसा और शारदा भूमिगत कोयला खदानों का ऑनलाइन शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में धनकसा और शारदा भूमिगत कोयला खदानों का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ऑनलाइन शुभारंभ किया। एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुये इस समारोह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कोयला मंत्री श्री प्रहलाद जोशी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे भी उपस्थित हुए।

मध्यप्रदेश में एक हजार से ज्यादा लोगों को छिंदवाड़ा जिले की इन दो भूमिगत कोयला खदानों से रोजगार मिलेगा। अगले चार साल में कोल इंडिया वीस खदानें शुरू करेगा, इनमें 6 मध्यप्रदेश में होंगी। अभी प्रारंभ हुई दोनों खदानों के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पूर्व के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रयास किए थे।

प्रधानमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी, श्री प्रहलाद जोशी और कोल इंडिया का आभार माना। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में इन दो कोयला खदानों के खुल जाने से प्रगति का नया अध्याय प्रारंभ होगा। ये दोनों भूमिगत खदानें शुरू हों, इसके लिए पिछले कार्यकाल से प्रयास किए जा रहे थे। धनकसा भूमिगत खदान से 458 करोड़ रुपये और शारदा भूमिगत खदान से 57 करोड़ रुपये के केपिटल इन्वेस्टमेंट की योजना है। दोनों खदानें 1.4 लाख टन सालाना कोयला उत्पादन करेंगी।

खनिज सम्पदा में मध्यप्रदेश आगे

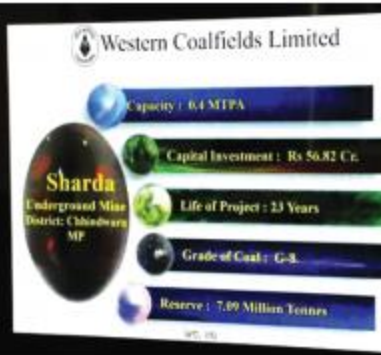
उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश कोयला उत्पादन में देश में चौथे स्थान पर है। प्रदेश में सालाना 239 मिलियन टन कोयले का उत्पादन होता है। जिससे प्रदेश को 2 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। प्रदेश के 6 जिलों छिंदवाड़ा, बैतूल,

अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और सिंगरौली में कोल इंडिया लिमिटेड कोयला खनन का कार्य करता है। प्रदेश में वेस्टर्न कोल फील्ड की 56 खदानों में से 23 भूमिगत और 23 ओपन हैं। इनमें कुल 16 खदानें मध्यप्रदेश में संचालित हैं जो मुख्यतः छिंदवाड़ा और बैतूल जिलों में हैं। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश खनिज प्रधान राज्य है जहां हीरा, कोयला, मीथेन गैस, कॉपर और लाईमस्टोन के भंडार हैं। जहां हीरा उत्पादन में मध्यप्रदेश सबसे प्रमुख राज्य है, वहीं मैंगनीज और कॉपर उत्पादन में दूसरे और कोयला उत्पादन में देश में चौथे स्थान पर है। राज्य के मुख्य खनिजों के उत्पादन बढ़ाने के भरसक उपाय किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छिंदवाड़ा जिले की जिन दो भूमिगत खनिज परियोजनाओं से 1.4 लाख टन कोयले का वार्षिक उत्पादन के साथ ही करीब एक हजार लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोविड-19 के संकट के दौर में देश को लॉकडाउन और अन्य व्यवस्थाओं के माध्यम से लोगों को बचाने के बाद मंत्र दिया कि जान भी है और जहान भी है। इसका अर्थ है जीवन के साथ आर्थिक गतिविधियों को प्रारंभ करना ही होगा। जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य है। श्री चौहान ने कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री श्री प्रहलाद जोशी द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में दी गई 20 करोड़ की राशि के लिये वे उनके आभारी हैं।

श्री गडकरी के सुझावों पर होगा कार्य

मुख्यमंत्री ने अपने संवाोधन में कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार मध्यप्रदेश में कोल बैंड मीथेन और यूरिया उत्पादन की संभावनाओं को साकार करने के लिए कार्य किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भी लोकल को बोल करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया है,



उसके अनुरूप कदम उठाये जायेंगे। वर्तमान में जो कोयला खदानें संचालित हैं उनकी दूरी ऊर्जा संयंत्रों से अधिक है। खदानों से कोयला उत्पादन के परिवहन के व्यय को कम कर सारणी संयंत्र तक पहुंचाने की संभावना को साकार किया जा सकेगा। इससे अनेक व्यय कम होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुगमता से ऊर्जा प्राप्ति के इस निर्णय के साथ ही दोनों खदानों से छिंदवाड़ा और बैतूल जिलों की जनता को रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश की तरफ से कोल इंडिया को पूरा सहयोग प्राप्त होगा। श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए ये दोनों खदानें उपयोगी सिद्ध होंगी। अगले चार वर्ष में शुरू होने वाली 6 खदान में से 4 खदानें वर्तमान वित्त वर्ष में ही प्रारंभ होंगी। इन 6 परियोजनाओं में वेस्टर्न कोलफील्ड 1300 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। आने वाले वर्षों में भी इन दोनों परियोजनाओं से प्रदेश को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के सुझाव के अनुसार कोल वेस्ट से रेत निकालने और बांध में जल स्तर वृद्धि की दिशा में भी कार्य किया जायेगा।

चंबल एक्सप्रेस-वे है

चंबल प्रोब्लेम-वे

श्री चौहान ने श्री नितिन गडकरी को चंबल एक्सप्रेस-वे की सौगात देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विध्य से लेकर राजस्थान की सीमा तक 309 किलोमीटर का मार्ग चंबल एक्सप्रेस-वे के अंतर्गत शामिल कर फोरलेन किया जा रहा है। किसी समय चंबल क्षेत्र में डकैत समस्या थी। यहां वीहड़ क्षेत्र लाखों हेक्टेयर में है। चंबल एक्सप्रेस-वे चंबल प्रोग्रेस-वे बनकर इस क्षेत्र की प्रगति को नई ऊंचाईयां देगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री उद्धव

ठाकरे ने कहा कि श्री गडकरी महाराष्ट्र के विकास के लिये चिंतित रहते हैं। नई कोयला खदान आदासा की शुरुआत और रेल लाईनों के ब्रॉडगेज में बदलने के कदम विदर्भ क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि गत 6 वर्ष में देश में कोयला उत्पादन में वृद्धि हुई है। कोल माइनिंग में खदान से रेलवे साइडिंग तक अधोसंरचना विकास के लिए 50 हजार करोड़ रुपये के पूंजी निवेश का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है।

श्री गडकरी ने बताया कि विदर्भ अंचल में ये प्रयास निरंतर चल रहे हैं। विभिन्न योजनाओं से कुल 2600 करोड़ रुपये किसानों को प्राप्त हुये हैं। कुल 5200 भूमिधारक लाभान्वित हुए हैं। श्री गडकरी ने बताया कि महाराष्ट्र के ऊर्जा संयंत्रों में नई कोयला खदान आदासा से प्राप्त कोयले का उपयोग होगा। संयंत्रों की क्षमता बढ़ेगी। श्री गडकरी ने आशा व्यक्त की कि बल्लारशाह और चंद्रपुर में कोल गैसीफिकेशन के उपयोग से यूरिया निर्माण और अन्य तरह के ईंधन तैयार हो सकते हैं। इससे पर्यावरण रक्षा का कार्य भी आसान होगा और विदर्भ क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकेगा।

केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि देश में विद्युत उत्पादन के बिना प्रगति नहीं हो सकती और इसके लिए कोयले की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में करीब तीन चौथाई बिजली ताप विद्युत संयंत्रों से प्राप्त होती है, जिनके लिए कोयला अनिवार्य है। श्री जोशी ने आश्चर्य व्यक्त किया कि पर्यावरण के मुद्दे पर ध्यान देते हुए आत्मनिर्भर भारत के लिए कोयला उत्पादन क्षेत्र में निवेश के प्रयास बढ़ाए जाएंगे।

उपार्जित गेहूं का शत-प्रतिशत मण्डारण एवं भुगतान करें सुनिश्चित

भोपाल, मध्यप्रदेश में उपार्जित गेहूं का शत-प्रतिशत मण्डारण सुनिश्चित करते हुए किसानों के शेष बचे भुगतान की कार्यवाही भी तत्काल करें। जिन जिलों में उपार्जन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां मण्डारण के लिये आवश्यक बेयरहाउस की व्यवस्था की जाये। उपार्जित गेहूं एवं चना को बारिश से कहीं भी क्षति नहीं पहुंचनी चाहिये। जिला कलेक्टर अपने कार्यक्षेत्र में इसकी प्रतिदिन समीक्षा भी करें। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गेहूं उपार्जन एवं मण्डारण की समीक्षा के दौरान दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में अब तक एक करोड़ 28 लाख 13 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर लिया गया है। देवास, इंदौर और उज्जैन में उपार्जन चल रहा है। कुल 15 लाख 74 हजार किसानों से यह उपार्जन किया गया है। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस ने कहा खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग इस कार्य की सुक्ष्म मॉनिटरिंग कर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करें।

प्रमुख सचिव खाद्य श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि अब तक 20 हजार करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। कुल 14 लाख 8 हजार किसानों के खाते में राशि जमा की जा चुकी है। कुल 21 हजार 174 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जाना है।

मध्यप्रदेश में मिला

53 लाख को रोजगार

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में 53 लाख श्रमिकों को रोजगार से जोड़ा गया है। इन श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में संचालित कार्यों से संलग्न किया गया। श्रम सिद्धि अभियान के तहत 7 लाख 56 हजार जांब कार्ड प्रदान किए गए हैं जो गत वर्ष से 4 गुना से भी अधिक हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि जहां अनुमति नहीं है वहां किसी भी स्थिति में मनरेगा कार्यों में मशीनों का उपयोग न किया जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)



गायत्री कुमार

ब्रिटेन में भारत की उच्चायुक्त होंगी

अनुभव राजनयिक गायत्री आई कुमार को ब्रिटेन में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। वह 1986 बैच की भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी हैं। वह रुचि घनश्याम की जगह लेंगी। वर्तमान में वह वेल्जियम, लक्समबर्ग और यूरोपीय यूनियन में भारतीय राजदूत के रूप में कार्यरत हैं।

गोपाल उप्रेती

2.16 मीटर की धनिया उगाकर बनाया गिनीज रिकॉर्ड

उत्तराखंड के गोपाल उप्रेती ने 2.16 मीटर लंबा धनिया का जैविक पौधा उगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। रानीखेत के उप्रेती ने 1.8 मीटर लंबे धनिये के पौधे का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उप्रेती के खेत के सभी धनिया के पौधे साढ़े 5 फुट से ऊंचे हैं। तने की मोटाई आधे इंच से एक इंच तक है।

रवीश कुमार

फिनलैंड में भारत के नये राजदूत होंगे

अनुभव राजनयिक और विदेश मंत्रालय के पूर्व प्रवक्ता रवीश कुमार को फिनलैंड में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया। फिलहाल वे विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार वे वाणी राव की जगह लेंगे। वे जल्द ही अपना पदभार ग्रहण करेंगे। यूरोपीय देश फिनलैंड और भारत के मजबूत द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध हैं।

राजीव टोपनो

प्रधानमंत्री के निजी सचिव विश्व बैंक में सलाहकार नियुक्त

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निजी सचिव राजीव टोपनो विश्व बैंक के एजीक्यूटिव डायरेक्टर के सीनियर एडवाइजर नियुक्त किये गये हैं। कार्मिक मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। 1996 बैच के गुजरात के डर के आईएस अधिकारी टोपनो का विश्व बैंक में तीन साल का कार्यकाल रहेगा।

वैज्ञानिकों ने

सबसे स्वच्छ हवा वाले स्थान का पता लगाया

वैज्ञानिकों ने धरती पर मौजूद सबसे स्वच्छ हवा वाले स्थान का पता लगा लिया है। ऐसी हवा धरती के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित अंटार्कटिक महासागर के ऊपर बहती है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह हवा संसार में सबसे स्वच्छ है। यह मानव गतिविधियों के कारण पैदा होने वाले प्रदूषण कणों से रहित है।

स्थान का पता लगा लिया है। ऐसी हवा धरती के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित अंटार्कटिक महासागर के ऊपर बहती है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह हवा संसार में सबसे स्वच्छ है। यह मानव गतिविधियों के कारण पैदा होने वाले प्रदूषण कणों से रहित है।

एम नेत्रा

सैलून चलाने वाले पिता की बेटी बनी गुडविल एम्बेसडर

तमिलनाडु के मदुरै में सैलून चलाने वाले की बेटी एम नेत्रा यूएनएडीएपी की 'गुडविल एम्बेसडर टू द पुअर' बन गई हैं। नेत्रा को यूएन के मंच से संबोधित करने का मौका मिला। नेत्रा ने पिता से कहकर बचत के 5 लाख रुपये लॉकडाउन के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिये खर्च कर दिये थे।

स्काई ट्रेन का

चीन ने किया परीक्षण

चीन ने 'स्काई ट्रेन' का सफल परीक्षण किया है। ट्रेन की स्पीड 70 किलोमीटर प्रति घंटा है। चीनी इंजीनियरों का कहना है कि यह ट्रेन नियमित मेट्रो ट्रेनों की तुलना में लगभग तीन गुना बेहतर होगी। इस ट्रेन को हल्के, मध्यम गति और कम लागत वाली परिवहन प्रणाली के रूप में डिजाइन किया गया है।

दिल्ली में

देश की सबसे बड़ी हवाई अड्डा नर्सरी शुरू

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देश की सबसे बड़ी हवाई अड्डा नर्सरी की शुरुआत की गई। इसमें 1.16 लाख इंडोर पौधे हैं। यह 4 लाख वर्ग फुट में फैली उत्तर भारत की सबसे बड़ी हाईटेक नर्सरी है। इसमें तापमान नियंत्रण के लिये डिजिटल व्यवस्था और सिंचाई के लिये ऑटोमेटिक व्यवस्था है।

डॉ. रतन लाल

प्रतिष्ठित विश्व खाद्य पुरस्कार से किये गये सम्मानित

भारतीय मूल के अमेरिकी मृदा वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल को प्रतिष्ठित विश्व खाद्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार को कृषि क्षेत्र का नोबल पुरस्कार भी कहा जाता है। डॉ. लाल को मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिये छोटे किसानों की मदद कर वैश्विक खाद्य आपूर्ति को बढ़ाने में योगदान देने के लिये इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार पर प्रतिक्रिया देते हुये डॉ. लाल ने कहा कि मृदा विज्ञान को इससे पहचान मिलेगी।

एटलस

देश की पहली रेंसिंग साइकिल बनाने वाली कंपनी में काम बंद

देश की 69 साल पुरानी मशहूर साइकिल कंपनी एटलस ने अपना काम बंद करने की घोषणा की है। देश की पहली रेंसिंग साइकिल बनाने वाली कंपनी ने एक समय सालाना 40 लाख साइकिल बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। माना जा रहा है कि कंपनी पिछले कई सालों से आर्थिक

संकट से गुजर रही थी। यह कंपनी 1951 में शुरू की गई थी, उस समय 12 हजार साइकिलों का निर्माण किया गया था। इसने इटली का गोल्ड मर्करी अवॉर्ड भी जीता था।

आल्टा में लैंड स्लाइड

दो मिनट में 650 मीटर जमीन समुद्र में समाई

नॉर्वे के आल्टा में लैंड स्लाइड हुआ। इस भूस्खलन में तट पर बने कई घर दो मिनट में सीधे समुद्र में समा गये। सोशल मीडिया पर जारी हुये वीडियो में पानी में बहते घरों का दृश्य नजर आ रहा है। आल्टा में रहने वाले जेन इग्ली बेकेवी नामक व्यक्ति ने इस वीडियो को शेयर किया है। वीडियो में जमीन का बड़ा हिस्सा समुद्र में जाता नजर आ रहा है। इस क्षेत्र में छुट्टियां बिताने के लिये ज्यादातर परिवार आ कर ठहरते थे।

राहुल दुवे

हिंसा के बीच कई लोगों को दी पनाह

अमेरिका में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद देशभर में हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इन प्रदर्शनों के बीच भारतीय मूल के राहुल दुवे सोशल मीडिया पर हीरो बन गये हैं। उन्होंने सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों को अपने घर में शरण दी और भोजन-पानी का इंतजाम भी किया। उन्होंने 60 लोगों को अपने घर में पनाह दे कर सुरक्षित रखा।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

एंटी माइक्रोबियल मल्टीलेयर मास्क बनाया

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की टीम ने 'एंटी माइक्रोबियल मल्टीलेयर फेस मास्क' तैयार किया है, जो अन्य मास्क की तुलना में ज्यादा कारगर है। इस मास्क की सतह पर वायरस न तो चिपक सकता है और न ही जिंदा रह सकता है। इसे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित स्कूल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर मार्शल और उनकी टीम ने तैयार किया है।

कृष्ण कन्हाई

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के गोल्डन एडिशन में शामिल

अपनी तैलीय एवं स्वर्ण चित्रकारी से वृज एवं वृन्दावन का नाम रोशन करने वाले पद्मश्री कृष्ण कन्हाई का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड के गोल्डन एडिशन 2020 में शामिल किया गया है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की जूरी कमेटी ने बताया कि कृष्ण कन्हाई भारत के एकमात्र ऐसे चित्रकार हैं, जिनके 41 चित्र उत्तरप्रदेश के विधानसभा में लगे हैं। कृष्ण कन्हाई को 2004 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पैट्रिक पिचेंट

गूगल के पूर्व सीएफओ बने ट्विटर के बोर्ड चेयरमैन

ट्विटर ने गूगल के पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) पैट्रिक पिचेंट को बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। ट्विटर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में वर्ष 2017 में शामिल हुये बोर्ड के नवनिर्वाचित चेयरमैन पैट्रिक ने वर्ष 2008 से

2015 तक गूगल में सीएफओ के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं।

बांग्लादेश पुलिस

योग से बढ़ा रही इम्युनिटी

बांग्लादेश के 6000 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हो गये हैं। इस लिये पूरा विभाग इन दिनों लगातार योग कर अपनी इम्युनिटी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 16.50 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश में अब तक 19 पुलिसकर्मियों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत हो गई है। इसलिए इम्युनिटी बढ़ाने के लिये पुलिस विभाग ने प्रत्येक कर्मचारी को योग करने के सख्त निर्देश दिये हैं, ताकि वे स्वस्थ रह कर अपना दायित्व निभा सकें।

पहिएनुमा बर्तन गुजरात की एक संस्था ने पहिएनुमा ड्रम जैसा बर्तन बनाया है। इसमें पानी भरा जा सकेगा। फिर उसे लुढ़काकर खोँचा भी जा सकेगा। संस्था के ट्रस्टी ने बताया कि आम तौर पर इस प्रकार के बर्तन का इस्तेमाल अफ्रीकी देशों में किया जाता है। वहाँ ये बर्तन लोकप्रिय भी हैं। चूंकि भारत के कई इलाकों में 2-2 किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ता है, इसलिये इसे विकसित किया गया है। धाना गांव में ये बर्तन मुफ्त में बाँटे गये हैं।

पहिएनुमा बर्तन

पानी ढोने में मददगार

गुजरात की एक संस्था ने पहिएनुमा ड्रम जैसा बर्तन बनाया है। इसमें पानी भरा जा सकेगा। फिर उसे लुढ़काकर खोँचा भी जा सकेगा। संस्था के ट्रस्टी ने बताया कि आम तौर पर इस प्रकार के बर्तन का इस्तेमाल अफ्रीकी देशों में किया जाता है। वहाँ ये बर्तन लोकप्रिय भी हैं। चूंकि भारत के कई इलाकों में 2-2 किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ता है, इसलिये इसे विकसित किया गया है। धाना गांव में ये बर्तन मुफ्त में बाँटे गये हैं।

स्मृति शेष

बॉलीवुड के मशहूर गीतकार अनवर का निधन

बॉलीवुड के मशहूर गीतकार अनवर सागर का एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने 80 और 90 के दशक में चाराना, सलामी, आ गले लग जा, विजयपथ सरीखी फिल्मों के लिये गीत लिखे। अनवर का खिलाड़ी फिल्म के लिये लिखा गीत 'वादा रहा सनम' काफी लोकप्रिय रहा।

कन्नड़ फिल्म अभिनेता चिरंजीवी सरजा का निधन

कन्नड़ फिल्म अभिनेता चिरंजीवी सरजा का 39 वर्ष की उम्र में बेंगलुरु में हृदयाघात से निधन हो गया। उन्होंने 22 फिल्मों में अभिनय किया था। वे पिछले 11 वर्ष से फिल्म जगत से जुड़े थे। उन्होंने वायुपुत्र, सिंगा और शिवार्जुन जैसी फिल्मों में अभिनय किया है।

बॉलीवुड के प्रोड्यूसर अनिल सूरि की कोविड-19 से मौत

बॉलीवुड के प्रोड्यूसर अनिल सूरि का कोविड-19 बीमारी की चपेट में आ जाने से 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने राज कुमार, रेखा अभिनीत 'कर्मयोगी' और 'राजतिलक' जैसी फिल्में बनाई थीं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

आत्मविश्वास की कुंजी से सफलता के ताले खुल जाते हैं - महात्मा गांधी

मानसून में बार-बार घटने वाली एक आपदा है बाढ़

बाढ़ सभी प्रकार की आपदाओं में से सबसे अधिक व्यापक और बार-बार आने वाली आपदा है। इसके परिणाम मृत्यु, विनाश, बीमारी और विस्थापन हैं। बाढ़ को हम एक बड़ी घटना के रूप में रख सकते हैं। जिसके कारण पानी की बहुत अधिक मात्रा, अनियंत्रित अवस्था में एक बड़े क्षेत्र में फैल जाती है। बाढ़ पानी की मात्रा की आवक एवं जावक प्रवाह के बीच उत्पन्न असंतुलन का परिणाम है। बाढ़, अधिकांश मामलों में नदी, नालों और अन्य जल स्रोतों के आसपास के क्षेत्र की घटना है। फिर भी ऐसे क्षेत्र, जहां नदी और नाले नहीं भी हों, तो भी अपर्याप्त जल निकास व्यवस्था के कारण बाढ़ से प्रभावित होते हैं। बाढ़ के आधारभूत कारणों में पानी पहला कारक और भूमि की स्थिति दूसरा कारक है।

बाढ़ चाहे आकस्मिक घटना के प्रकार की हो अथवा धीरे-धीरे बढ़ने वाले प्रकार की, इसके समाप्त होने में समय अधिक लगता है और यह अपने पीछे दीर्घकालीन दुष्प्रभाव छोड़ जाती है। समुदाय के आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित लोगों को सबसे अधिक नुकसान होता है तथा बाढ़ के प्राकृतिक संकट लंबे समय तक कायम रहने वाली, सामाजिक और आर्थिक आपदा में बदल जाते हैं। बाढ़ से भारी क्षति और चोटें लग सकती हैं तथा खाद्य पदार्थों की कमी और पेयजल की समस्या उत्पन्न हो सकती है। कृषि को नुकसान पहुंचता है और वनस्पति समाप्त होने से मृदा अपरदन तीव्र हो जाता है। आवासीय बस्तियां मनुष्य, पशु एवं पक्षी बह जाते हैं। बाढ़ के जल के फैलने से विभिन्न प्रकार की बीमारियां दूषित जल से दलदली क्षेत्रों में उत्पन्न होती हैं। इसके अलावा बाढ़, जलमार्गों,

मैदानों और तटीय क्षेत्रों में भू-आकृतियों में भी परिवर्तन करती है।

बाढ़ के प्रकार

बाढ़ तीन प्रकार की होती है, आकस्मिक बाढ़, नदी की बाढ़ और तटीय बाढ़। आकस्मिक बाढ़ सामान्यतः पहाड़ी क्षेत्रों में घटित होती है, जहां बादल के फटने या अचानक भारी वर्षा का पानी अस्थायी रुकावट के कारण रुक जाता है। जब रुका हुआ पानी अचानक निकलता है तो आकस्मिक बाढ़ आती है और तबही मचाती है। नदी की बाढ़, भारी वर्षा, बर्फ के पिघलने और कम तीव्रता के तूफानों से, जल का भारी मात्रा में नदी में प्रवेश कर जाने से आती है। नदी के किनारों से उसकी क्षमता से अधिक जल भर जाना, नदी तट का कटाव और नदी के तल में गाद भर जाना, मुख्य नदी और उसकी सहयोगी नदियों में साथ-साथ बाढ़ आना, ज्वार-भाटा और पश्चिम जल प्रवाह के प्रभाव भी नदी में बाढ़ लाते हैं। तटीय बाढ़ सुनामी और चक्रवात से उत्पन्न भारी वर्षा और चक्रवात के साथ जुड़ी हुई तूफानी लहरों के कारण आती हैं। उच्च ज्वार-भाटा के समय तटीय नदियों में समुद्री जल पीछे की ओर बहता है, जिसके कारण तटीय बाढ़ आती है। तूफानी लहरों से उत्पन्न बाढ़ का पानी खारा होता है, इसलिये अधिक नुकसानदायक होता है।

पूर्व तैयारी है बहुत जरूरी

आपदा प्रबंधन के लिये बाढ़ की तैयारी करना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। आपदा प्रबंधन विभाग बाढ़ आने पर प्रभावित समुदाय को इसका सामना करने के लिये तैयार करता है तथा उन्हें सहायता देने और उन्हें अपनी सहायता स्वयं कर पाने के लिये एक सक्षम उपयुक्त तंत्र

उपलब्ध कराता है। तैयारी का उद्देश्य सावधानी बरतने के कार्यों द्वारा जोखिम के प्रतिकूल प्रभावों को कम करना और इसके प्रभाव को उपयुक्त और कुशल संगठन द्वारा आपातकालीन सहायता प्रदान करना है। आपदा की तैयारी में उन सभी पहलुओं पर कार्य करना चाहिये जिससे कि बाढ़ की स्थिति में आई समस्याओं का समुचित निदान हो सके। बाढ़ समेत सभी आपदाओं की तैयारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। शासन आपदा की तैयारी के लिये खतरे का आकलन कर और उसकी तीव्रता के आकलन के आधार पर आपदा प्रबंधन की तैयारी की योजना बनाता है। बाढ़ आपदा प्रबंधन की प्रमुख गतिविधियों में बाढ़ का पूर्वानुमान, चेतावनी, खतरे के स्थान को खाली कराना, खोज एवं बचाव, राहत शिविर प्रबंधन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आपदा के बाद की स्थिति का आकलन, बचे हुए जीवित लोगों को जरूरी चीजें उपलब्ध कराकर उन्हें पुनः सामान्य अवस्था में लाना, सुरक्षा, आपातकालीन सेवाएँ, पुनःनिर्माण, पुनर्वास और पुनः लोगों को बसाना आदि शामिल हैं। समुदाय को बाढ़ से निपटने के लिए तैयार करना आपदा प्रबंधन के प्रमुख कार्यों में से एक है। इसके लिये संवेदनशील समुदाय को शिक्षा, प्रशिक्षण और नकली अभ्यास कराकर उन्हें आपात स्थिति का सामना करने के लिये तैयार किया जा सकता है।

बाढ़ के जोखिम कम करने के लिये कई संरचनात्मक एवं गैर संरचनात्मक कार्य भी किये जाते हैं। जैसे संरचनात्मक कार्यों में बाढ़ का पानी जमा करने के लिये बांधों, जलाशयों का निर्माण, तटबंध बनाने जैसे कार्य शामिल होते हैं, जबकि गैर

संरचनात्मक कार्यों में बाढ़ के स्थान, क्षेत्र की हदें, बाढ़ की तीव्रता और बारंबारता की सूचनाओं का आदान-प्रदान और क्षति को कम करने के लिये बाढ़ के मैदान का क्षेत्रीकरण और नियमन क्रियाविधि अपनाने जैसे कार्य शामिल हैं।

भारत अपनी भौगोलिक और जलवायु संबंधी स्थितियों की विभिन्नता के कारण विशेषकर भीषण बाढ़ के प्रति सदा से अतिसंवेदनशील है। भारत के लगभग सभी प्रदेश और केन्द्र शासित प्रदेश कमोबेश बाढ़ आपदा से किसी न किसी तरह ग्रस्त हैं। इनमें से अत्यधिक प्रभावित राज्यों में असम, बिहार, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल, जम्मू एवं कश्मीर इत्यादि राज्य हैं। भारत में बाढ़ की घटनाएँ अधिकांशतः नदियों के तंत्र से संबंधित हैं।

बाढ़ के उपयोगी पहलू

बाढ़ को स्वतः अपने आप में आपदा के रूप में नहीं देखना चाहिये। बाढ़ तब तक आपदा नहीं है जब तक वह मानव जीवन और संपत्ति के लिये संकट न उत्पन्न करे। बाढ़ के कई उपयोगी पहलू हैं, जो हमारे जीवन के लिये महत्वपूर्ण हैं। बाढ़ से जल की आवश्यकता की पूर्ति होती है और भूमि में उर्वरकता आती है। इसके अलावा बाढ़ अपने साथ सभी तरह की गंदगी को बहा ले जाती है, जिससे हमें एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण की प्राप्ति होती है।

बाढ़ नियंत्रण की सभी प्रक्रियाओं में जिसमें नीति निर्धारण, उसका क्रियान्वयन और मूल्यांकन शामिल है, लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिये। बाढ़ की आपदा में बाढ़ के कारण और परिणाम में व्यापक विभिन्नता हो सकती है। अतः

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण का अलग ही महत्व होता है। जिसके लिये पर्याप्त संस्थागत व्यवस्था होनी चाहिये। अच्छी बात यह है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के लागू होने के बाद सभी तरह की आपदाओं के लिये सभी स्तरों पर एक आपदा प्रबंधन संरचना उपलब्ध है, जिससे आपदाओं से होने वाला खतरा तथा उसके दुष्प्रभाव लगातार कम होते जा रहे हैं। हमें बाढ़ के प्रति सदैव सचेत रहना होगा तथा बाढ़ की स्थिति में निम्न बिंदुओं पर ध्यान देकर इससे होने वाले जोखिमों से बचा जा सकता है।

- बाढ़ की पूर्व सूचना एवं सलाह के लिये रेडियो, दूरदर्शन एवं अन्य साधनों से जानकारी प्राप्त करें।
- बाढ़ का पानी घर में आने की संभावना की स्थिति में सभी बिजली के उपकरणों के प्लग निकाल दें और उन्हें सुरक्षित जगहों पर ले जायें।
- मूल्यवान घरेलू सामान सुरक्षित स्थान पर ले जायें।
- वाहनों, पशुओं को ऊँचे स्थान पर ले जायें, यदि वे बंधे हुए हैं, तो उन्हें खोल दें।
- सभी कीटाणुनाशक और कीटनाशक पदार्थों को सुरक्षित स्थान पर ले जायें।
- घर छोड़ने से पहले अपने घर के दरवाजों और खिड़कियों को बंद करके जायें।
- बाढ़ के पानी में यूं ही न घूमें।
- अफवाहों न फैलायें और ऐसा करने वालों पर सख्ती से नियंत्रण करें।

- अनिल कुमार शर्मा

(लेखक, मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण मण्डल के पूर्व मुख्य अभियंता हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण

सामान्य ज्ञान - खेल

1. इनमें से किस भारतीय महिला खिलाड़ी ने लंदन ओलंपिक 2012 में पदक जीता है?
(अ) पी.वी. सिंधु
(ब) साक्षी मलिक
(स) कर्णम मल्लेश्वरी
(द) साइना नेहवाल
2. अमेरिकी एथलीट मिकाइला शिफरिन किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) टेनिस
(ब) स्कीइंग
(स) आइस हॉकी
(द) गोल्फ
3. आईसीसी की मेच रेफरी पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला हैं?
(अ) जी.एस. लक्ष्मी
(ब) सुई रेडफर्न
(स) क्लेयर पोलोसाक
(द) शांड्रे फ्रिट्स
4. एशियाई खेलों में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं?
(अ) हिमा दास
(ब) कमलवीत संधु
(स) पी.टी. ऊपा
(द) दुती चंद
5. कुंजरानी देवी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) भारोत्तोलन
(ब) तीरंदाजी
(स) हॉकी
(द) चक्का फेंक
6. वर्ष 2019 में दक्षिण एशियाई खेल किस शहर में आयोजित किए गए थे?

- (अ) गुवाहाटी (भारत)
(ब) कराची (पाकिस्तान)
(स) काठमांडू (नेपाल)
(द) ढाका (बांग्लादेश)
7. रोहित शर्मा ने अपने पहले टेस्ट मैच से पहले कितने वन-डे मैच खेले थे?
(अ) 98
(ब) 81
(स) 102
(द) 108
8. आईसीसी वन-डे वर्ल्ड कप-1999 में मेन ऑफ द सीरीज रहे थे?
(अ) सौरव गांगुली
(ब) लांस क्लूजरन
(स) मार्क वॉ
(द) वसीम अकरम
9. वर्ष 2019 में कुल कितनी फॉर्मूला-वन रेस आयोजित की गई थीं?
(अ) 20
(ब) 22
(स) 21
(द) 18
10. सचिन तेंदुलकर ने वन-डे कैरियर का आगाज किस देश के खिलाफ किया था?
(अ) वेस्टइंडीज
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) न्यूजीलैंड
(द) पाकिस्तान
11. इनमें से कौन फ्रांस की फुटबॉल टीम में नहीं खेला है?
(अ) हैरी केन
(ब) किलियन एम्बाये
(स) एंटोनिंग प्रिजमेन

- (द) पॉल पोग्बा
12. जर्मनी ने कितनी बार फीफा वर्ल्डकप की ट्रॉफी अपने नाम की है?
(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) एक बार भी नहीं
13. भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच रिक चार्ल्स वर्थ किस देश के लिए खेल चुके हैं?
(अ) ब्रिटेन
(ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) बेल्जियम
(द) अर्जेंटीना
14. सबसे ज्यादा बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम है?
(अ) दिल्ली
(ब) बंगाल
(स) मुंबई
(द) कर्नाटक
15. वर्ष 1987 में वन-डे वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान थे?
(अ) एलन बॉर्डर
(ब) स्टीव वॉ
(स) डेविड ब्रून
(द) डीन जोंस
16. मर्डेका टूर्नामेंट किस खेल की लोकप्रिय प्रतियोगिता है?
(अ) हॉकी
(ब) बैडमिंटन
(स) टेनिस
(द) फुटबॉल
17. इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक का संबंध किस

- देश से है?
(अ) जर्मनी
(ब) रूस
(स) ब्राजील
(द) कनाडा
18. वर्ष 2017 में एशियन टीम स्नूकर चैम्पियनशिप किस देश ने जीती है?
(अ) किर्गिस्तान
(ब) भारत
(स) क्रोएशिया
(द) रूस
19. अभिनव बिंद्रा ने ओलंपिक में निशानेबाजी की किस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) 10 मीटर एयर पिस्टल
(ब) 50 मीटर एयर राइफल
(स) 10 मीटर एयर राइफल
(द) डबल ट्रैप
20. जीतू राय ओलंपिक में किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं?
(अ) निशानेबाजी
(ब) हॉकी
(स) तैराकी
(द) इनमें से कोई नहीं
21. कॉलिन मुनरो क्रिकेट में किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) इंग्लैंड
(ब) न्यूजीलैंड
(स) आयरलैंड
(द) ऑस्ट्रेलिया
22. वर्ष 1972 के म्युनिख ओलंपिक में इनमें से किस खिलाड़ी ने सात स्वर्ण पदक जीते थे?
(अ) मार्क स्पिट्स

- (ब) पीटर फ्रैंकल
(स) वालेरिए बारेजोव
(द) इनमें से कोई नहीं
23. वर्ष 2010 में फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीतने वाली स्पेनिश टीम के कप्तान थे?
(अ) आंद्रे इविस्ता
(ब) इकर कैमिलास
(स) सर्जिया रामोस
(द) जायी अलोंसो
24. प्रो क्वड्रडी लीग का पहला सीजन किस टीम ने जीता है?
(अ) बंगाल वॉरियर्स
(ब) जयपुर पिंग पेंथर्स
(स) तेलुगु टाइटंस
(द) यु मुंबा
25. अमेरिका के लोकप्रिय खिलाड़ी फ्लॉयड मेवेदर किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) गोल्फ
(ब) कुश्ती
(स) टेनिस
(द) मुक्केबाजी)

उत्तरमाला

- (1) द (2) ब (3) अ (4) ब
(5) अ (6) स (7) द (8) ब
(9) स (10) द (11) अ (12) स
(13) ब (14) स (15) अ (16) द
(17) अ (18) ब (19) स (20) अ
(21) ब (22) अ (23) स (24) ब
(25) द

- पुष्पेन्द्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

- इनमें से कौन-सी ध्वनि संयुक्त व्यंजन है?
A) क्य B) च्व
C) ट D) औ।
- निम्नलिखित में से किस भाषा को संविधान की अष्टम सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है?
A) डोगरी B) मणिपुरी
C) मैथली D) छत्तीसगढ़ी।
- पुष्पदेत की प्रबंध रचना है?
A) रिटुणेमि चरित
B) गय कुमार चरित
C) पउम चरित
D) भविस्यत्त कहा।
- मुसलमान अनुयायी कबीरदास को किन का शिष्य मानते हैं?
A) शेख तकी
B) रज्जब
C) मुइनुद्दीन चिश्ती
D) नूर मुहम्मद।
- फोर्ट विलियम कॉलेज के किस शिक्षक के माध्यम से हिन्दी भाषा की पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन प्रारंभ हुआ?
A) लार्ड मैकाले
B) जार्ज ग्रियर्सन
C) फादर कामिल बुल्के
D) गिल क्राइस्ट
- 'संशमात्मा' किस कवि की रचना है?
A) अशोक वाजपेयी
B) कुँवर नारायण
C) ज्ञानेन्द्रपति
D) उदय प्रकाश।
- एकांकी में अन्विति अध्यासकेलनत्रय के अंतर्गत काल, स्थान के साथ किसके निर्वाह की गणना की जाती है?
A) पात्र B) कार्य
C) प्रकरी D) पताका।
- इनमें से कौन अनुभाव का एक प्रकार है?
A) निर्देश
B) व्रीडा
C) उन्माद
D) आहार्य।
- शब्द में जहाँ मूल अर्थ नहीं बल्कि उसका व्यंग्यार्थ अभिप्रेत होता है वहाँ कौन-सी शब्द शक्ति होती है?
A) अभिधा B) लक्षणा
C) व्यंजना D) ये सभी।
- जयशंकर प्रसाद कृत 'उर्वशी' किस विधा की रचना है?
A) गीति काव्य
B) प्रगीत
C) नाटक
D) वम्पू काव्य।
- 'काव्य दोष' की परिभाषा इनमें से सबसे पहले किसने दी?
A) दण्डी
B) भामह
C) वामन
D) आनन्दवर्द्धन।
- 'पाय महावर दैन को नाइन वैठी आय।
फिरि फिरि जानि महावरी एड़ी मोड़ति जाय।'
इस काव्य पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?
A) संदेह
B) भ्रांतिमान
C) विशेषोक्ति
D) समासोक्ति।
- 'यथार्थवाद और छायावाद' निबंध के रचयिता हैं?
A) जय शंकर प्रसाद
B) शांतिप्रिय द्विवेदी
C) नन्द दुलारे वाजपेयी
D) मुकुट धर पाण्डेय।
- 'मिला तेज से तेज' किस विधा की रचना है?
A) जीवनी
B) आत्मकथा
C) निबंध
D) संस्मरण।
- 'छायावाद का पतन' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
A) शांतिप्रिय द्विवेदी
B) रामविलास शर्मा
C) नन्ददुलारे वाजपेयी
D) देवराज।
- 'एक पत्नी के नोट्स' किसकी रचना है?
A) ममता कालिया
B) चित्रा मुद्गल
C) मेहरुप्रसाद परवेज
D) मंजुल भगत।
- निर्मल वर्मा का पहला कहानी संग्रह है?
A) जलती झाड़ी
B) बीच बहस में
C) परिन्द
D) कव्ये और कालापानी।
- रस निष्पत्ति के संदर्भ में 'मुक्तिवाद' किस आचार्य का मत है?
A) अभिनव गुप्त
B) शंकुक
C) भट्टनायक
D) भट्ट लोल्लर।
- 'स्वर भंग' किस प्रकार का अनुभाव है?
A) कायिक B) वाचिक
C) आहार्य D) सात्विक।
- जयशंकर प्रसाद के किस नाटक का एक पात्र 'शर्वनाग' है?
A) राज्य श्री
B) स्कन्द गुप्त
C) जनमेजय का नाग यज्ञ
D) विशाख।
- निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक स्त्री समस्या से संबंधित नहीं है?
A) अंधा कुआँ
B) बिंदियों की एक झालर
C) सांच कहुँ तो
D) नेपथ्य गान।
- 'अन्त हाजिर हो' किस महिला नाटककार की रचना है?
A) शांति मेहरोत्रा
B) मृणाल पाण्डे
C) त्रिपुरारि शर्मा
D) मीरा कांत।
- 'हम दीवानों की क्या हस्ती है आज यहाँ कल वहाँ चले।' ये काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
A) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
B) माखनलाल चतुर्वेदी
C) भगवती चरण वर्मा
D) सुभद्रा कुमारी चौहान।
- 'वात बोलेंगी। हम नहीं। भेद खोलेंगी। वात ही' काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं?
A) शमशेर बहादुर सिंह
B) नागार्जुन
C) शिव मंगल सिंह सुमन
D) त्रिलोचन शास्त्री।
- 'जन्म अवधि हम रूप निहारल नयन न तिरपति भेल'
इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं?
A) विद्यापति
B) हित हरिवंश
C) रसखान
D) मीरा बाई।
- 'रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नहीं तो और क्या है'
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं?
A) भवानी प्रसाद मिश्र
B) नरेन्द्र शर्मा
C) रामधारी सिंह दिनकर
D) केदारनाथ अग्रवाल।
- 'लोक वृत्तानुकरण' नाट्यमेतन्मया कृतम्' यह कथन किस आचार्य का है?
A) भरत
B) अभिनव गुप्त
C) धर्मजय
D) रामचन्द्र गुणचन्द्र।
- 'काव्य तु जायते जानु कस्मचित् प्रति भावतः' यह उक्ति किस आचार्य की है?
A) भामह B) दण्डी
C) उद्भट D) मम्मट।
- 'औचित्य रस सिद्धस्य स्थिर काव्यस्य जीवितम्' यह उक्ति किस आचार्य की है?
A) आनन्दवर्द्धन
B) मम्मट
C) क्षेमेन्द्र
D) विश्वनाथ।
- 'कविता सर्वोत्तम शब्दों का सर्वोत्तम क्रम विधान है' यह किस पाश्चात्य आलोचक का मत है?
A) एडीसन
B) बड्स वर्थ
C) कॉलरिज
D) मैथ्यू आर्नल्ड।
- 'कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है' यह कथन किसका है?
A) जयशंकर प्रसाद
B) सुमित्रानंदन पंत
C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
D) महादेवी वर्मा।
- निम्नलिखित में से कौन-सा श्रृंखला मूलक अलंकार नहीं है?
A) कारण माला
B) माला दीपक
C) एकावली
D) काव्यलिंग।
- इनमें से कौन-सी बोली ओकार बहुला नहीं है?
A) खड़ी बोली B) ब्रज
C) बुन्देली D) कन्नौजी।
- 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है?
A) केशवदास
B) भिखारीदास
C) पद्मावत
D) सेनापति।
- 'गीत गुंज' किस कवि की रचना है?
A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
B) सुमित्रानंदन पंत
C) रामकुमार वर्मा
D) महादेवी वर्मा।
- 'छाया' नामक एकांकी के लेखक हैं?
A) उपेन्द्रनाथ अश्व
B) रामकुमार वर्मा
C) उदयशंकर भट्ट
D) सुदर्शन।
- राजेन्द्र यादव की कहानी है?
A) बदबू
B) जहाँ लक्ष्मी कैद है
C) गदर
D) जानवर और जानवर।
- इनमें से किस हिन्दी आलोचक ने 'साधारणीकरण' की व्याख्या की है?
A) नागेन्द्र
B) नन्ददुलारे वाजपेयी
C) हजारीप्रसाद द्विवेदी
D) नामदर सिंह।
- 'श्लेष' अलंकार कितने प्रकार का होता है?
A) 2 B) 3
C) 4 D) 5
- फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है?
A) परती परिकथा, दीर्घ तपा, पलटूबाबू रोड, मैला आंचल
B) मैला आंचल, पलटूबाबू रोड, परती परिकथा, दीर्घ तपा
C) मैला आंचल, परती परिकथा, दीर्घ तपा, पलटूबाबू रोड
D) दीर्घ तपा, मैला आंचल, पलटूबाबू रोड, परती परिकथा।
- अवधी का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?
A) महाराष्ट्री
B) शौरसेनी
C) अर्धमागधी
D) मागधी।
- विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्णकालीन अवस्था का नाम है?
A) पालि B) संस्कृत
C) हिन्दी D) अव हट्ट।
- गोकुलनाथ की रचना है?
A) पउम चरित
B) ललित विस्तार
C) छन्दानु शासन
D) चौरासी वैष्णवनु की वार्ता।
- काव्यालंकार किसकी रचना है?
A) भामह B) राजशेखर
C) दण्डी D) रुद्र भट्ट।
- इनमें से कौन-सा इलाचन्द्र जोशी का उपन्यास है?
A) सुनीता
B) मुक्ति पथ
C) सुखदा
D) तेरी मेरी उसकी यात।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक है?
A) गोरक्ष विजय
B) कालिका मंगल
C) सरस्वती मंगल
D) विद्या सुन्दर।
- इनमें से कौन-सा काव्य रामकथा पर आधारित है?
A) भूमिजा
B) कामायनी
C) नीरजा
D) यशोधरा।
- नाटक को पंचम वेद किसने कहा है?
A) धनन्जय
B) भट्ट नायक
C) भरतमुनि
D) भानु दत्त।
- प्रेमचन्द के 'सेवा सदन' उपन्यास का उर्दू शीर्षक है?
A) बाजार ए हुस्न
B) गोशा ए आफिमत
C) चौगाने हस्ती
D) हम खुर्मा व हम सबाब।
- नाक, भौट, पेट, दांत, मूँड आदि विषयों के निबंधकार हैं?
A) भारतेन्दु
B) प्रताप नारायण मिश्र
C) बालमुकुन्द गुप्त
D) बालकृष्ण भट्ट।

उत्तरमाला

1. A, 2. D, 3. B, 4. A, 5. D, 6. C, 7. B, 8. D, 9. C, 10. D, 11. C, 12. B, 13. A, 14. A, 15. D, 16. A, 17. C, 18. C, 19. D, 20. B, 21. B, 22. D, 23. C, 24. A, 25. A, 26. C, 27. A, 28. A, 29. C, 30. C, 31. B, 32. D, 33. A, 34. A, 35. A, 36. D, 37. B, 38. A, 39. A, 40. C, 41. C, 42. A, 43. D, 44. A, 45. B, 46. D, 47. A, 48. C, 49. A, 50. B.

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

शहीद कोविड योद्धाओं के परिजनों को हरसंभव मदद दिलाई जायेगी

इंदौर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कलेक्ट्रेट इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में कोरोना जंग में शहीद हुए शासकीय कर्मचारियों के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार शहीद कोविड योद्धाओं के परिवारजनों के साथ है। उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से हर संभव मदद दिलाई जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के माध्यम से ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमण से मृत होने वाले शासकीय कर्मचारियों के परिजनों को 50 लाख रुपये की सम्मान निधि देने का निर्णय लिया है। उन्होंने उपस्थित परिजनों से कहा कि उन्हें कोई भी परेशानी हो तो वे जिला प्रशासन के अधिकारियों के ध्यान में लायें, ताकि उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। श्री चौहान ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार

सुनिश्चित करेगी कि कोविड योद्धाओं के परिजनों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने इस दौरान कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। श्री चौहान ने गृह विभाग के स्व. श्री देवेन्द्र कुमार की पुत्री कु. कनिष्का तथा अन्य परिजन श्री सुनील वर्मा से भेंट की। स्व. श्री देवेन्द्र कुमार की मृत्यु धाना जूनी इंदौर में ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमण के कारण हो गई थी। इसके अलावा नगर निगम के झोन क्रमांक 2 के वार्ड क्रमांक 6 में सफाई संरक्षक के रूप में कार्य करते हुए स्व. श्रीमती शकुन बाई की मृत्यु कोरोना संक्रमण के कारण हो गई थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्रीमती शकुन बाई के पुत्र विजय चावरे व पुत्री कुसुम से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने कोरोना योद्धा स्व. विजय चन्देले की पत्नी श्रीमती सीमा चन्देले व

उनकी बहन श्रीमती हेमलता से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। उल्लेखनीय है कि गत दिनों एम.टी.एच. हॉस्पिटल में स्वच्छ का कार्य करते हुए कोरोना संक्रमण के कारण स्व. श्री चंदेले का निधन हो गया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नगर निगम इंदौर के कोरोना योद्धा स्व. श्री अब्दुल हकीम की माँ श्रीमती इसलाम बी व उनके पुत्र अरकान मंसूरी से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। उल्लेखनीय है कि स्व. श्री अब्दुल हकीम का निधन नगर निगम के झोन क्रमांक 15 में बैलदार का कार्य करते हुए कोरोना से संक्रमित हो जाने के कारण हो गया था। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में नर्मदा घाटी विकास विभाग के स्व. श्री कैलाश चन्द्र खरे के पारिवारिक मित्र श्री संजय सुद से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की। स्व. श्री खरे का निधन हॉस्पिटल में नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए संक्रमित हो जाने के कारण हो गया था।

पी.पी.टी. चयन परीक्षा 2020 की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

रसायन शास्त्र

- एल्फा कण है, एक :
(A) हीलियम परमाणु
(B) हाइड्रोजन परमाणु
(C) द्वि-आयनित हीलियम परमाणु
(D) कैथोड किरण
उत्तर (C) द्वि-आयनित हीलियम परमाणु।
- किस तत्व के नाभिक में 6 प्रोटॉन होते हैं :
(A) ऑक्सीजन
(B) कार्बन
(C) नाइट्रोजन
(D) क्लोरीन
उत्तर (B) कार्बन।
- भौतिक परिवर्तन का उदाहरण है :
(A) दूध का जमना
(B) मोम का पिघलना
(C) जंग लगना
(D) भोजन का पचना
उत्तर (B) मोम का पिघलना।
- जर्मनियम तथा सिलिकॉन तत्व आवर्त सारणी के किस वर्ग में हैं :
(A) द्वितीय वर्ग
(B) तृतीय वर्ग
(C) प्रथम वर्ग
(D) चतुर्थ वर्ग
उत्तर (D) चतुर्थ वर्ग में है।
- घरेलू गैस (एल.पी.जी.) का मुख्य अवयव है :
(A) मीथेन
(B) प्रोपेन
(C) ब्यूटेन
(D) ईथेन
उत्तर (C) ब्यूटेन।
- वायु गैस में किसकी प्रतिशत मात्रा अधिक है :
(A) C_2H_4
(B) CO_2
(C) N_2
(D) CH_4
उत्तर (D) CH_4 ।
- वेरी-वेरी रोग किस विटामिन की कमी से होता है :
(A) विटामिन C
(B) विटामिन B
(C) विटामिन A
(D) विटामिन D
उत्तर (B) विटामिन B।
- रबर के बल्कनीकरण में प्रयुक्त करते हैं :
(A) फास्फोरस
(B) सल्फर
(C) जर्मनियम
(D) मैग्नेशियम
उत्तर (B) सल्फर।
- पानी में किस पदार्थ के कारण उसमें अस्थायी कठोरता आ जाती है :
(A) मैग्नेशियम क्लोराइड
(B) पोटेशियम क्लोराइड
(C) कैल्शियम सल्फेट
(D) मैग्नेशियम हाईड्रोजेनॉट
उत्तर (D) मैग्नेशियम हाईड्रोजेनॉट।
- कृत्रिम रेशम किससे तैयार करते हैं :
(A) सेल्यूलोज
(B) ग्लूकोज
(C) लेक्टोज
(D) ग्रेफाइट
उत्तर (A) सेल्यूलोज।
- जर्मन सिल्वर में कौन-कौन से तत्व होते हैं :
(A) Al, Ni, Cu
(B) Cu, Zn, Ni
(C) Al, Zn, Cu
(D) Cu, Ag, C
उत्तर (B) Cu, Zn, Ni
- लोहे का अयस्क है :
(A) हेमेटाइट
(B) बाक्साइट
(C) डोलोमाइट
(D) कार्नेलाइट
उत्तर (A) हेमेटाइट।
- कार्बन का गलनांक होता है :
(A) $800^\circ C$ से $1000^\circ C$
(B) $1000^\circ C$ से $2000^\circ C$
(C) $3000^\circ C$ से $4000^\circ C$
(D) $4500^\circ C$
उत्तर (C) $3000^\circ C$ से $4000^\circ C$ है।
- संतृप्त हाइड्रोकार्बन है :
(A) CH_4
(B) C_2H_2
(C) C_3H_4
(D) C_3H_8
उत्तर (D) C_3H_8 , इसका सूत्र C_nH_{2n+2} है।
- नाभिक $^{16}_8O$, $^{17}_8O$ तथा $^{18}_8O$ कहलाते हैं :
(A) आइसोमर
(B) आइसोटोप
(C) आइसोबार
(D) आइसोटोन
उत्तर (B) आइसोटोप या समस्थानिक। इन नाभिकों में $Z = 8$ है।
- क्लोरीन परमाणु तथा क्लोरीन आयन में किसका मान भिन्न होता है :
(A) प्रोटॉन संख्या
(B) न्यूट्रॉन संख्या
(C) इलेक्ट्रॉन संख्या
(D) द्रव्यमान संख्या
उत्तर (C) इलेक्ट्रॉन संख्या।
- सोडियम क्लोराइड के विलयन में 965 कूलाम आवेश प्रवाहित करने पर कैथोड पर विमुक्त सोडियम की मात्रा होगी :
(A) 23 ग्राम
(B) 2.3 ग्राम
(C) 0.23 ग्राम
(D) 0.023 ग्राम
उत्तर (C) 0.23 ग्राम।
- सीसा संचायक सेल की दक्षता होती है :
(A) 70%
(B) 80%
(C) 85%
(D) 65%
उत्तर (A) 70%।
- किस ताप पर पारा अतिचालक पदार्थ हो जाता है :
(A) 4.12 K
(B) 273 K
(C) 18 K
(D) 127 K
उत्तर (A) 4.12 K
- मिथाइल ग्रुप को किससे प्रदर्शित करते हैं :
(A) -OH
(B) -CH
(C) -CH₂
(D) -CH₃
उत्तर (D) -CH₃
- एक तत्व का परमाणु क्रमांक 19 है। इसका इलेक्ट्रॉनिक विन्यास होगा :
(A) 2, 8, 9
(B) 1, 2, 8, 8
(C) 2, 1, 8, 8
(D) 2, 8, 8, 1
उत्तर (D) 2, 8, 8, 1
- 10 amu का मान होता है :
(A) 931 Mev
(B) 93.1 Mev
(C) 9310 Mev
(D) 9.31 Mev
उत्तर (C) 9310 Mev
- डेनियल सेल में निश्रुवक है :
(A) $CuSO_4$
(B) NH_4Cl
(C) H_2SO_4
(D) KOH
उत्तर (A) $CuSO_4$
- एस्कोर्विक अम्ल है :
(A) प्रोटीन
(B) एन्जाइम
(C) कार्बोहाइड्रेट
(D) विटामिन
उत्तर (D) विटामिन।
- कैल्शियम कार्बाइड पर पानी की अभिक्रिया से प्राप्त होता है :
(A) मीथेन
(B) एसिटिलीन
(C) ईथेन
(D) प्रोपेन
उत्तर (B) एसिटिलीन।
- कौन सा जोड़ा समावयवी (आइसोमर) है :
(A) C_2H_6 तथा C_4H_{10}
(B) CH_3CH_2OH तथा CH_3OCH_3
(C) CH_3CHO तथा CH_3COOH
(D) $CHCl_3$ तथा CHI_3
उत्तर (B) CH_3CH_2OH तथा CH_3OCH_3
- ग्लेशियल एसिटिक अम्ल में एसिटिक अम्ल का प्रतिशत होता है :
(A) 80%
(B) 100%
(C) 12%
(D) 65%
उत्तर (B) 100%
- कार्बन परमाणु के दो संयोजी तत्वों के बीच का कोण होता है :
(A) 175°
(B) $60^\circ 42'$
(C) $109^\circ 28'$
(D) 90°
उत्तर (C) $109^\circ 28'$
- वसा में होता है :
(A) H, C, O
(B) H, C, S
(C) C, O, N
(D) H, C, N
उत्तर (D) H, C, N
- एक यौगिक का द्रव्यमान 11 ग्राम तथा मोलर द्रव्यमान 44 ग्राम/मोल है। इसमें मोल की संख्या होगी :
(A) 0.25
(B) 4.01
(C) 1.505×10^{23}
(D) 6.02×10^{23}
उत्तर (C) 1.505×10^{23}
- यहाँ $n = \frac{11 \times 6.022 \times 10^{23}}{44}$ है।
- एक हाइड्रोकार्बन अणु में 3 कार्बन परमाणु हैं। इसके एल्केन तथा एल्काइन के सूत्र X तथा Y हैं। अतः सही कथन है :
(A) $X = C_3H_8$, $Y = C_3H_4$
(B) $X = C_3H_6$, $Y = C_3H_4$
(C) $X = C_3H_8$, $Y = C_3H_4$
(D) $X = C_3H_6$, $Y = C_3H_4$
उत्तर (C) $X = C_3H_8$, $Y = C_3H_4$
एल्केन का सूत्र $X = C_nH_{2n+2}$ तथा एल्काइन का सूत्र $Y = C_nH_{2n-2}$ है।
- मिथाइल एसिटिलीन C_3H_4 का IUPAC नाम है :
(A) ब्यूटेन
(B) मीथेन
(C) ब्यूटाइन
(D) प्रोपाइन
उत्तर (D) प्रोपाइन
- प्रोपेनॉल का सूत्र C_3H_7OH है, तो ईथेनॉल का सूत्र होगा :
(A) C_2H_5OH
(B) C_2H_3OH
(C) CH_3OH
(D) C_4H_9OH
उत्तर (B) C_2H_5OH
- कौन सा ऑक्साइड उदासीन ऑक्साइड है :
(A) Co_2
(B) So_2
(C) ZnO_2
(D) CO
उत्तर (D) CO
- धातुओं की सही सक्रियता श्रेणी है :
(A) $Ca > Mg > Zn > Pb$
(B) $Ca > Zn > Mg > Pb$
(C) $Mg > Ca > Zn > Pb$
(D) $Ca > Mg > Fe > Pb$
उत्तर (A) $Ca > Mg > Zn > Pb$
- जिप्सम को 373 K ताप पर गर्म करने पर प्राप्त होता है :
(A) वाशिंग सोडा
(B) बेकिंग सोडा
(C) क्लीविंग पाउडर
(D) प्लास्टर ऑफ पेरिस
उत्तर (D) प्लास्टर ऑफ पेरिस।
- शुष्क बुझे चूने से क्लोरीन गैस प्रवाहित करने पर बनता है :
(A) प्लास्टर ऑफ पेरिस
(B) बेकिंग सोडा
(C) क्लीविंग पाउडर
(D) कैल्शियम क्लोराइड
उत्तर (C) क्लीविंग पाउडर $CaOCl_2$
- डॉ. एस.एस. पालीवाल
(लेखक, भौतिकी के अवकाश प्राप्त प्राध्यापक हैं)

होटल प्रबंधन इकाईयों में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये दिशा-निर्देश जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश में होटल एवं अन्य अतिथि प्रबंधन इकाईयों को भारत सरकार द्वारा जारी स्टैंडर्ड ऑपरेंटिंग प्रोसीजर का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने तथा पर्यटकों एवं अतिथियों को संक्रमण रहित आवास एवं सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इसे लागू किया गया है। आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएँ श्री फैज अहमद किदवाई ने जानकारी देते हुए बताया कि जो होटल कंटेनमेंट जोन में आते हैं, वह पूर्णतः बंद रहेंगे। जो होटल एवं अतिथि प्रबंधन इकाईयां कंटेनमेंट जोन के बाहर हैं, उन्हें ही खोलने की अनुमति दी जायेगी। उन्होंने कहा कि एसओपी का उद्देश्य सभी प्रकार के स्टॉफ एवं अतिथियों के बीच सामाजिक दूरी बनाये रखना एवं संक्रमण से बचाव का प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

कोविड-19 के संक्रमण निवारण के लिये होटल एवं अन्य अतिथि-गृहों के प्रवेश-द्वार पर हाथ धोने अथवा सेनेटाइजर रखना, बुखार नापने के लिये थर्मल स्क्रीनिंग भी अनिवार्य होगा। होटल में सिर्फ वही स्टॉफ, अतिथि या टूरिस्ट को प्रवेश दिया जायेगा, जिनमें कोई लक्षण नहीं हों। स्टॉफ एवं अतिथियों को हमेशा मास्क या फेस कवर करना अनिवार्य होगा। होटल स्टॉफ को हाथों में दस्ताने पहनना जरूरी होगा। अतिथि-गृहों एवं होटलों में मानव संसाधन की तैनाती इस तरह से हो कि सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। होटल के वे कर्मचारी, जिनकी उम्र अधिक हो, गर्भवती महिला कर्मचारी अथवा किसी अन्य बीमारी से ग्रसित या अन्य कोई मेडिकल कंडीशन हो, को उन कार्यों में न लगाया जाये, जिससे कि वह जन-समुदाय से सीधे सम्पर्क में आये। होटल प्रबंधन जहां आवश्यक

हो, वहां घर से ही कार्य करने की छूट दें।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो

होटल प्रबंधन होटल के बाहर और अंदर के परिसर में भीड़ का प्रबंधन सामाजिक दूरी का पालन करते हुए करें। बड़े समूहों में व्यक्तियों को एकत्रित होने की मनाही होगी। होटल प्रबंधन द्वारा वेले पार्किंग की व्यवस्था की जाना अनिवार्य होगा। व्यवस्थापक स्टॉफ द्वारा मास्क, दस्ताने पहनना तथा दरवाजे, स्टीयरिंग, हैंडल, चाबी आदि को सेनेटाइज करना भी आवश्यक होगा।

एन्ट्री-एक्जिट के लिये अलग द्वार

होटल में आगमन और निष्कासन के लिये अलग-अलग द्वार की व्यवस्था होगी। स्टॉफ अतिथियों के लिये एवं सामान लाने-ले जाने के लिये अलग व्यवस्था की जायेगी। इसमें भी छः फीट की सामाजिक दूरी बनाना आवश्यक है। होटल के बाहर परिसर में विशेष चिह्नित कर गोले बनाये जायें, जिससे कि पंक्ति में खड़े व्यक्तियों को दूरी बनाने में आसानी होगी।

ट्रेवल हिस्ट्री के साथ आई.डी. अनिवार्य

जो अतिथि होटल में ठहरने के लिये आ रहे हैं, को उनकी ट्रेवल हिस्ट्री, मेडिकल कंडीशन के साथ आई.डी. एवं स्वयं का घोषणा-पत्र रिसेप्शन पर देना अनिवार्य होगा। होटल में पोस्टर, स्टैण्डिस, ऑडियो-वीडियो के माध्यम से कोविड-19 संक्रमण के बचाव के तरीके प्रदर्शित करना होगा। होटल प्रबंधन द्वारा क्यूआर कोड, ऑनलाइन फार्म, डिजिटल पेरमेंट, ई-वॉलेट को चेक-आउट एवं चेक-इन के लिये इस्तेमाल किया जाये। अतिथियों के सामान को कमरों में भेजने के पहले संक्रमण रहित करना होगा।

होटल प्रबंधन अतिथियों को कंटेनमेंट क्षेत्रों में न जाने की सलाह दें। प्रबंधन द्वारा अतिथियों को मास्क, सेनेटाइजर, दस्ताने आदि देना होगा। रेस्टोरेंट के लिये दिये दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। रेस्टोरेंट में बैठक व्यवस्था इस प्रकार की जाये कि सामाजिक दूरी बनी रहे। होटल प्रबंधन द्वारा डिस्पोजल मेन्यू, कपड़े के नेपकिन की जगह उच्च गुणवत्ता वाले पेपर नेपकिन, आर्डर सम्पर्क रहित तथा ई-वॉलेट्स को प्रोत्साहित किया जाये।

रूम सर्विसेस में भोजन पहुंचाने वाले कर्मचारी को भोजन के पैकेट, अतिथियों को सीधे प्रस्तुत न करते हुए कमरे के बाहर पैकेट रखने की व्यवस्था हो, वह स्टॉफ, जो घर-घर जाकर भोजन पहुंचाते हैं, की भी थर्मल स्क्रीनिंग करना अनिवार्य होगा। होटलों एवं अतिथि-गृहों में खेल-कूद/छोटे बच्चों के खेलने की जगह को बंद रखा जायेगा। होटल प्रबंधन द्वारा दरवाजों के हैंडल, लिफ्ट के बटन, हैंडलस, बैंच, वॉशरूम, अतिथियों के बैठने की जगह, कॉमन एरिया आदि की नियमित रूप से सफाई एवं सेनेटाइज किया जाये।

होटल के परिसर में अगर कोई भी कोरोना संक्रमित या संदिग्ध केस निकलता है, तो उस व्यक्ति को अलग कमरे में रखा जाये, जहां वह दूसरों के सम्पर्क में न आये। होटल प्रबंधन द्वारा संबंधित को फेस कवर/मास्क प्रदाय किया जाये तथा उसे चिकित्सक की देख-रेख में रखा जाये। प्रबंधन तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सालय पर सम्पर्क करें। जिला रेपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) अथवा चिकित्सक द्वारा संक्रमण की गंभीरता के अनुरूप मरीज का इलाज सुनिश्चित करें।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिये महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता

- स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट (2019) में विश्व में स्वास्थ्य संबंधी सभी खतरों से होने वाली मौतों का 5वां सबसे बड़ा कारण किसको माना गया है?
अ. जल प्रदूषण ब. ध्वनि प्रदूषण
स. ई-पॉल्यूशन द. वायु प्रदूषण।
- प्राकृतिक सुन्दरता से परिपूर्ण 'उत्तर पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय' (NEHU) स्थित है?
अ. मिजोरम में
ब. मेघालय में
स. पश्चिम बंगाल में
द. अरुणाचल प्रदेश में।
- शोध में वैज्ञानिक पद्धति प्रयोग करने का मुख्य उद्देश्य होता है?
अ. अवैध व त्रुटिपूर्ण संबंधों का निवारण करना।
ब. आंकड़ों के विश्लेषण में सुधार लाना
स. बहुआयामी आलोचना का विकास करना
द. शोध को रुचिपूर्ण व उपयोगी बनाना।
- इनमें से गलत जोड़ी को चुनिये -
ग्रंथ - लेखक/शिक्षाशास्त्री
अ. डेमोक्रेसी एंड - जॉन लाक एजुकेशन
ब. रिपब्लिक - प्लेटो
स. पीस एंड - डॉ. मारिया एजुकेशन
द. डिस्कोर्स ऑन - जे. जे. रूसो साइंस एंड आर्ट्स
- अनुसंधान का मुख्य ध्येय क्या है?
अ. अकादमिक उपाधि प्राप्त करना
ब. नयी तकनीक का प्रयोग करना
स. नए तथ्यों की खोज करना
द. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करना।
- शोध के विभिन्न सोपानों/चरणों के सही क्रम का चयन कीजिए -
1. परिकल्पना का प्रतिपादन
2. समस्या का चयन
3. आंकड़ों का विश्लेषण
4. आंकड़ों का संकलन
5. प्रतिवेदन लेखन।
अ. 1, 2, 4, 5, 3
ब. 2, 1, 3, 5, 4
स. 1, 3, 2, 4, 5
द. 2, 1, 4, 3, 5
- शोध पत्र में शामिल प्रमुख बिंदु होते हैं?
अ. प्रस्तावना ब. विषयवस्तु
स. निष्कर्ष द. उक्त सभी।
- तथ्य संकलन का प्राथमिक स्रोत है?
अ. अभिलेख ब. निरीक्षण
स. इंटरनेट द. समाचार पत्र
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) का मुख्यालय स्थित है?
अ. रोम में ब. जिनेवा में
स. लंदन में द. पेरिस में
- शिक्षण के लिये ज्ञान, प्रशिक्षण, अनुभव तथा शोध के अलावा और किसकी जरूरत पड़ती है?
अ. सकारात्मक अभिवृत्ति की
ब. अभिरुचि की
स. ईमानदारी की
द. उक्त सभी
- एक प्राध्यापक के लिये सबसे मूल्यवान होना चाहिए?
अ. उसका वेतन एवं प्रमोशन
ब. विद्यार्थियों का विश्वास
स. सतत् वेतनवृद्धियां
द. उक्त सभी
- इनमें से किस स्थान पर यूजीसी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित नहीं है?
अ. भोपाल ब. गुवाहाटी
स. भुवनेश्वर द. बेंगलुरु।
- रिपोर्ट (प्रतिवेदन) तैयार करना, शोध कार्य का चरण है?
अ. प्रथम
ब. मध्यम
स. अंतिम
द. इनमें से कोई नहीं।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष बनाए गए थे?
अ. डॉ. राजीव कुमार
ब. डॉ. के. कस्तुरीरंगन
स. रमेश पोखरियाल
द. के.वी. कामथ।
- यदि किसी दिन कक्षा में सभी विद्यार्थी बार-बार न पढ़ने का निवेदन करें, तो प्राध्यापक को चाहिये कि वह?
अ. पढ़ाना बन्द कर दें
ब. उन्हें स्वयं पढ़ने को कहें
स. रुचिपूर्ण विषय पर सुनने-सुनाने का कार्य करें
द. प्राचार्य को कक्षा में बुला लायें
- प्रश्न क्र. 16 से 20 तक के उत्तर निम्नलिखित गद्यांश का अध्ययन करके दीजिए-
पुरुषार्थ दार्शनिक विषय है, परंतु दर्शन का जीवन से घनिष्ठ संबंध है। वह थोड़े से विद्यार्थियों का पाठ्य विषय मात्र नहीं है, बल्कि वह प्रत्येक समाज को एक दार्शनिक मत स्वीकार करने के लिए बाध्य करता है। अगली पीढ़ी में इसी के आधार पर उसकी राजनीतिक, सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था का व्यूह खड़ा होगा। जो समाज अपने वैयक्तिक और सामूहिक जीवन को केवल प्रतिमान और उपयोगिता के आधार पर चलाना चाहेगा, उसको बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। एक विभाग के आदर्श दूसरे विभाग के आदर्श से टकरायेंगे। जो बात एक क्षेत्र में ठीक जंचेगी, वही दूसरे क्षेत्र में अनुचित कहलाएगी। मनुष्य के लिए अपना कर्तव्य स्थिर करना कठिन हो जाएगा। इसका तमाशा आज दिखाई दे रहा है। चोरी करना बुरा है, पर पराए देश का शोषण करना बुरा नहीं। झूठ बोलना बुरा है पर राजनीतिक क्षेत्र में सच बोलने पर अड़े रहना मूर्खता है। घर वालों के साथ और देशवासियों के साथ और परदेशियों के साथ बर्ताव करने के लिए अलग-अलग आचार संहिताएं जो बन गई हैं। इस नवव्यवस्था से विवेकशील मनुष्य को कष्ट होता है। इसको कम करना आज की महती आवश्यकता है।
- सामाजिक व्यवस्था को चलाने में आवश्यक है?
अ. आचार संहिता
ब. विशेष दर्शन
स. विरोधाभास
द. कारगर रणनीति
- समाज के लिए दर्शन महत्वपूर्ण है, क्योंकि?
अ. इससे समाज की व्यवस्था संचालित होती है
ब. इससे सामाजिक जीवन की उपयोगिता में वृद्धि होती है
स. यह समाज को सही दृष्टि प्रदान करता है
द. इससे राजनीति और रणनीति निर्धारित होती है।
- समाज में जीवन प्रतिमान को उपयोगिता के आधार पर खड़ा नहीं किया जा सकता, क्योंकि?
अ. सभी व्यक्तियों का दर्शन जीवन भिन्न है।
ब. आचार संहिताएं सभी के लिए अलग हैं।
स. एक ही बात भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उचित या अनुचित हो सकती है।
द. सभी मनुष्य विवेकशील होते हैं।
- विवेकशील मनुष्य को कष्ट पहुंचाने वाले विरोधाभास हैं-
अ. दर्शन के अनुसार राजनीतिक, सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था
ब. परिवार, देश और विदेश
स. सभी व्यक्तियों पर एक ही दर्शन थोपने का प्रयास
द. समाज विशेष के लिए नैतिक मूल्य और नियम।
- उपयुक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है?
अ. समाज और दर्शन
ब. दर्शन और सामाजिक आचरण
स. दर्शन और सामाजिक व्यवस्था
द. समाज में दर्शन का महत्व
- एक सफल प्राध्यापक की उपादेयता तभी होगी जब वह विद्यार्थी को?
अ. विषयवस्तु को सुव्यवस्थित ढंग से समझाता हो
ब. मात्र परीक्षा उत्तीर्ण होने की तैयारी करवाये
स. अच्छा नागरिक बनने में विद्यार्थियों की मदद करे
द. अ और स दोनों।
- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची संबंधित है?
अ. शोध संहिता से
ब. दल-बदल से
स. भाषाओं के संरक्षण से
द. पंचायती राज से।
- NAAC का मुख्यालय स्थित है?
अ. मुम्बई में
ब. हैदराबाद में
स. कोलकाता में
द. बेंगलुरु में
- तथ्यों के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु आवश्यक है?
अ. संपादन ब. सारणीयन
स. संकेतन द. वर्गीकरण।
- विना शिक्षक की मदद के पढ़ने की योग्यता का विकास किया जा सकता है -
अ. अभ्यास पुस्तिका के द्वारा
ब. गृहकार्य देकर
स. समाजसेवा सिखाकर
द. दृश्य-श्रव्य सामग्री द्वारा।
- श्रृंखला की अगली संख्या होगी - 125, 343, 729, 1331, 2197?
अ. 3291 ब. 3375
स. 4096 द. 4913
- प्रतिदर्श का/के आवश्यक तत्व हैं?
अ. प्रतिनिधित्व ब. पर्याप्तता
स. आश्रितता द. उक्त सभी।
- इनमें से किसे 'अधिगम' (Learning) के सिद्धांतों पर अग्रणी कार्य करने के लिए नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था?
अ. इवान पावलाव को
ब. लियो स्ट्रास को
स. मैकाले को
द. रोजा लक्जमबर्ग को।
- डिसलेक्सिया का संबंध किस विकृति से होता है?
अ. लेखन ब. पठन
स. भाषण द. रैगिंग।
- वर्तमान में शिक्षा किस सूची में शामिल है?
अ. राज्य सूची
ब. संघीय सूची
स. समवर्ती सूची
द. अवशिष्ट सूची
- किस मंत्रालय ने देशभर के 750 उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं द्वारा गोद लिए जाने वाले गांवों से संबंधित 'उन्नत भारत अभियान' शुभारंभ किया है?
अ. महिला एवं बाल विकास
ब. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
स. मानव संसाधन विकास
द. उक्त तीनों ने संयुक्त रूप से।
- भारत का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है?
अ. डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, आन्ध्रप्रदेश
ब. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व-विद्यालय, नई दिल्ली
स. राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश
द. कुरुक्षेत्र मुक्त विश्वविद्यालय, हरियाणा।
- "मूल्यांकन ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा सही तरीके से योग्यता का मापन किया जाता है।" यह कथन है?
अ. अब्राहम लिंकन का
ब. गुड्स का
स. डॉ. कोठारी का
द. मिस फालेट का।
- भारत में उच्च शिक्षा की नियामक/नियंत्रक संस्था है?
अ. NCERT
ब. MHRD
स. NTA
द. UGC
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत कितने केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं?
अ. 16 ब. 20
स. 22 द. 24
- आंतरिक मूल्यांकन से संबंधित शब्द C.C.E. का पूर्ण रूप है?
अ. कम्प्लीट कंटीन्यू एनवायरनमेंट
ब. काम्प्रेन्सिव कंटीन्यूयस एवेल्युशन
स. कंटीन्यू कंट्रोल बाई एकजाम
द. इनमें से कोई नहीं
- नारी स्वतंत्रता, शिक्षा और समानता के प्रबल पक्षधर हैं?
अ. जॉन लाक
ब. जे.एस. मिल
स. रूसो
द. नेपोलियन
- यदि आपको अन्तः सेवा प्रशिक्षण के लिये कहीं भेजा जाए तो आप वहां।
अ. अनुभवी शिक्षकों के अनुभव सीखेंगे
ब. शिक्षण की नई-नई विधियां सीखेंगे
स. अपने विषय का नवीन ज्ञान प्राप्त करेंगे
द. उपरोक्त सभी।
- प्लेटो ने युवाओं को 18 से 20 वर्ष तक की आयु में किस प्रकार की कठोर शिक्षा देने पर बल दिया है?
अ. खेलकूद
ब. आत्मनिर्भरता
स. सैन्य शिक्षा
द. गणित एवं विज्ञान।
- "प्रकृति में हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की विराट क्षमताएं हैं, किंतु लालच की लंबी श्रृंखलाओं की पूर्ति की नहीं।" यह कथन है?
अ. लालबहादुर शास्त्री का
ब. अब्राहम लिंकन का
स. महात्मा गांधी का
द. अरस्तु का।

हल

1. द, 2. ब, 3. अ, 4. अ, 5. स, 6. द, 7. द, 8. ब, 9. द, 10. द, 11. ब, 12. स, 13. स, 14. ब, 15. स, 16. ब, 17. अ, 18. स, 19. ब, 20. स, 21. द, 22. स, 23. द, 24. ब, 25. द, 26. ब, 27. द, 28. अ, 29. ब, 30. स, 31. स, 32. अ, 33. ब, 34. द, 35. अ, 36. ब, 37. ब, 38. द, 39. स, 40. स।

व्याख्यात्मक हल

2. ब. नेहु वि.वि. मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित है।
4. अ. डेमोक्रेसी एंड एजुकेशन के लेखक जॉन डिवी हैं।
6. द. सर्वप्रथम, शोध के तहत समस्या का चयन किया जाता है। फिर परिकल्पना का प्रतिपादन, आंकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण करके प्रतिवेदन तैयार किया जाता है।
12. द. यूजीसी के 6 क्षेत्रीय कार्यालय-पुणे, हैदराबाद, भोपाल, कोलकाता, गुवाहाटी और बेंगलुरु में स्थित हैं।
26. ब. श्रृंखला में 5, 7, 9, 11, 13 के बाद 15 का घन होगा। अतः अगली संख्या $15 \times 15 \times 15 = 3375$ होगी।
37. ब. नारी स्वतंत्रता, शिक्षा और समानता के प्रबल पक्षधर जे.एस. मिल ने 'सर्वज्ञान ऑफ वूमन' लिखकर महिला सशक्तिकरण को प्रकाशमान बनाया है।
- डॉ. नियाज अहमद अंसारी (लेखक, शासकीय आदर्श महाविद्यालय, उमरिया में राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन के सहायक प्राध्यापक हैं)

किसान उत्पादक समूहों का अधिक से अधिक गठन करें - कृषि मंत्री

भोपाल, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने भोपाल स्थित मंत्रालय में कृषि विभाग की समीक्षा की। उन्होंने आगामी खरीफ सीजन को दृष्टिगत रखते हुए किसानों के हित में सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसान उत्पादक समूहों का गठन किया जाना सुनिश्चित करें।

श्री पटेल ने समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह एवं संचालक कृषि श्री संजीव सिंह को निर्देशित किया कि आगामी खरीफ के सीजन को दृष्टिगत रखते हुए खाद एवं बीज की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने खरीफ सीजन की विभिन्न योजनाओं

के लक्ष्य तत्काल जारी करने, खाद, बीज एवं कीटनाशक के गुण नियंत्रण हेतु नियमानुसार सैंपल लेने, परीक्षण कराने तथा अमानक पाए जाने पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। श्री पटेल ने दिए जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक प्रावधान करते हुए किसानों को सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश कृषि उत्पादन आयुक्त को दिए।

श्री पटेल ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा संचालित किसानों के हित में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जो भी सामग्री वितरित कराई जाती है, वह जनप्रतिनिधियों के साथ समारोहपूर्वक वितरित कराई जाए एवं उसकी वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराया जाना सुनिश्चित करें।

OBJECTIVE QUESTIONS FOR COMPETITIVE EXAMINATION

Subject : GENERAL ENGLISH

Fill in the blanks with suitable articles. (Question No. 1 to 5)

1. The bottle contains syrup.
(a) an (b) the
(c) a (d) no article
2. The state can make scheme for poor people.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article
3. The minister distributed blankets in many villages.
(a) the (b) an
(c) a (d) no article
4. There is coffee house on this road.
(a) the (b) an
(c) no article (d) a
5. Ramesh has shop of musical instruments.
(a) an (b) a
(c) the (d) no article

Fill in the blank spaces with suitable prepositions. (Question No. 6 to 12)

6. There is fear his mind.
(a) for (b) with
(c) in (d) on
7. Raman dabbled business.
(a) in (b) at
(c) by (d) on
8. He knew a lot computer devices.
(a) off (b) about
(c) into (d) in
9. His family will be travelling to Agra car.
(a) of (b) at
(c) to (d) by
10. The patient discharged himself from the hospital doctor's counsel.
(a) by (b) against
(c) on (d) of
11. Raju always is in an argument his landlord.
(a) of (b) with
(c) in (d) by
12. Ramesh is sitting behind Meera the sofa.
(a) in (b) by
(c) on (d) with

Fill in the blanks with suitable form of the verb. (Question No. 13 to 18)

13. This album the photos of his childhood.
(a) has contained
(b) was contained
(c) contains
(d) is containing
14. He preventive medicine for Covid-19 yesterday.
(a) had purchased
(b) has purchased
(c) purchased
(d) is purchasing
15. The government to reopen school and colleges soon.
(a) is planning
(b) is planned
(c) planed
(d) had planed
16. The scientists all over the world on Covid-19 vaccine since

December 2019.

- (a) are working
(b) worked
(c) have worked
(d) have been working
17. You will catch the train, if you
(a) ran
(b) are running
(c) run
(d) have been running
18. Every member of the family had hoped that he pass Civil Services Examination.
(a) can (b) shall
(c) will (d) would

Change the Voice. (Question No. 19 to 25)

19. Change the plan.
(a) You are requested to change the plan.
(b) Let me change the plan.
(c) Let the plan be changed.
(d) The plan must be changed.
20. My uncle raised me.
(a) Me was raised by my uncle.
(b) I was helped by my uncle.
(c) My uncle raises me.
(d) I was raised by my uncle.
21. All people should help the nation.
(a) The nation should be helped at any cost by all.
(b) The nation should help all people.
(c) All people must be helped by the nation.
(d) The nation should be helped by all people.

22. Teachers are using various platforms for teaching.
(a) Various platforms are used for teaching by teachers.
(b) Teaching is being used by teachers on various platforms.
(c) Various platforms are being used for teaching by teachers.
(d) Teaching is one of the platforms is being used by teachers for teaching.
23. That bungalow was designed by Fredric.
(a) The bungalow is designed by Fredric.
(b) Fredric designs the bungalow.
(c) Fredric designed that bungalow.
(d) Fredric is designing that bungalow.

24. A cup of coffee is being drunk by Karan.
(a) Karan is drinking a cup of coffee.
(b) Karan is drunk a cup of coffee.
(c) A cup of coffee is drunk by Karan.
(d) Karan never drinks a cup of coffee.
25. Ram would order a pizza.
(a) A pizza would be ordered by Ram.
(b) A pizza would order Ram.

- (c) A pizza would be ordered by Ram.
(d) Ram will order a pizza.

Do as directed. (Question No. 26 to 30)

26. Sofia is married. (Make it negative without changing the meaning)
(a) Sofia is unmarried.
(b) Sofia is bachelor.
(c) Sofia is not unmarried.
(d) Sofia is never married.
27. He was so busy that he did not notice his fault. (Use 'too')
(a) He was too busy to notice that his fault.
(b) He was too busy that he didn't notice his fault too.
(c) He was too busy to notice his fault.
(d) He was to notice but he was too busy.
28. He is a very non-active boy. (Make it exclamatory)
(a) What a non-active boy he is!
(b) How non-active he is!
(c) What a boy non-active he is!
(d) How non-active he is a boy!
29. The food is not at all good. (Change into affirmative)
(a) The food is not at all bad.
(b) The food is good at all.
(c) The film is not good and not bad too.
(d) The food is totally bad.
30. There is nothing wrong in it. (Make it interrogative)
(a) Is there anything wrong?
(b) What is not wrong in it?
(c) What is very wrong it?
(d) What is wrong in it?

Choose the word opposite to the meaning of the given word. (Question No. 31 to 35)

31. Deride
(a) Scoff (b) Ridicule
(c) Inspire (d) Brief
32. Headstrong
(a) Willful (b) Stubborn
(c) Repel (d) Docile
33. Despair
(a) Misery (b) Ecstasy
(c) Gloom (d) Boastful
34. Veracity
(a) Reality (b) Actuality
(c) Handy (d) Fallacy
35. Dismantle
(a) Destroy
(b) Assemble
(c) Take apart
(d) Take to pieces

Synonyms (Question No. 36 to 40)

36. Strife
(a) Approve
(b) Agreement
(c) Disclose
(d) Feud
37. Hatred
(a) Culprit (b) Loveable
(c) Grudge (d) Compel
38. Peril
(a) Hazard (b) Safety
(c) Prohibit (d) Publish
39. Violate
(a) Green

- (b) Malignant
(c) Encroach
(d) Colossal
40. Knave
(a) Paragon
(b) Innocent
(c) Dishonest
(d) Depth

One word substitutions. (Question No 41 to 45)

41. One who resolved not to marry.
(a) Celibate (b) Erudite
(c) Saint (d) Sage
42. One who owes money to other.
(a) Indictor (b) Debtor
(c) Creditor (d) Bankrupt
43. A poem of speech at the end of the play.
(a) Prologue (b) Speech
(c) Dialogue (d) Epilogue
44. One who studies the internal structure of the earth.
(a) Gynecologist
(b) Discoverer
(c) Geologist
(d) Archeologist
45. Loss of sleep.
(a) Sleepy
(b) Night Dreams
(c) Sleep walking
(d) Insomnia

In each of the following questions, find out the correctly spelt word. (Questions 46 to 50)

46. (a) Dimonetization

- (b) Demonetizasion
(c) Dimonetization
(d) Demonetization
47. (a) Literory (b) Litroty
(c) Leetrory (d) Literary
48. (a) Polyution
(b) Polution
(c) Poluttion
(d) Pollution
49. (a) Batalian (b) Battalion
(c) Batalean (d) Battalean
50. (a) Catastrophe
(b) Katastrophe
(c) Catastrophe
(d) Catastrophy

Answers

1. d, 2. b, 3. d, 4. d, 5. b, 6. c, 7. a, 8. b, 9. d, 10. b, 11. b, 12. c, 13. c, 14. c, 15. a, 16. d, 17. c, 18. d, 19. c, 20. d, 21. d, 22. c, 23. c, 24. a, 25. c, 26. c, 27. c, 28. a, 29. d, 30. d, 31. c, 32. d, 33. b, 34. d, 35. b, 36. d, 37. c, 38. a, 39. c, 40. c, 41. a, 42. b, 43. d, 44. c, 45. d, 46. d, 47. d, 48. d, 49. b, 50. a.

Explanation

1. No article is used before the name of material noun. Syrup is liquid material.
50. Catastrophe means disaster or calamity.
- Prafulkumar Prakash Valdhya
(Assistant Professor in English
Sardar Patel Mahavidyalaya,
Chandrapur)

जल जीवन मिशन

केंद्र सरकार ने मंजूर किए एक हजार 280 करोड़ रुपये

भोपाल, केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल और स्वच्छता) ने मध्य प्रदेश में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के लिए 1280 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह राशि वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए स्वीकृत की गई है। इस राशि से 26.27 लाख ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन देने की कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जायेगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 2020-21 का एक्शन प्लान राष्ट्रीय कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया था। इसके बाद कमेटी ने यह राशि मंजूर की है। बकाया राशि के रूप में 244.95 करोड़ रुपये और इस वर्ष के केंद्रीय आवंटन और मिलने वाले राज्य के हिस्से के साथ प्रदेश को इस वर्ष जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के लिए 3093 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध रहेगी।

जल जीवन परिवर्तन मिशन के तहत प्रदेश में 2023-24 तक सभी 1.21 करोड़ रुपये ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में 13.52 लाख रुपये ग्रामीण घरों में पहले से ही नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा राज्यों के साथ साझेदारी में जल जीवन मिशन शुरू किया गया है। मिशन का लक्ष्य 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण घर में नियमित और दीर्घकालिक आधार पर गुणवत्ता पूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। यह मिशन बुनियादी ढांचे के सृजन पर न

होकर 'सेवा वितरण' पर आधारित है। ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में सार्वभौमिक कवरेज की योजना बनाते समय, पानी की कमी वाले क्षेत्र, गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, बहुल बस्तियां/गांवों, आकांक्षात्मक जिले और सांसद आदर्श ग्रामीण योजना गाँव और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को प्राथमिकता दी जाती है। जल गुणवत्ता प्रभावित बस्तियों में पीने के पानी की आपूर्ति जल जीवन मिशन (जे.जे.एम) के तहत सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश में 395 ऐसी बस्तियों में घरेलू नल कनेक्शन और सामुदायिक जल शोधन संयंत्रों का प्रावधान किया जाकर ग्रामीणों को पीने योग्य जल उपलब्ध कराया जायेगा।

जल की गुणवत्ता और सतत निगरानी
जल जीवन मिशन के तहत अग्रिम पंक्ति के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जल गुणवत्ता और निगरानी पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम के सभी वर्गों की भागीदारी होगी। इसमें 5 व्यक्ति विशेष कर महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल और कॉलेज के छात्रों को पानी की गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए 'फील्ड टेस्ट किट' का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हर साल प्रत्येक ऐसे स्रोत को एक बार भौतिक और रासायनिक मापदण्डों के लिए और दो बार बैक्टीरियॉजिकल संदूषण के लिए परीक्षण की आवश्यकता होती है।

शेष ऋण, शेष अग्नि और शेष रोग पुनःपुनः बढ़ते हैं, अतः इन्हें शेष कभी नहीं छोड़ना चाहिये - शौनकीय नीतिसार

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

मध्यकालीन इतिहास

1. स्थापत्य की दृष्टि शैली की स्थापना किस राजवंश के काल में हुई थी?

(अ) पल्लव
(ब) चालुक्य
(स) राष्ट्रकूट
(द) सातवाहन

 उत्तर- (अ) पल्लव वंश
2. निम्न में से किस साहित्यकार ने 'कथासरित्सागर' की रचना की थी?

(अ) क्षेमेन्द्र
(ब) कर्ण
(स) सोमदेव
(द) दण्डिन

 उत्तर- (स) सोमदेव
3. किस वंश के शासकों द्वारा जवलपुर के निकट 64 योगिनी मंदिर का निर्माण किया गया?

(अ) चंदेल
(ब) कलचुरि
(स) परमार
(द) पाल

 उत्तर- (ब) कलचुरि
4. 'ऐहोल प्रशस्ति' के रचयिता कौन हैं?

(अ) विष्णुवर्द्धन
(ब) यशोवर्मन
(स) रविकीर्ति
(द) हरिपेण

 उत्तर- (स) रविकीर्ति
5. 'बृहदेश्वर मंदिर' का निर्माण किस शासक के द्वारा किया गया था?

(अ) राजराज प्रथम
(ब) राजराज द्वितीय
(स) परांतक प्रथम
(द) राजेन्द्र चोल

 उत्तर- (अ) राजराज प्रथम
6. किस वंश के शासकों ने श्रवणबेलगोला में 'गोमतेधर' की प्रतिमा स्थापित करवाई?

(अ) गंग
(ब) यादव
(स) काकतीय
(द) होयसल

 उत्तर- (अ) गंग
7. पंप, पोन्न एवं रन्न किस साहित्य के चरित्र कहे जाते हैं?

(अ) तेलुगु
(ब) तमिल
(स) कन्नड़
(द) अपभ्रंश

 उत्तर- (स) कन्नड़
8. 'रानी दिहा' का संबंध किस वंश से है?

(अ) लोहार
(ब) कार्कोट
(स) उत्पल वंश
(द) ब्राम्हण वंश

 उत्तर- (स) उत्पल वंश
9. 'तिलमंजरी' नामक ग्रंथ की रचना किसने की थी?

(अ) पद्मगुप्त
(ब) धनपाल
(स) धनंजय
(द) धनिक

 उत्तर- (ब) धनपाल
10. देवगिरि के यादव वंश की स्थापना किसने की थी?

(अ) रामचंद्र
(ब) विष्णुवर्द्धन
(स) भिल्लम
(द) तैलप द्वितीय

 उत्तर- (स) भिल्लम
11. 9वीं शताब्दी में चोल साम्राज्य का पुनरुत्थान किसके द्वारा किया गया था?

(अ) राजराज प्रथम
(ब) राजेन्द्र प्रथम
(स) कुलोत्तुंग प्रथम
(द) विजयालय

 उत्तर- (द) विजयालय
12. 'अलमसूदी' किसके शासनकाल में गुजरात आया था?

(अ) महिपाल
(ब) ईशान मौखरि
(स) हर्षवर्द्धन
(द) फिरोज तुगलक

 उत्तर- (अ) महिपाल
13. दिल्ली सल्तनत की सीमा का सर्वाधिक विस्तार किस सुल्तान के समय हुआ था?

(अ) अलाउद्दीन खिलजी
(ब) फिरोजशाह तुगलक
(स) मुहम्मद बिन तुगलक
(द) कुतुबुद्दीन ऐबक

 उत्तर- (स) मुहम्मद बिन तुगलक
14. मुगल काल में प्रचलित लाल-ए-जलाली क्या था?

(अ) सैन्य विभाग
(ब) भूमि का प्रकार
(स) सिक्का
(द) उपाधि

 उत्तर- (स) सिक्का
15. हजार दिनारी के नाम से किसे जाना जाता था?

(अ) अलाउद्दीन खिलजी
(ब) मलिक काफूर
(स) बलबन
(द) इल्तुतमिश

 उत्तर- (ब) मलिक काफूर
16. रामायण का बांग्ला में रूपांतरण किसके द्वारा किया गया था?

(अ) मालधर वसु
(ब) श्रीकरनंदि
(स) अलावल
(द) कृत्तिवास

 उत्तर- (द) कृत्तिवास
17. जहांगीर ने 'नादिर-उल-उन्न' की उपाधि किस चित्रकार को प्रदान की थी?

(अ) बिसनदास
(ब) मनोहर
(स) दौलत
(द) मंसूर

 उत्तर- (द) मंसूर
18. निम्न में से किसने 'रोशनाई' संप्रदाय की स्थापना की थी?

(अ) बयाजिद
(ब) फिरदौसी
(स) मोइनउद्दीन चिश्ती
(द) शेख सप्तार

 उत्तर- (अ) बयाजिद
19. अकबर द्वारा धार्मिक चर्चा हेतु इबादत खाने की स्थापना कहाँ की गयी थी?

(अ) आगरा
(ब) दिल्ली
(स) लाहौर
(द) फतेहपुर सीकरी

 उत्तर- (द) फतेहपुर सीकरी
20. छत्रपति शिवाजी को 'राजा' की उपाधि किसके द्वारा प्रदान की गयी थी?

(अ) जयसिंह
(ब) शाहजहां
(स) औरंगजेब
(द) शाइस्ता खां

 उत्तर- (स) औरंगजेब
21. शुद्ध इस्लामिक शैली में निर्मित भारत का प्रथम मकबरा कौन-सा है?

(अ) शाहजहां का मकबरा
(ब) हुमायूं का मकबरा
(स) शेरशाह सूरी का मकबरा
(द) बलबन का मकबरा

 उत्तर- (द) बलबन का मकबरा
22. निम्न में से कौन मराठा साम्राज्य का अंतिम पेशवा था?

(अ) बाजीराव द्वितीय
(ब) बाला जी विश्वनाथ
(स) माधवराव
(द) नारायण राव

 उत्तर- (अ) बाजीराव द्वितीय
23. 'सन्न' नामक संस्था की स्थापना भक्ति आंदोलन के समय किसने की थी?

(अ) रामानुजाचार्य
(ब) शंकर देव
(स) श्री वल्लभ
(द) शंकराचार्य

 उत्तर- (ब) शंकर देव
24. अवध में स्वतंत्र राज्य की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?

(अ) सादुल्ला खां
(ब) चिनकिलिच खां
(स) सआदत खां
(द) मुर्शीद कुली खां

 उत्तर- (स) सआदत खां
25. बंगाल में स्वतंत्र राज्य की स्थापना किसके द्वारा की गयी थी?

(अ) मुर्शीद कुली खां
(ब) सादुल्ला खां
(स) अलीवर्दी खां
(द) मीर कासिम

 उत्तर- (अ) मुर्शीद कुली खां
26. खगोल शास्त्र से संबंधित ग्रंथ 'जिज मुहम्मद शाही' की रचना किसके द्वारा की गयी थी?

(अ) जहांगीरशाह
(ब) औरंगजेब
(स) मिर्जा जयसिंह
(द) चूड़ामल

 उत्तर- (स) मिर्जा जयसिंह
27. निम्न में से किस आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान हैदर अली की मृत्यु हो गयी थी?

(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) तृतीय
(द) चतुर्थ

 उत्तर- (ब) द्वितीय
28. निम्न में से किस सिख गुरु की मृत्यु अल्पवयस्क अवस्था में ही हो गयी थी?

(अ) हरगोबिंद
(ब) हरराय
(स) हरकिशन
(द) गोविंद सिंह

 उत्तर- (स) हरकिशन
29. 'सरदेशमुखी' राज्यों की आय-का-कितना भाग होता था?

(अ) 1/11
(ब) 1/8
(स) 1/12
(द) 1/10

 उत्तर- (द) 1/10
30. सिक्खों की पंथ का विभाजन कितनी मिसलों में हुआ है?

(अ) 10
(ब) 11
(स) 12
(द) 14

 उत्तर- (स) 12
31. 'वसीन की संधि' किस वर्ष की गयी थी?

(अ) 1775 ई.
(ब) 1779 ई.
(स) 1803 ई.
(द) 1802 ई.

 उत्तर- (द) 1802 ई.
32. शिवाजी के अष्टप्रधान में 'वाक्यानवीस' किस विभाग का प्रमुख था?

(अ) विदेश मंत्री
(ब) प्रधानमंत्री
(स) दान
(द) सूचना एवं गुप्तचर

 उत्तर- (द) सूचना एवं गुप्तचर
33. मुगल काल में सर्वाधिक प्रचलन वाला सिक्का कौन-सा था?

(अ) दाम
(ब) इलाही
(स) जीतल
(द) रुपया

 उत्तर- (ब) इलाही (सोने का सिक्का)
34. शेरशाह सूरी को शेर खां की उपाधि किसके द्वारा दी गयी थी?

(अ) हुमायूं
(ब) सिकंदर लोदी
(स) बाबर
(द) बहार खां लोहानी

 उत्तर- (द) बहार खां लोहानी
35. पानीपत के तृतीय युद्ध के समय कौन-से मुगल शासक का शासन था?

(अ) फर्रुखशियर
(ब) मुहम्मद शाह
(स) शाहआलम द्वितीय
(द) बहादुरशाह

 उत्तर- (स) शाहआलम द्वितीय
36. 'किला-ए-कुन्हा' मस्जिद का निर्माण किस शासक ने करवाया था?

(अ) सिकंदर लोदी
(ब) शेरशाह सूरी
(स) हुमायूं
(द) अकबर

 उत्तर- (ब) शेरशाह सूरी
37. मुगल काल में 'मदद-ए-माश' किस प्रकार की भूमि का प्रकार था?

(अ) अनुदान में दी जाने वाली भूमि
(ब) खालसा भूमि
(स) जागीर भूमि
(द) बंजर भूमि

 उत्तर- (अ) अनुदान में दी जाने वाली भूमि
38. 'शाहे बेखबर' के नाम से किस मुगल बादशाह को जाना जाता है?

(अ) मुहम्मद शाह
(ब) बहादुरशाह
(स) फर्रुखसियर
(द) अकबर द्वितीय

 उत्तर- (ब) बहादुरशाह
39. निम्न में से किसे 'शाह बुलंद इकबाल' के रूप में जाना जाता है?

(अ) दारा शिकोह
(ब) औरंगजेब
(स) अकबर
(द) शाहजहां

 उत्तर- (अ) दारा शिकोह
40. अकबर के द्वारा 'दास प्रथा का अंत' किस वर्ष किया गया था?

(अ) 1576 ई.
(ब) 1562 ई.
(स) 1581 ई.
(द) 1571 ई.

 उत्तर- (ब) 1562 ई.
41. 'निसार' नामक सिक्के का चलन किस मुगल शासक के द्वारा किया गया था?

(अ) अकबर
(ब) शाहजहां
(स) जहांगीर
(द) औरंगजेब

 उत्तर- (स) जहांगीर
42. 'विशिष्टाद्वैत' मत के प्रवर्तक कौन हैं?

(अ) शंकराचार्य
(ब) निथार्काचार्य
(स) महावाचार्य
(द) रामानुजाचार्य

 उत्तर- (द) रामानुजाचार्य
43. ब्रम्हा-संप्रदाय के संस्थापक कौन हैं?

(अ) रामानुजाचार्य
(ब) विष्णु स्वामी
(स) मध्वाचार्य
(द) श्री कंठ

 उत्तर- (स) मध्वाचार्य
44. निम्न में से किसने 'वेदमार्ग प्रतिष्ठापक' की उपाधि ग्रहण की थी?

(अ) हरिहर प्रथम
(ब) बुक्का प्रथम
(स) देवराय
(द) कृष्णदेवराय

 उत्तर- (ब) बुक्का प्रथम
45. 'मुजाहिद' के नाम से किस सूफी संत को जाना जाता है?

(अ) निजामुद्दीन औलिया
(ब) ख्वाजा अब्दुल्ला
(स) मोइनउद्दीन चिश्ती
(द) शेख अहमद सर हिंदी

 उत्तर- (द) शेख अहमद सर हिंदी
46. गोलकुण्डा में किस प्रकार का मुस्लिम शासन था?

(अ) कुतुबशाही
(ब) निजामशाही
(स) आदिलशाही
(द) इमादशाही

 उत्तर- (अ) कुतुबशाही
47. किस सल्तनत कालीन शासक ने रैयत-ए-आला की उपाधि ग्रहण की थी?

(अ) मुखारक शाह
(ब) बहलोल लोदी
(स) सिकंदर लोदी
(द) खिज़्र खां

 उत्तर- (द) खिज़्र खां
48. सल्तनत प्रशासन में कृषि विभाग को क्या कहा जाता था?

(अ) दीवान-ए-मुस्तखराज
(ब) दीवान-ए-इशा
(स) दीवान-ए-आरिज
(द) दीवान-ए-अमीरकोही

 उत्तर- (द) दीवान-ए-अमीरकोही
49. 'रोज़गार व्यूरो एवं दारुलशफा' किस सुल्तान ने स्थापित किये थे?

(अ) मुहम्मद बिन तुगलक
(ब) फिरोजशाह तुगलक
(स) ग्यासुद्दीन तुगलक
(द) अलाउद्दीन खिलजी

 उत्तर- (ब) फिरोजशाह तुगलक
50. 'मुवईयान' नामक पद्यशैली का जन्मदाता किसे माना जाता है?

(अ) अकबर
(ब) बाबर
(स) हुमायूं
(द) जहांगीर

 उत्तर- (ब) बाबर

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधी विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

आर्थिक सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से कौनसा कथन/कौनसे कथन घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने से संबंधित है?

- (1) मोबाइल फोन में घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ाना।
 - (2) चिकित्सा उपकरणों के आयातों पर सीमा शुल्क के माध्यम से प्रभावशाली स्वास्थ्य उपकरण लगाना।
- सही उत्तर चुनिये -
- (अ) केवल कथन 1
 - (ब) केवल कथन 2
 - (स) दोनों कथन
 - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (स) दोनों कथन

व्याख्या - विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने से घरेलू मूल्य संवर्धन होता है, उसी प्रकार आयात शुल्क लगाने से भी घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिलता है।

2. अमृत (AMRUT) योजना के बारे में निम्न कथनों पर विचार करके सही उत्तर बताइये?

- (1) इस योजना के तहत सार्वभौमिक जल आपूर्ति प्राप्त करने की परिकल्पना की गई है।
 - (2) इसके तहत सीवेज और सेप्टेज सुविधाओं के विस्तार की भी कल्पना की गई है।
- (अ) केवल पहला कथन सत्य है।
 - (ब) केवल दूसरा कथन सत्य है।
 - (स) दोनों कथन सत्य हैं।
 - (द) दोनों कथन असत्य हैं।

उत्तर - (स) दोनों कथन सत्य हैं।

व्याख्या - अमृत अर्थात् अटल मिशन फॉर रेजुवनेशन एण्ड अर्थन ट्रान्सफॉर्मेशन में उपरोक्त दोनों सुविधाओं की परिकल्पना की गई है।

3. हरित भारत मिशन के उद्देश्य हैं?

- (अ) भारत में हरित आवरण बढ़ाना
- (ब) वन आधारित आजीविका आय बढ़ाना
- (स) पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में सुधार करना
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (द) उपरोक्त सभी

व्याख्या - हरित भारत मिशन के अंतर्गत भारत में हरित आवरण को पांच मिलियन हेक्टेयर तक बढ़ाना तथा 5 मिलियन हेक्टेयर अतिरिक्त हरित आवरण की गुणवत्ता में सुधार करना, जैव विविधता, हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं तथा कार्बन में कमी सहित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को सुधारना शामिल है।

4. माइक्रो, स्माल, मीडियम उद्यम (MSME) के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है?

- (अ) सकल घरेलू उत्पाद में इस क्षेत्र का योगदान 70 प्रतिशत है
- (ब) निर्यातों में इस क्षेत्र का योगदान लगभग 40 प्रतिशत है
- (स) उपरोक्त दोनों
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (ब) निर्यातों में इस क्षेत्र का योगदान लगभग 40 प्रतिशत है

व्याख्या - निर्यातों में 40% तथा सकल घरेलू उत्पाद में इनका योगदान 28% है।

5. जीवन सुगमता सूचकांक किसने जारी

किया है?

- (अ) विश्व बैंक
- (ब) संयुक्त राष्ट्र
- (स) आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय
- (द) भारतीय रिज़र्व बैंक

उत्तर - (स) आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय

व्याख्या - ईज़ ऑफ़ लिविंग सूचकांक या जीवन सुगमता सूचकांक में 100 स्मार्ट शहरों तथा 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 14 अन्य शहरों में नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता का आकलन किया जाता है। EOLT-19 तीन स्तंभ-जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक क्षमता और स्थिरता के बारे में ईज़ ऑफ़ लिविंग की गणना करेगा।

6. कृषि उद्धान योजना के लिये निम्न में से कौनसा/कौनसे कथन सत्य हैं?

- (अ) इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है
- (ब) इसे केवल राष्ट्रीय मार्गों पर ही चलाया जायेगा
- (स) यह उत्तर पूर्व क्षेत्र में कृषि उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता करेगी
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (स) यह उत्तर पूर्व क्षेत्र में कृषि उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता करेगी।

व्याख्या - वास्तव में कृषि उद्धान योजना की घोषणा 20-21 के बजट में की गई है। इसका संचालन राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय दोनों मार्गों पर किया जायेगा। इसी योजना के साथ भारतीय रेलवे द्वारा 'किसान रेल' भी प्रारम्भ की गई है। ताकि खराब होने वाली वस्तुओं को बिना किसी बाधा वाली राष्ट्रीय शीत आपूर्ति श्रृंखला उपलब्ध हो सके।

7. निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम के संबंध में असत्य कथन है?

- (अ) भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है
- (ब) सहकारी बैंक के निक्षेपों को यह कवर नहीं करता है
- (स) इसके अंतर्गत ग्राहकों को 5 लाख रु. तक की जमाओं का बीमा किया जाता है
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (ब) सहकारी बैंक के निक्षेपों को यह कवर नहीं करता है।

व्याख्या - सहकारी बैंक भी इसके अंतर्गत आते हैं। इसके अंतर्गत ग्राहकों को बचत खाते, आवर्ती जमा खाते व सावधि जमा खातों की 5 लाख रु. तक की जमा का बीमा किया जाता है।

8. किसी भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में निम्न में से क्या सम्मिलित होता है?

- (अ) विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर)
- (ब) स्वर्ण भंडार
- (स) विदेशी परिसंपत्तियां (शेयर, डिबेंचर, बॉण्ड, विदेशी मुद्राएं)
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (द) उपरोक्त सभी

व्याख्या - विदेशी मुद्रा भंडार को आरक्षित निधियों का भंडार भी कहा जाता है। उपरोक्त तीन तत्वों के अतिरिक्त इसमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में जमा उस देश की मुद्रा होती है, जिसका उपयोग वे देश अपने स्वयं के प्रयोजनों के लिये कर सकते हैं। इसे रिज़र्व कोष कहा जाता है।

9. भारत की जनसंख्या की औसत आयु कितनी है?

- (अ) 29 वर्ष
- (ब) 25 वर्ष
- (स) 40 वर्ष
- (द) 55 वर्ष

उत्तर - (अ) 29 वर्ष

व्याख्या - अमेरिका में यह 40 वर्ष, यूरोप में 46 वर्ष तथा जापान में 47 वर्ष है। इस जनांकिकी लाभान्श के अगले 25 वर्षों तक बने रहने की आशा है।

10. वैश्विक नवाचार सूचकांक 2019 के अनुसार भारत का स्थान कौनसा है?

- (अ) 40
- (ब) 52
- (स) 57
- (द) 65

उत्तर - (ब) 52

व्याख्या - इस सूचकांक में 129 देशों को सम्मिलित किया गया है। इसका प्रकाशन विश्व बौद्धिक संपदा संगठन और कानैल यूनिवर्सिटी द्वारा किया जाता है।

11. यात्रा तथा पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक कौन जारी करता है?

- (अ) विश्व बैंक
- (ब) भारत सरकार
- (स) विश्व आर्थिक मंच
- (द) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

उत्तर - (स) विश्व आर्थिक मंच

व्याख्या - भारत 2019 में विश्व के 140 देशों में 34वें स्थान पर था।

12. 'कॉमन सर्विस सेंटर' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये?

- (1) इनका उद्देश्य गांवों में रहने वाले लोगों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की आसानी से पहुंच प्रदान करना है।
 - (2) यह कार्यक्रम श्रम मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा है।
- उपरोक्त कथनों में से कौनसे/कौनसा कथन सत्य है -
- (अ) केवल 1
 - (ब) केवल 2
 - (स) दोनों सत्य हैं
 - (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (अ) केवल 1

व्याख्या - इसके माध्यम से सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर ऑनलाइन रिटेल चैन बनाई गई है। इसके माध्यम से सरकार 3.8 लाख आउटलेट्स के माध्यम से 60 करोड़ से भी अधिक लोगों तक डिजिटल पहुंच बना रही है। यह आउटलेट्स निजी व्यक्तियों द्वारा स्थापित और संचालित किये जाते हैं। यह इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी प्रकल्प के अंतर्गत कार्य करते हैं। एप का संचालन VLE

अर्थात् ग्रामीण स्तर के उद्यमी करते हैं। यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का अंग है। इसकी शुरुआत सितम्बर 2006 में नागरिकों को ई-सेवा देने के लिये की गई थी। 2015 में कॉमन सर्विस सेंटर 2.0 योजना, सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंच बनाने के लिये शुरू की गई थी।

13. 'रूपे' एक भारतीय घरेलू डेबिट कार्ड है, जिसका प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया है?

- (अ) एनपीसीआई
- (ब) नाबार्ड
- (स) भारतीय रिज़र्व बैंक
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (अ) एनपीसीआई

व्याख्या - नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का उत्पाद है, जो देश में खुदरा भुगतानों को संचालित करने वाली संस्था है। रूपे भारत का पहला स्वदेशी डेबिट और क्रेडिट कार्ड भुगतान नेटवर्क है।

14. हरित कौशल विकास कार्यक्रम किस मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है ?

- (अ) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
- (ब) पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
- (स) तकनीकी शिक्षा मंत्रालय
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (ब) पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

व्याख्या - पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण एवं वन क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा देना है, ताकि रोजगार सृजित हो सकें।

15. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना किस मंत्रालय की योजना है?

- (अ) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय
- (ब) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
- (स) तकनीकी शिक्षा मंत्रालय
- (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर - (अ) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

व्याख्या - इस योजना का उद्देश्य भारतीय युवाओं को उद्योग संबंधी कौशल प्रदान करना है।

16. हाल ही में 'जैविक खेती' पोर्टल शब्द का उपयोग अत्यधिक किया जा रहा है। यह किससे संबंधित है?

- (अ) यह एक ऑनलाइन राष्ट्रीय जैविक उत्पादों का बाजार है
- (ब) यह योजना कृषकों को कृषि आदानों पर प्रोत्साहन देती है
- (स) यह स्थायी कृषि का एक तरीका है
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (अ) यह एक ऑनलाइन राष्ट्रीय जैविक उत्पादों का बाजार है

व्याख्या - जैविक खेती पोर्टल, एमएसटीसी, कृषि मंत्रालय तथा कृषि विभाग की एक पहल है। यह ई-कॉमर्स का पोर्टल है, जो जैविक कृषि को अपनी जैविक उपज को बेचने का वन स्टॉप समाधान है।

17. निम्नलिखित में से कौनसी योजना/मिशन गरीबों पर बीमारी के बोझ को कम करती है?

- (अ) मिशन इन्द्रधनुष
- (ब) मिशन जल जीवन
- (स) मिशन स्वच्छ भारत
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (द) उपरोक्त सभी

व्याख्या - मिशन इन्द्रधनुष स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा टीकाकरण के लिये प्रारम्भ किया गया है, जिसमें 12 बीमारियों को सम्मिलित किया गया है। जल जीवन मिशन - जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया है। इसका लक्ष्य 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों को व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाना है।

स्वच्छ भारत मिशन व्यापक स्वच्छता का कार्यक्रम है। अतः यह तीनों मिशन गरीबों पर बीमारी का बोझ कम करेंगे।

18. राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के संदर्भ में निम्न में से कौनसे कथन/कौनसा कथन सत्य है?

- (अ) इस कार्यक्रम का उद्देश्य दूध उत्पादन को बढ़ाना है
- (ब) इसमें गोवंश की सभी नस्लों को सम्मिलित किया गया है
- (स) यह एक आनुवंशिक उन्नयन कार्यक्रम है
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (द) उपरोक्त सभी

व्याख्या - यह कार्यक्रम पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया था। इसमें उच्च गुणवत्ता वाले बीज के साथ दुधारु पशुओं की आनुवंशिक योग्यता में सुधार हेतु कम लागत वाली प्रजनन तकनीक का उपयोग किया जाता है।

19. वर्ष 2019-20 में चालू कीमतों पर सकल मूल्य वर्धन में कृषि एवं सहायक क्षेत्रों का हिस्सा कितने प्रतिशत है?

- (अ) 16.5 प्रतिशत
- (ब) 18.2 प्रतिशत
- (स) 19 प्रतिशत
- (द) 35 प्रतिशत

उत्तर - (अ) 16.5 प्रतिशत

व्याख्या - गैर कृषि क्षेत्रों के अपेक्षाकृत उच्च विकास प्रक्रिया का स्वाभाविक परिणाम सकल मूल्य वर्धन में कृषि क्षेत्र का योगदान घटना होता है। वर्ष 2014-15 में यह 18.2 प्रतिशत था। इसी के साथ वर्तमान में बागवानी का उत्पादन भी कृषि उत्पादन से अधिक हो गया है।

20. स्टूडेंट स्टार्टअप निधि किस मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ की गई है?

- (अ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
- (ब) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
- (स) मानव विकास मंत्रालय
- (द) उपरोक्त सभी

उत्तर - (अ) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

व्याख्या - इसका उद्देश्य प्रत्येक वर्ष 20 छात्र स्टार्टअप को 10 लाख रुपये (प्रति छात्र) की आर्थिक सहायता देना है।

- डॉ. माया राठी

(लेखिका, अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)



फीफा विश्वकप क्वालिफायर

आठ अक्टूबर को होगा

भारत और कतर का मुकाबला

नई दिल्ली, भारत और कतर के बीच फीफा विश्वकप क्वालिफायर मुकाबला अब 8 अक्टूबर को खेला जाएगा। पहले यह मुकाबला 26 मार्च को भुवनेश्वर में आयोजित होना था, लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। एशियन फुटबॉल परिषद ने फीफा के साथ सलाह करके नई तिथियां घोषित की हैं। नई तिथियों के तहत भारतीय टीम 12 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ तथा 17 नवंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी।

बहरीन की धाविका नसेर डोपिंग के मामले में निलंबित

मनामा, बहरीन की धाविका सल्वा ईद नसेर पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने कहा कि नसेर ने डोप टेस्ट के लिए सैंपल नहीं दिए थे। यदि नसेर पर डोपिंग के आरोप साबित होते हैं, तो उन पर दो वर्ष का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। नसेर ने वर्ष 2015 में वर्ल्ड यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर सभी को प्रभावित किया था। नसेर ने वर्ष 2019 में एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में 400 मीटर रेस में 48.14 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। वे वर्ष 2018 के एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

गोमती मैरिमुथु डोप टेस्ट में हुई असफल

नई दिल्ली, भारत की फर्राटा धाविका गोमती मैरिमुथु डोप टेस्ट में असफल रही है। इसके बाद वर्ल्ड एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट ने मैरिमुथु पर चार वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध 17 मई 2019 से 16 मई 2023 तक प्रभावी रहेगा। साथ ही मैरिमुथु को एक लाख रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। मैरिमुथु ने वर्ष 2019 में दोहा में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 800 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। डोप टेस्ट में फेल होने के बाद उनसे यह पदक वापस ले लिया गया है।

कोनोर मैकग्रेगोर ने तीसरी बार लिया संन्यास

डबलिन, आयरलैंड के मिश्रित मार्शल आर्ट खिलाड़ी कोनोर मैकग्रेगोर ने संन्यास लेने की घोषणा की है। मैकग्रेगोर ने पिछले चार साल में तीसरी बार खेल से संन्यास लिया है। मैकग्रेगोर ने ट्विटर के जरिए संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा कि मैंने फाइटिंग से संन्यास लेने का फैसला किया है। इतनी शानदार यादों के लिए सभी खेलप्रेमियों का शुक्रिया। मैकग्रेगोर दो बार यूएफसी की अलग-अलग लाइटवेट और फेडरल कैटेगरी में विश्व चैंपियन रह चुके हैं। मैकग्रेगोर ने पहली बार अप्रैल 2016 में संन्यास लिया था, लेकिन चार महीने बाद ही उन्होंने वापसी करते हुए एड्री अल्वारेज को हराकर यूएफसी लाइटवेट चैंपियनशिप जीती। उन्होंने मार्च 2019 में संन्यास लिया था और वर्ष 2020 की शुरुआत में रिंग में वापसी की थी।

क्रिकेट के नियमों में बदलाव

आईसीसी ने कोरोना सख्तीट्यूट नियम को दी मंजूरी



- टेस्ट मैच में अब दोनों टीमों को एक-एक अतिरिक्त डीआरएस मिलेगा।
- टेस्ट मैचों में टीमों को दोनों पारियों में अब 3-3 डीआरएस मिलेंगे, वहीं वन-डे तथा ट्वेंटी-20 में 2-2 डीआरएस मिलेंगे।
- खिलाड़ियों की टेस्ट जर्सी पर 32 इंच का अतिरिक्त लोको लगाया जायेगा। लोको लगाने से क्रिकेट बोर्ड को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।
- क्रिकेट में गेंद को पसीने से चमकाने की अनुमति होगी।
- क्रिकेट मैच के दौरान खिलाड़ी जश्न मनाने के लिये न हाथ मिला सकेंगे और न ही गले मिल सकेंगे।

गेंद पर लार लगाने पर होगा प्रतिबंध

आईसीसी की क्रिकेट समिति द्वारा गेंद पर लार के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की गई थी। आईसीसी ने इस अनुशंसा को स्वीकार करते हुए मैच के दौरान गेंद को लार से चमकाने पर प्रतिबंध लगाया है। आईसीसी ने कहा कि क्रिकेट मैच में गेंद को चमकाने के लिये लार के इस्तेमाल की अनुमति नहीं रहेगी। अगर कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो मैदानी अंपायर उस खिलाड़ी को टोकेंगे। अगर खिलाड़ी बार-बार यह नियम तोड़ता है, तो अंपायर पूरी टीम को चेतावनी देंगे।

सैंपल देने से इनकार करने पर लगेगा चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने कहा है कि अगर कोई खिलाड़ी कोरोना वायरस की आड़ लेकर जानबूझकर डोपिंग टेस्ट के लिये सैंपल देने से इनकार करता है या आनाकानी करता है, तो उस पर चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया जायेगा। नाडा ने कहा कि एथलीट घर आने वाले डोप कंट्रोल ऑफिसर्स (डीसीओ) को सैंपल देने से इनकार नहीं कर सकता है।

नाडा द्वारा दी गई गाइडलाइंस के अनुसार, टोक्यो ओलिंपिक के संभावितों की ड्रग टेस्टिंग की जा रही है। साथ ही देश में खेल गतिविधियों को भी दोबारा

शुरू करने की तैयारी की जा रही है। नाडा ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी डोप कंट्रोल ऑफिसर को सैंपल सौंपते समय दस्ताने और डिस्पोजेबल फेस कवर नहीं पहनेंगे या हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल नहीं करता है, तो इसे दंडनीय अपराध माना जायेगा।

नाडा ने खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिये डोप कंट्रोल ऑफिसर्स को भी विशेष सावधानियां बरतने के निर्देश दिये हैं। नाडा ने कहा कि ऑफिसर्स को विजिट की सुबह और शाम को स्व प्रत्यापन करना होगा कि उनमें कोरोना संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं।

भारत करेगा फुटबॉल महिला एशिया कप-2022 की मेजबानी



लिया है। यह टूर्नामेंट फीफा महिला विश्वकप 2023 के लिये अंतिम क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट भी होगा।

एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने कहा कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने से देश में फुटबॉल लोकप्रिय होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत को कई बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट्स की मेजबानी मिली है।

भारत ने वर्ष 2016 में एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप और वर्ष 2017 में फीफा अंडर-17 विश्वकप की सफल मेजबानी की है। इसके अलावा भारत को इस वर्ष फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप की मेजबानी भी सौंपी गई थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह टूर्नामेंट अब अगले वर्ष आयोजित होगा।

- भारत 44 वर्ष बाद महिला एशिया कप की मेजबानी करेगा।
- भारत में वर्ष 1979 में यह टूर्नामेंट आयोजित हो चुका है।
- भारत इस टूर्नामेंट में उपविजेता रहा था।

माइकल क्लार्क को मिला ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड

सिडनी, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। क्लार्क को यह अवॉर्ड एक खिलाड़ी के तौर पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में बेहतरीन सेवाएं देने के लिए दिया गया है। इसके साथ ही क्लार्क बॉबी सिम्पसन, एलन बॉर्डर, मार्क टेलर, स्टीव वॉ और रिकी पॉटिंग जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यह अवॉर्ड मिल चुका है। अवॉर्ड पर प्रतिक्रिया देते हुए क्लार्क ने कहा कि मैं बहुत हैरान हूं, लेकिन बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। क्लार्क वर्ष 2015 में वनडे विश्वकप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान रहे हैं।

किलियन एमबाप्पे बने विश्व के मोस्ट वैल्यूएबल खिलाड़ी

पेरिस, फ्रांस के युवा फुटबॉलर किलियन एमबाप्पे विश्व के सबसे महंगे यानी मोस्ट वैल्यूएबल खिलाड़ी बन गये हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स स्टडीज (सीआईएस) फुटबॉल ऑब्जरवेटरी द्वारा जारी एक रिपोर्ट में किलियन एमबाप्पे को सबसे महंगा फुटबॉलर आंका गया है। रिपोर्ट में एमबाप्पे की वैल्यू 259.2 मिलियन पाउंड (लगभग 2490 करोड़ रुपये) आंकी गई है। इस रिपोर्ट में विश्व के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी 22वें तथा क्रिस्टियानो रोनाल्डो 70वें पायदान पर काबिज हैं।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप वर्ष 2022 तक हुई स्थगित

यांकटन, कोरोना महामारी के कारण विश्व तीरंदाजी फील्ड चैंपियनशिप को वर्ष 2022 तक स्थगित कर दिया गया है। यह प्रतियोगिता इस वर्ष सितम्बर माह में अमेरिका के यांकटन में आयोजित होनी थी। विश्व तीरंदाजी संघ ने कहा कि एथलीटों की सुरक्षा के कारण लागू प्रतिबंधों को देखते हुए इस चैंपियनशिप को स्थगित किया गया है।

न्यूजीलैंड ने अंडर-17 महिला विश्वकप में बनाई जगह

वेलिंगटन, न्यूजीलैंड ने फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप में जगह बना ली है। ओशेनिया क्षेत्र से एकमात्र प्रतिनिधि के तौर पर नामांकित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड को विश्वकप में जगह मिली। इसके साथ ही न्यूजीलैंड फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप में जगह बनाने वाला चौथा देश बन गया है। टूर्नामेंट का मेजबान होने के नाते भारत पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, वहीं एशियाई क्वालिफायर के जरिए जापान और उत्तर कोरिया भी क्वालिफाई कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट अगले वर्ष 17 फरवरी से 7 मार्च तक खेला जाएगा।

यूएस ओपन में खेलने के नियम काफी सख्त-जोकोविच

न्यूयॉर्क, विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा है कि यूएस ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में बनावट नियम काफी सख्त हैं। उन्होंने कहा कि यूएस ओपन के नियम काफी कठोर हैं। नियमों के तहत हमें न्यूयॉर्क एयरपोर्ट के पास के होटलों में रहना होगा। सप्ताह में दो से तीन बार कोरोना टेस्ट कराना पड़ेगा। इस दौरान हमें बिना कोच और फिटनेस ट्रेनर के ट्रेनिंग करनी होगी जो कि बेहद मुश्किल होगा। उल्लेखनीय है कि यूएस ओपन का आयोजन 24 अगस्त से 13 सितम्बर तक होगा। अमेरिका टेनिस संघ (यूएसटीए) ने कहा कि वह टूर्नामेंट को तय समय पर आयोजित कराना चाहते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)



न्यूयॉर्क में सामान्य हो रही जिंदगी

कोरोना महामारी में अमेरिका के कुछ शहर बुरी तरह से न केवल प्रभावित हुए थे, बल्कि वहाँ का जनजीवन ठप्प हो गया था। लेकिन अब वहाँ जीवन की रफ्तार लौट रही है। न्यूयॉर्क की जिन्दगी भी सामान्य हो रही है। लोगों ने काम पर लौटना शुरू कर दिया है। अमेरिका के इस सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर में लोगों को लॉकडाउन से मुक्ति मिली, तो बाजार में भी रौनक लौट आयी। वहीं कैलिफोर्निया में सिनेमाघर खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही फ्लोरिडा के मियामी में समुद्र तट भी खोल दिये गये हैं।

न्यूजीलैंड

कोरोना मुक्त हुआ



न्यूजीलैंड कोरोना संक्रमण से मुक्त देश बन गया है। प्रधानमंत्री जेसिंटा अर्देन ने इसकी घोषणा की। न्यूजीलैंड में करीब सात हफ्ते सख्त लॉकडाउन रहा। इसके बाद धीरे-धीरे ढील दी गई।

● आखिरी मामला 22 मई, 2020 को आया था। उसके बाद से कोई मामला नहीं आया।

न्यूजीलैंड की आबादी 50 लाख से भी कम है। यहाँ कोरोना के कुल 1154 मामले सामने आये थे। 22 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही करीब तीन लाख लोगों का टेस्ट किया गया। कोरोना से जंग के लिये यहाँ चार सूत्रीय कार्यक्रम बनाया गया था।

यूएस एयरफोर्स

पहले अश्वेत चीफ बने जनरल चार्ल्स ब्राउन

अमेरिकी सीनेट ने जनरल चार्ल्स ब्राउन जूनियर को वायु सेना का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। इसी के साथ वे अमेरिका की सैन्य सेवाओं में से एक का नेतृत्व करने वाले पहले अश्वेत अधिकारी बन गए हैं। वे जनरल गोल्डफिन का स्थान लेंगे। चार्ल्स लड़ाकू विमान के पायलट हैं। उन्हें 2900 घंटे से अधिक समय तक विमान उड़ाने का अनुभव है। वे यूएस पैसिफिक एयरफोर्स के कमांडर रह चुके हैं। 1984 में वे वायुसेना में शामिल हुए थे। उपराष्ट्रपति माइक पेस ने सीनेट में मतदान की अध्यक्षता की थी। उन्होंने इस पद को ऐतिहासिक बताया है।



पहला ऑनलाइन शिखर सम्मेलन

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए करार

कोरोना संक्रमण के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला ऑनलाइन शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने पहली वर्चुअल समिट में भाग लिया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका अहम रहेगी। दोनों देशों ने आतंकवाद के बढ़ते खतरे, हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन सुरक्षा चुनौतियों तथा कोरोना वायरस महामारी से निपटने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों के प्रमुख ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे।



- स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक में मेरी टाइम (समुद्री) सहयोग बढ़ाने का ऐलान किया गया।
- दोनों देशों के बीच साइबर और साइबर इनेबलड क्रिटिकल टेक्नोलॉजी, माइनिंग-क्रिटिकल मिनरल्स की प्रोसेसिंग में सहयोग, डिफेंस साइंस और टेक्नोलॉजी में सहयोग, वोकेशनल एजुकेशन और ट्रेनिंग में सहयोग और वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट के लिए करार हुए।

यूएनएससी अस्थायी सदस्य चुनाव

भारत ने अपनी दावेदारी के पक्ष में शुरू किया अभियान

भारत सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के तौर पर जनवरी 2021 से कार्य करने के लिए तैयार है। सुरक्षा परिषद की

- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी सीट सुरक्षित करने के लिए भारत की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए एक विवरण पुस्तिका भी लॉन्च की।

पाँच अस्थाई सीटों के लिये 17 जून को चुनाव होने वाले हैं। भारत अगर चुना जाता है तो यह आठवाँ कार्यकाल होगा, जो दो साल के लिये जनवरी 2021 से शुरू होगा। भारत ने अपनी दावेदारी के पक्ष में अभियान शुरू कर दिया है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से इकलौते दावेदार भारत का निर्वाचन तय माना जा रहा है।

ज्ञात रहे कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) में 15 सदस्य होते हैं।



पाँच स्थायी (चीन, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस) और शेष 10 अस्थायी। भारत के साथ पाँच नए देशों को अस्थायी सदस्य के तौर पर चुना जाना है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की दावेदारी के पक्ष में अभियान शुरू करते हुये अस्थायी सदस्य के तौर पर भारत की

प्राथमिकताएँ गिनाईं। विकासशील देशों के बीच अपनी दावेदारी को और मजबूत करते हुये उन्होंने कोविड-19 से पैदा हुई चुनौतियों का जिक्र किया और कहा कि इससे जो हालात पैदा हुए हैं, वे अप्रत्याशित हैं। भारत कोविड-19 से लड़ाई में विकासशील देशों की मदद करेगा।

कोरोना वायरस पर चीन ने जारी किया श्वेत-पत्र

कोविड-19 की जानकारी न देने के आरोप से बचने के लिए और खुद को निरपराध साबित करने के लिए



चीन ने एक श्वेत-पत्र जारी किया है। उसमें कहा गया है कि दिसंबर अंत में वुहान में संक्रमण की जानकारी सामने आयी थी और जनवरी में ही वायरल निमोनिया और इंसान से इंसान में संक्रमण फैलने के बारे में जानकारी प्राप्त हुई थी। उसने तमाम आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसके बारे में जो बातें दुनिया भर में फैलायी जा रही हैं, वे निराधार हैं।

किम जोंग उन ने

दक्षिण कोरिया से संबंध तोड़े

उत्तर कोरिया ने कहा है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया से अपने सभी संबंध तोड़ रहा है। उसने शुरुआती तौर पर सियोल से सभी सैन्य और राजनीतिक संबंधों को खत्म कर लिया है। दक्षिण कोरिया से नाराज उत्तर कोरिया ने हाल ही में धमकी दी थी कि अगर दक्षिण कोरिया अपने कार्यकर्ताओं को उत्तर कोरिया के खिलाफ पर्चे भेजने और प्योंगयांग विरोधी अन्य सामग्री को उत्तर कोरिया में भेजने से नहीं रोकता तो वो सभी संपर्क बंद कर देगा। ज्ञात रहे कि ये माना जा रहा है कि किम जोंग के नेतृत्व में परमाणु मिसाइलों से लैस पनडुब्बी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। 27 मई 2020 को प्लैनेट लेक्स द्वारा जारी कुछ तस्वीरों में इस बात का खुलासा हुआ है



साथ ही खबर है कि कुछ दिन पहले सेना के साथ हुयी बैठक में तैयारी की समीक्षा भी की गई थी।

नाइजीरिया

बोको हराम ने की 69 लोगों की हत्या



आतंकी संगठन बोको हराम ने नाइजीरिया के उत्तर पूर्वी हिस्सों में 69 लोगों की हत्या कर दी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार कुछ सप्ताह पहले भी हमला किया गया था, जिसका विरोध करने पर ही गुबिओ इलाके में फोदुमा कोलोमिया गाँव में दोबारा हमला किया गया। स्थानीय रक्षा बल के अनुसार आतंकी मोटर साइकिल और अन्य वाहनों पर सवार होकर आए थे और दो घंटे तक भीषण हमला किया। गुबिओ, बोरनो राज्य की राजधानी मैदगुडी से उत्तर पश्चिम में करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

मिनियापोलिस सिटी काउंसिल ने भंग किया पुलिस विभाग

अमेरिका में मिनियापोलिस शहर की नगर परिषद ने बहुमत के साथ स्थानीय पुलिस विभाग को खत्म करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि पुलिस हिरासत में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के विरोध में हुए प्रदर्शनों में भी लोगों ने ऐसी ही मांग की थी। मिनियापोलिस की नगर परिषद के 13 में से 9 पार्षदों ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा का एक नया मॉडल



बनाया जाएगा। विश्लेषकों का मानना है कि मिनियापोलिस के पुलिस विभाग को भंग करने की प्रक्रिया जटिल होगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

हमसे पूछिए



पाठकों के लिए 'हमसे पूछिये' स्तम्भ का प्रकाशन किया जा रहा है। इस स्तम्भ के लिये 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों से करियर संबंधी सवाल आमंत्रित किये जाते हैं।

इन सवालों के जवाब प्रोफेसर जयंतिलाल भंडारी देते हैं। पाठक अपने सवाल नीचे दिये गये पते पर भेजकर करियर संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पाठक पत्र लिखते समय पोस्टकार्ड या लिफाफे के ऊपर 'हमसे पूछिये' कॉलम जरूर लिखें।



रोज़गार और निर्माण
(हमसे पूछिये)

40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश
पिनकोड-462 011

- मैं कम अवधि का ऑनलाइन फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स करना चाहती हूँ। इस कोर्स को मैं किसी प्रमुख इंस्टीट्यूट से किस प्रकार कर सकती हूँ?

- निहारिका सचदेव, इंदौर

- आप कम अवधि का ऑनलाइन फिल्म एप्रिसिएशन कोर्स फिल्म एंड



टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) पुणे से कर सकती हैं। कोविड-19 के कारण इस संस्थान में फिल्म एप्रिसिएशन का कोर्स ऑनलाइन कराना भी सुनिश्चित किया है। इसके तहत इंटरैक्टिव क्लासेस लगेंगी। लेक्चर्स में 90 फीसदी अटेंडेंस होने पर ही सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस कोर्स के बारे में एफटीआईआई की वेबसाइट www.fti.ac.in पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

- मैं एमबीए फाइनल ईयर में हूँ। इस समय किन सेक्टरों में रोज़गार के अधिक अवसर हैं? क्या मुझे अच्छे जॉब के लिए महानगरों में ही प्रयास करना चाहिए?

- सरल शुक्ला, जबलपुर

- वास्तव में कोविड-19 के बीच रोज़गार और करियर के मंदनजर देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में नई नौकरियों के अवसर कम निर्मित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस समय नई नौकरियों के अवसर देश के उभरते हुए शहरों में अधिक दिखाई दे रहे हैं। इनमें बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद, चंडीगढ़, कोच्चि, कोयंबटूर, इंदौर आदि जैसे शहर गिने जा सकते हैं। ऐसे उभरते हुए शहरों से कोरोना के कारण देशव्यापी लॉकडाउन से उपजी आर्थिक महामंदी के बीच अधिक जॉब संबंधी सूचनाएँ सामने आई हैं।

गौरतलब है कि देश की प्रमुख मानव संसाधन कंपनी टीमलीज की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार देश के चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को छोड़कर मेट्रो के रूप में उभरते शहरों में रोज़गार के अवसर तेज़ी के साथ बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना के बाद के हालात में भी इन शहरों में नौकरियाँ बढ़ने की संभावनाएँ बनी रहेंगी। टीमलीज के मुताबिक हेल्थकेयर इंडस्ट्री, फार्मा सेक्टर, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और रिटेल कम्युनिकेशन सेक्टरों में तेज़ी के कारण नौकरियाँ बढ़ेंगी। इसके अलावा जिन अन्य क्षेत्रों से अर्थव्यवस्था को तेज़ी मिलेगी उनमें कृषि, एग्रोफेमिकल्स, ऑटोमोबाइल्स और उससे जुड़ी सेवाएँ, बीपीओ सेवाएँ, निर्माण और रियल एस्टेट और एनर्जी क्षेत्र शामिल हैं। इसी तरह जॉब मार्केट की अग्रणी कंपनी नौकरी डॉट कॉम के मुताबिक युवाओं के लिए जिन क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर

तेज़ी से बढ़ रहे हैं, उनमें टेक्नोलॉजी, आईटी, एनालिटिक्स, ई-कॉमर्स और गेमिंग शामिल हैं।

चूंकि कोविड-19 और लॉकडाउन के कारण रोज़गार के अवसर कम हुए हैं, इसलिए आप देश के उभरते शहरों में कार्यरत कंपनियों से ऑनलाइन सम्पर्क करके अपने लिए उपयुक्त कंपनियों में ऑनलाइन वायो डाटा और प्रोफाइल भेजना शुरू करें।

- मैं पारसल डिलीवरी का बिजनेस करना चाहता हूँ। इस क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाएँ बताइए?

- राज सुंदरमुर्ति, रीवा

- इस समय ई-कॉमर्स सेक्टर के साथ-साथ पारसल डिलीवरी का काम तेज़ी



से बढ़ रहा है। दरअसल प्लिपकार्ड, अमेज़न या स्नेपडील जैसी कंपनियाँ तेज़ी से छोटे-छोटे शहरों में अपनी पहुँच बना रही हैं ऐसे में कम समय में पैकेज की डिलीवरी के लिए ये कंपनियाँ लोकल लाजिस्टिक्स प्वाइंट को डेवलप करने का काम करती हैं। ऐसे में इन कंपनियों के साथ जुड़कर पारसल डिलीवरी के स्टार्टअप के लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। किसी भी बड़े ई-कॉमर्स ब्रांड से बतौर डिलीवरी पार्टनर जुड़ने के लिए आपको कुछ बातों पर ध्यान देना होगा। डिलीवरी पर्सन की ट्रेनिंग की जानी होगी। डिलीवरी पर्सन का सेफ्टी इश्योरेंस, इसमें उपयोग में ली जाने वाली गाड़ियों के इश्योरेंस के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट हो रहे समान का भी बीमा कराना होता है। इस बिजनेस में लाभ के लिए डिलीवरी पर्सन के लिए वेतन के स्थान पर प्रॉफिट शेयरिंग की नीति अपनाने हैं। प्रॉफिट शेयरिंग कॉन्सेप्ट होने से डिलीवरी पर्सन एक दिन में ज्यादा से ज्यादा पारसल डिलीवर करेगा। आप एक से अधिक ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ भी काम कर सकते हैं। यह भी जरूरी है कि आप पारसल कंपनी की ओर से दिए गए समय से पहले डिलीवरी करा सकें। इसके लिए टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करें। निश्चित रूप से पारसल डिलीवरी का काम इस समय अच्छा विकल्प है।

- मैं होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में करियर कैसे बना सकता हूँ?

- उमेश मोतेकर, मंदसौर

- टूरिज़्म इंडस्ट्री के सबसे प्रमुख क्षेत्रों में से एक आदर-सत्कार अर्थात् हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र भारत में लोकप्रियता के नए-नए सोपान छू रहा है और इस उद्योग में बहुत अधिक तेज़ी दर्ज की जा रही है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है, वैसे-वैसे यहाँ रोज़गार अवसरों में भी तेज़ी से वृद्धि हो रही है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होटल श्रृंखला का विस्तार हो रहा है एवं हमारे देश के होटल उद्योग को बेहतर सुविधाओं के साथ सर्वसंपन्न बनाया जा रहा है। होटल प्रबंधन उद्योग निरंतर ऐसे स्मार्ट, समर्पित और परिश्रमी लोगों की खोज में रहता है, जो अपनी इन्हीं विशेषताओं के बल पर उनके उद्योग में चार चाँद लगा दें। होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद होटलों, रेस्टोरेंट, क्लबों, विमान सेवाओं, अस्पतालों, सेना, संस्थानिक कैटरिंग एवं परामर्शी फर्मों, सांस्थानिक उपकरण एवं उत्पादों की डिजाइनिंग एवं विपणन करने वाले उद्योगों, होटल विपणन एवं बिक्री, रिजार्ट ऑपरेशन, समुद्री यात्री जहाज के होटल के प्रबंधन और कॉलेज अध्यापन जैसे क्षेत्रों में रोज़गार के दरों अवसर हैं। रेलवे, जहाजरानी और औद्योगिक कैंटीनों में भी रोज़गार के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। आप अपना स्वयं का व्यवसाय भी आरंभ कर सफल उद्यमी बन सकते हैं। होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में करियर बनाने हेतु न्यूनतम योग्यता बारहवीं निर्धारित है। भिन्न-भिन्न संस्थानों की चयन प्रक्रिया भिन्न हो सकती है, किन्तु सामान्यतः एक लिखित परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को ग्रुप डिस्कशन एवं इंटरव्यू से गुजरना पड़ता है। होटल मैनेजमेंट के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा या डिग्री पाठ्यक्रम की अवधि 1 से 4 वर्ष निर्धारित है। होटल प्रबंधन संस्थान में दाखिला लेने से पूर्व विद्यार्थियों को यह जॉब अवश्य कर लेनी चाहिए कि वह संस्था ए.आई.सी.टी.ई. भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है अथवा नहीं। गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नागपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, भोपाल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड स्टडीज मुंबई, द ओबेरॉय सेंटर ऑफ लॉनिंग एंड डेवलपमेंट सहित देश के विभिन्न प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट्स से होटल मैनेजमेंट का कोर्स करना करियर की दृष्टि से उपयुक्त रहेगा।

- मैंने एम.कॉम. किया है। क्या मैं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से पत्रकारिता का कोर्स कर सकता हूँ? जानकारी दीजिए।

- ललित श्रीवास्तव, कुशी

- आप पत्रकारिता का कोर्स माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से कर सकते हैं। इस बार कोविड-19 के कारण बिना प्रवेश परीक्षा के मेरिट के आधार पर एडमिशन दिए जाएंगे। जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन कम्प्यूटर से जुड़े विभिन्न कोर्स में एडमिशन लेने के लिये एमसीयू की ऑफिशियल वेबसाइट www.mcu.ac.in पर विजिट कर विस्तृत जानकारी प्राप्त करें।

- मैं ऑनलाइन एमए करना चाहता हूँ? इससे संबंधित जानकारी दें।

- अमिय सुरेंका, महु

- आप इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी से एमए हिन्दी का कोर्स ऑनलाइन

कर सकते हैं। कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के चलते यह कोर्स मानव संसाधन मंत्रालय के द्वारा लॉन्च किया गया है। कोर्स की विस्तृत जानकारी हेतु इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर विजिट करें।

- मुझे सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) में करियर बनाने की इच्छा है। इन उद्योगों की पूँजी सीमा कितनी है? इनमें करियर की नई संभावनाएँ कितनी हैं? मुझे शुरुआत में विस्तृत जानकारी, रजिस्ट्रेशन और प्रशिक्षण के लिए कहां संपर्क करना होगा?

- गौतम रणधर, भोपाल

- निश्चित रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) में करियर की



अच्छी संभावनाएँ कोविड-19 के बाद और बढ़ गई हैं। एक ओर सरकार ने एमएसएमई के लिए नया आर्थिक पैकेज घोषित किया है, वहीं दूसरी ओर एमएसएमई की परिभाषा भी विस्तृत कर दी गई है।

गौरतलब है कि कोविड-19 के महासंकट के बीच देश के कोने-कोने में दहते हुए एमएसएमई को पुनर्जीवित करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा विगत माह 13 मई को घोषित व्यापक आर्थिक पैकेज में कई राहतों की घोषणा एमएसएमई क्षेत्र के लिए की गई है। नए आर्थिक पैकेज में एमएसएमई क्षेत्र के लिए कुल 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के अमूल्य राहतकारी प्रावधान घोषित किए गए हैं। जिनमें से इस क्षेत्र की इकाइयों को 3 लाख करोड़ रु. का गारंटी मुक्त कर्ज दिया जाना सबसे प्रमुख प्रावधान है।

औद्योगिक इकाई की परिभाषा के तहत निवेश की सीमा बढ़ाकर सूक्ष्म उद्योग के लिए 1 करोड़ रुपये का निवेश और 5 करोड़ रुपये का कारोबार कर दिया है। वहीं लघु उद्योग के लिए निवेश की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये और 50 करोड़ रुपये का कारोबार कर दिया गया है। मध्यम उद्योग के लिए 20 करोड़ रुपये निवेश और 250 करोड़ रुपये तक का टर्नओवर कर दिया है। एमएसएमई की संशोधित नई परिभाषा के बाद देश की करीब 4643 सूचीबद्ध कंपनियों में से करीब 70 फीसदी सूचीबद्ध कंपनियाँ अब एमएसएमई श्रेणी का हिस्सा बनकर एमएसएमई के लिए घोषित नए लाभ को लेते हुए उद्योग-कारोबार को तेज़ी से आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे सकेंगी।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार ने एमएसएमई में नई जान फूँकने के लिए जो अभूतपूर्व प्रावधान किए हैं, उनसे देश की एमएसएमई इकाइयों को बहुत प्रोत्साहन मिलेगा। नए आर्थिक पैकेज के तहत छोटे उद्योग-कारोबार के लिए लोकल के लिए वोकल होने की जो संकल्पना की गई है, उससे स्थानीय एवं स्वदेशी उद्योगों को भारी प्रोत्साहन मिलेगा। वोकल फॉर लोकल अभियान से 'मेक इन इंडिया' अभियान को एक नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर इस समय एमएसएमई के लिए कदम आगे बढ़ाया जाना करियर के दृष्टिकोण से लाभप्रद है।

प्रत्येक जिले में जिला उद्योग केंद्र से एमएसएमई के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जिला स्तर पर जो उद्योग स्थापित हो सकते हैं, उनके बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा उद्यमिता विकास प्रशिक्षण केंद्र, भोपाल से उद्यमिता के समय-समय पर

आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

- लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कौनसी स्किल्स जरूरी है। इस क्षेत्र में कौन कौन-से जॉब मिल सकते हैं तथा मुझे कौनसी परीक्षाएँ देनी होंगी?

- संजय राठौर, उज्जैन

- शिक्षा के विस्तार, अनुसंधान गतिविधियों में तेज़ी तथा रिकॉर्डेड ज्ञान के उत्पादन में त्वरित वृद्धि ने पुस्तकालयों अर्थात् लाइब्रेरीज के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इंटरनेट के युग में आज लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन सेंटर के रूप में विस्तार पा चुकी है। यानी आज लाइब्रेरी का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पहले लाइब्रेरी का स्वरूप केवल पुस्तकों के स्टोर रूम के रूप में होता था और लाइब्रेरियन का काम भी काफी सीमित होता था, लेकिन अब सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में लाइब्रेरी का स्वरूप और लाइब्रेरियन का दायित्व तथा कार्यशैली पूरी तरह बदल गई है। लाइब्रेरियन के लिए कम्प्यूटर का ज्ञान अत्यावश्यक हो गया है। इसके अतिरिक्त इंटरनेट सर्चिंग और ऑनलाइन डाटाबेस का ज्ञान भी आवश्यक योग्यता हो गई है। पहले की पारंपरिक तकनीकों की तुलना में आज के दौर में लाइब्रेरियन कोर्स में आधुनिक तकनीक जैसे कि सूचना प्रबंधन व तकनीक, रिसर्च तकनीक, कैटलॉग और विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण आदि का समावेश हुआ है। लाइब्रेरी तथा इन्फॉर्मेशन साइंस के पाठ्यक्रम में डाटाबेस मैनेजमेंट, इन्फॉर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे नए विषय क्षेत्र भी जुड़ गए हैं। देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगमन के कारण इस क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं में वृद्धि हुई है। सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएँ हैं।

लाइब्रेरी तथा इन्फॉर्मेशन साइंस में कोर्स करने के उपरांत लाइब्रेरी साइंस के प्रोफेशनल्स पुस्तकालयों के अतिरिक्त बुक पब्लिशर वर्कर, चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर, कन्टेंट मैनेजर, डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर, इन्फॉर्मेशन ब्रोकर और वेबमास्टर आदि पदों पर काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के लिए कार्पोरेट जगत में रोज़गार के अच्छे अवसर हैं। यदि कोई व्यक्ति इस व्यवसाय को एक शिक्षक के रूप में अपनाना चाहता है तो उसे पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान में यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। भारत में ज्यादातर विश्वविद्यालय लाइब्रेरी और इन्फॉर्मेशन साइंस में बैचलर और मास्टर प्रोग्राम करवा रहे हैं। लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस में बैचलर डिग्री कोर्स हेतु शैक्षणिक योग्यता किसी भी विषय समूह से बारहवीं उत्तीर्ण है। कोर्स में प्रवेश हेतु संबंधित संस्थानों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम लिया जाता है। मध्यप्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में यह कोर्स उपलब्ध है।

- मैं यूजीसी द्वारा प्रदान की जाने वाली नेशनल फेलोशिप फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी प्राप्त करना चाहती हूँ। जानकारी दीजिए।

- सुनंदा सिन्हा, शुजालपुर

- यूजीसी के द्वारा नेशनल फेलोशिप फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी 5 साल के लिए दी जाती है। पहले साल 25 हजार रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाते हैं। यदि रिसर्च सफल रही तो तीन साल का एक्सटेंशन मिलता है तथा फिर हर माह 28 हजार मिलते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए आप वेबसाइट www.ugc.ac.in/nfpwd विजिट करें।

- डॉ. जयंतिलाल भंडारी
(रत्नभार देश के सीनियर करियर काउंसलर हैं)